@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 10 नवंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 6 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री ने किसानों के खातों में ट्रांसफर की 63 करोड़ की राशि, जारी किए दो डाक टिकट

● उराखंड ने प्रधानमंत्री को भेंट किया केदारनाथ के शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर का मॉडल ● मोदी ने उराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य समारोह में प्रदेश के 28 हजार किसानों के खाते में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना की 63 करोड़ की धनराशि स्थानांतरित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड उदय पर आधारित दो डाक टिकट जारी किए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने गौरवशाली अतीत सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक से प्रकाशित कॉफी टेबल बुक का विमोचन और सौंग व जमरानी जल विद्युत परियोजनाओं के साथ ही करीब 8, 260 करोड की विभिन्न योजनाओं का भी लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान उत्तराखंड की विकास यात्रा से संबधित फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। उत्तराखंड के गौरवपूर्ण रजत जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति प्रधानमंत्री पर भरोसे की मिसाल पेश कर गया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बाबा केदारनाथ के शीतकालीन स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ का मॉडल भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उत्तराखंड नागरिक उड्डयन के सचिव सचिन कर्वे व एयरपोर्ट ऑथरिटी के अध्यक्ष विपिन कुमार ने समझौता ज्ञापन एक-दूसरे को स्थानांतरित किया। इस समझौते से उत्तराखंड के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में स्थित नैनी सैनी हवाई पट्टी को पूर्ण रूप से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अधिग्रहण कर लिया है। इसके बाद नैनी सैनी हवाई पट्टी से नियमित उडानों के साथ ही यात्रा सीमाओं का भी विस्तार होगा

और आदि कैलाश व ओम पर्वत लिपुलेख जैसी यात्राओं को नई गति मिलेगी, साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के संभावित प्रवेश द्वार विकसित हो सकेंगे। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। गौरवशाली अतीत, सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक पर प्रकाशित यह कॉफी टेबल बुक केवल चित्रों का संग्रह नहीं बल्कि उत्तराखंड की आत्मा, उसकी अस्मिता और आकांक्षाओं का दस्तावेज है। कॉफी टेबल बुक में कैसे देव भूमि ने परंपरा को प्रगति से जोड़ा दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री ने दो डाक टिकट जारी किए।

यह डाक टिकट उत्तराखंड की 25 वर्षों की समृद्धि और संस्कृति की कहानी थीम पर आधारित हैं। इसमें उत्तराखंड उदय को दर्शाया गया है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने स्पेशल कवर का भी अनावरण किया। इसमें केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण, बदरीनाथ धाम का पुनरुद्धार, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, ऑल वेदर रोड आदि को दर्शाया गया है।रजत जयंती के मुख्य समारोह में उत्त्तराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस लघु फिल्म में उत्तराखंड निर्माण की गौरव गाथा के संघर्ष, राज्य के सृजन और राज्य स्थापना के 25 वर्ष की विकास यात्रा का फिल्मांकन किया गया है। फिल्म में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की राज्य स्थापना की घोषणा का भी फिल्मांकन है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि देश का अग्रिम चेहरा : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि अब यह देश का अग्रिम चेहरा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के आर्टिकल पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'इस आर्टिकल में केंद्रीय मंत्री जेएम सिंधिया ने उत्तर पूर्व की अपनी यात्रा का अनुभव शेयर किया और वहां की सुंदरता और लोगों की अटूट भावना के बारे में बताया है।' पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'केंद्रीय मंत्री ने उत्तर पूर्व को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए कहा कि कैसे यह दक्षिणपूर्व एशिया के लिए भारत का प्राकृतिक गेटवे बन रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि देश का अग्रिम चेहरा है।' आर्टिकल में सिंधिया ने कहा, 'पूर्वोत्तर की मनमोहक सुंदरता की बराबरी केवल यहां के लोगों की गर्मजोशी, सादगी और अदम्य साहस से ही हो सकती है, जिन्होंने मुझ पर अमिट छाप छोड़ी है। मैं इस यात्रा से इस क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए और भी अधिक परिश्रम और लगन से काम करने के नए संकल्प के साथ घर लौट रहा हूं।' केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार पूर्वोत्तर को संपर्क, संस्कृति और वाणिज्य के एक जीवंत केंद्र में बदल रही है। अगर उनकी दूरदर्शी सोच और चुनौतियों को अवसरों में बदलने की क्षमता न होती, तो आशा और संभावनाओं का यह पुनरुत्थान शायद अभी भी एक दूर का सपना ही बना रहता।'

मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने राजग उमीदवार के पक्ष में प्रचार के अंतिम दिन सासाराम, न्यू स्टेडियम में चुनावी सभाओं को संबोधित किया

एजेंसी

पटना। मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी। यही जोड़ी बिहार को देश के नंबर वन राज्य बनाएगी। जब केंद्र में मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और लालू की सरकार थी, तब आतंकवादी हमारी धरती पर अपनी मर्ज़ी से हमला करते थे। इसके उलट, अब हम आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार रहे हैं।

यह बातें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कही। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री ने राजग उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार के अंतिम दिन सासाराम, न्यू स्टेडियम में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थें। केंद्रीय गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि भविष्य में अगर पाकिस्तान के आतंकवादी फिर से हमला करने की हिम्मत करते हैं तो उनकी गोलियों का जवाब मोर्टार के गोले से दिया जाएगा। क्या आपको पता है कि ये मोर्टार गोले कहां बनाए

जाएंगे? बिहार में, सासाराम में, क्योंकि मोदी यहां एक रक्षा गलियारा बनाने जा रहे हैं। अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने की कोशिश करने के लिए भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां 550 साल पहले मुगल सम्राट बाबर ने कथित तौर पर एक प्राचीन हिंदू मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। आज, मोदी के सत्ता में आने पर, उस स्थान पर एक आसमान छूता मंदिर बनाया गया है। मैं आपको चल रहे चुनावों के नतीजे पहले ही बता सकता हूं। यह राज्य में मेरी 37वीं रैली है और मैं कह सकता हूं कि लालू जी और उनके सहयोगियों का पहले चरण में ही सफाया हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 14 नवंबर को बिहार में कांग्रेस-लालू प्रसाद का सुपर साफ हो जाएगा और भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने वाली है। उन्होंने लोगों से पूछा कि आपको कट्टा लहराने वाली सरकार चाहिए या पाकिस्तान पर गोली बरसाने वाली सरकार।

उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास के क्षेत्र में हो रही है क्रांतिकारी प्रगति

कौमी पत्रिका

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में नई दिल्ली में शुरू हुआ नेशनल अर्बन कॉनक्लेव आज दूसरे दिन चालू रहा जिसमें भारत सरकार के राज्य मंत्री श्री टोकन साहू जी एवं मंत्रालय के सचिव उपस्थित रहे। मंत्री श्री शर्मा ने कॉनक्लेव में बोलते हुए उत्तर प्रदेश में नगर विकास के क्षेत्र में हो रहे कार्यों को सभी के साथ साझा किया। कॉनक्लेव में उपस्थित सभी ने यूपी के कार्यों और नवाचारों की प्रशंसा की।इस दौरान मंत्री श्री ए के शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत का चेहरा होंगे हमारे नगर। इस विज़न में नगरों का बहुत महत्वूर्ण योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि शहरी प्रबंधन एक गंभीर विषय है। लेकिन अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इस दिशा में अच्छे प्रयास शुरू हुए हैं। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों से हो रहे ऐतिहासिक कार्यों का उन्होंने उदाहरण दिया जिसकी लोगों ने तारीफ की । श्री शर्मा ने बताया कि लखनऊ का शिवरी कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट बन रहा है एक वैश्विक सफल गाथा जहाँ 60 वर्षों से इकट्ठा हुआ 20 लाख टन कूड़े में से तीन चौथाई से ज़्यादा को प्रोसेस कर उपयोगी वस्तुएँ बनाई गई है। साथ ही 21 एकड़ ज़मीन ख़ाली की गई है और वहाँ सुंदर पार्क,

ऑफिस बिल्डिंग तथा मीटिंग हॉल बनाया गया है। बाक़ी का कूड़ा भी कुछ महीनों में साफ़ हो जाएगा। इसी प्रकार आज़ादी के बाद से लखनऊ के घैला में इकट्ठा हुआ 7 लाख टन कूड़े के पहाड़ को ख़त्म कर अटल प्रेरणा पार्क बनाया गया है।इनसे निकले हुए मटेरियल से लखनऊ में यूपी दर्शन पार्क बना है। जो एक वैश्विक उदाहरण बना है।यहाँ से निकला आरडीएफ सीमेंट फैक्टरियों को और कंपोस्ट खाद किसानों को दी जा रही है। इतना ही नहीं लखनऊ से रोज़ का निकलने वाला 2100 टन कूड़ा अब रोज़ प्रोसेस करते हुए जीरो डेली वेस्ट वाला शहर बना है। अब यहाँ कूड़े के पहाड़ नहीं बनेंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार का कार्य प्रयाग और आगरा सहित कई नगरों में हुआ है। इन ख़ाली हो रही जगहों पर सुंदर मियावाकी वन और विविध पार्क बनाये गए हैं। प्रयाग में कूड़े के पहाड़ से निकले मेटल से शिवालय पार्क नामक सुंदर पार्क बनाया गया है।श्री शर्मा ने यह भी बताया कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से कई अच्छे काम हो रहे हैं और हो सकते हैं और हो रहे हैं। इसी प्रकार उन्होंने बताया कि कैसे अन्य विभागों और एजेंसियों द्वारा हो रहे कार्यों या उपस्थित की जा रही चुनौतियों का सक्षम प्रबंधन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इस अवसर पर नए एवं विकसित भारत के चेहरे बनने वाले नगरीय निकायों को नगरीय क्षेत्रों में जन उपयोगी सुविधाओं के विकास एवं उस परिक्षेत्र के सभी विषयों के प्रबंधन हेतु निकायों को सर्वोच्च संस्था बनाने के उनके विधिक सुझाव को सभी ने स्वीकार किया।

उराखंड के बागेश्वर में 3.6 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में रविवार दोपहर को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय

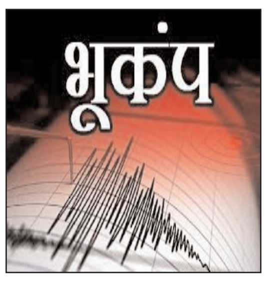

भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप दोपहर 2 बजकर 40 मिनट 4 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बागेश्वर क्षेत्र में 30.02ए उत्तरी अक्षांश और 79.95ए पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसकी गहराई 10 किलोमीटर नीचे था। जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि फिलहाल किसी तरह के जान-माल

बिहार विधानसभा चुनाव दूसरे चरण की 122 सीटों पर चुनाव प्रचार थमा, मतदान 11 नवबर को

● दूसरे चरण में 3 करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता 1302 उमीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे।

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवम्बर को मतदान होगा। इसके लिए रविवार शाम चुनाव प्रचार का शोर थम गया है। आखिरी दिन सभी दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान हो चुका है। दूसरे चरण में 3 करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें एक करोड़ 95 लाख 44 हजार 041 पुरुष मतदाता और एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिला मतदाता दूसरे चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें 101 सामान्य सीटें हैं, जबकि 19 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, कुल 1302 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, इसमें से सबसे अधिक 22-22 उम्मीदवार कैमूर के चैनपुर, रोहतास के सासाराम और गया के गया शहर में हैं। सबसे कम उम्मीदवार 6 विधानसभा क्षेत्र में हैं। इसमें पश्चिम चंपारण का लोरिया, चनपटिया, पूर्वी चंपारण का रक्सौल और सुगौली, सुपौल का त्रिवेणीगंज और पूर्णिया का बनमनखी विधानसभा क्षेत्र शामिल है। जहां प्रत्येक विधानसभा सीट पर 5-5 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। चुनाव आयोग के

अनुसार दूसरे चरण में 45,399 बूथ बनाए गए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र में 40,073 और शहरी इलाकों में 5,326 बूथ हैं। 45,388 सामान्य बूथ और 11 सहायक बूथ बनाए गए हैं। दूसरे चरण में 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 वोटर हैं। इसमें 7 लाख 69 हजार 356 फर्स्ट टाइम वोटर हैं। 943 थर्ड जेंडर भी वोट डालेंगे। दूसरे चरण में 43 एनआरआई वोटर भी हैं। 100 साल से अधिक उम्र के 6,255 वोटर हैं, जबकि सेवा मतदाताओं की संख्या 63,373 है।

● दूसरे चरण में कई दिग्गजों के भाग्य का होगा फैसला

दूसरे चरण में कई दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला होना है। इनमें नीतीश कुमार के सबसे वरिष्ठ मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), नीतीश कुमार के नजदीकी मंत्री लेसी सिंह (धमदाहा), पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी (बेतिया), मंत्री शीला मंडल (फुलपरास) के अलावा एकमात्र मुस्लिम मंत्री जमा खान (चैनपुर) शामिल हैं। दूसरे चरण के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित एनडीए के सभी वरिष्ठ नेताओं ने ताकत लगाई है। वहीं, दूसरी तरफ महागठबंधन से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने चुनाव प्रचार किया है। इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के लिए प्रशांत किशोर, बहुजन समाज पार्टी के लिए मायावती और एआईएमआईएम के लिए असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपने-अपने प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगा।

महाराष्ट्र भारत की असली 'स्टार्टअप राजधानी' है : देवेंद्र फडणवीस

राज्य सरकार ने नवउद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए नीति बनाई है।

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को मुंबई में कहा कि महाराष्ट्र भारत की

असली स्टार्टअप राजधानी है। इसका कारण भारत में सबसे अधिक पंजीकृत स्टार्टअप्स महाराष्ट्र में हैं, जिनमें से 45 प्रतिशत स्टार्टअप्स महिलाओं के नेतृत्व में हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को हासिल करने में महाराष्ट्र और विशेष रूप से महिला उद्यमियों का बड़ा हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस आज जुहू स्थित एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के मन में हर विचार नवप्रवर्तन है और इस स्टार्टअप के युग में हर व्यक्ति को नया उद्यमी बनने का अवसर है। उन्होंने ब्रिटेन में उस युग की बात याद दिलाई, जब महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था। लेकिन 1916 में महर्षी धोंडो केशव कर्वे ने महिलाओं के लिए स्वतंत्र विश्वविद्यालय स्थापित किया। उनकी दूरदृष्टि ने आज महिला

▶▶ मुयमंत्री ने बताया कि आज नवप्रवर्तन सिर्फ नए उत्पाद नहीं ला रहा, बल्कि जीवन को और सरल बन रहा है।

सशक्तीकरण और नवप्रवर्तन के नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य सरकार ने नवउद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए नीति बनाई है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को पंख देने में सरकार और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है और राज्य सरकार हर कदम पर नवउद्यमियों का समर्थन कर रही है।

राहुल-तेजस्वी-अखिलेश की राजनीति स्वार्थ पर टिकी : केशव मौर्य

● *इन तीनों की अपनी-अपनी ढपली है और अपना-अपना राग।*

एजेंसी

पटन। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और बिहार चुनाव के सह प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन कुछ नहीं, एक-दूसरे की टांग खींचने और धोखेबाजी का खेल है। इसके तीन खिलाड़ी हैं- राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव। इन तीनों की अपनी-अपनी ढपली है और अपना-अपना राग।

महागठबंधन की अंदरूनी राजनीति पर निशाना साधते हुए केशव मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी किसी भी कीमत पर नहीं चाहते कि दोनों यादव मुख्यमंत्री बनें। वे दोनों की लाठी तोड़कर अपना पंजा मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राजनीति में खेले-खाए यादव बंधु भी कम उस्ताद नहीं हैं। वे भी किसी कीमत पर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनते नहीं देखना चाहते। यानी यह गठबंधन नहीं, टंगड़ी मारने वालों का क्लब है। केशव मौर्य ने महागठबंधन के तीनों प्रतीकों पर भी व्यंग्य किया। बोले- लालटेन बुझ चुकी है, साइकिल पंचर है और पंजे में अब कोई दमखम नहीं बचा। जनता ने इन प्रतीकों को बार-बार आजमाया और अब इनसे ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब विकास, रोजगार और स्थिर सरकार चाहती है।

सीएम नीतीश कुमार का राजद पर निशाना, बोले-

परिवारवाद वालों ने विकास को रोक दिया था

एजेंसी

सासाराम। बिहार चुनाव के प्रचार अभियान के अंतिम दिन रविवार को सभी दलों के नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, और मुकेश सहनी चुनावी प्रचार में उतरे, तो एनडीए की ओर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एमपी के सीएम मोहन यादव, और बिहार के सीएम नीतीश कुमार विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचे। परिवारवाद को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने रोहतास के विक्रमगंज, नोखा, और करगहर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने साल 2005 से बिहार में विकास की नई शुरुआत की थी, जब राज्य पूरी तरह बदहाली में था। उन्होंने याद दिलाया कि पहले के शासनकाल में न तो सड़कें थीं, न कानून-व्यवस्था, और लोग शाम ढलते ही घरों से निकलने से डरते थे। उन्होंने कहा कि पहले सत्ता में रहने वालों ने सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा दिया, राज्य के विकास पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने राजद प्रमुख लालू यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जब उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया और सरकार को परिवार तक सीमित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज वही लोग फिर से सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं, लेकिन बिहार की जनता अब सब

▶▶ परिवारवाद को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने रोहतास के विक्रमगंज, नोखा, और करगहर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजद पर निशाना साधा।

कुछ समझ चुकी है। अब जनता जानती है कि किसने विकास किया और किसने सिर्फ नारे दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बिहार को अंधकार से निकालकर शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया ताकि लोग सम्मान के साथ जीवन जी सकें। 2005 में एनडीए की सरकार बनने के बाद उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था को सुधारने को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा, 'हमने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की, पुलिस की जिम्मेदारी तय की और लोगों को भरोसा दिलाया कि अब बिहार में कानून का राज होगा। एनडीए के शासनकाल में लोग बेखौफ होकर यात्रा कर सकते हैं।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोगों से बिहार की विकास यात्रा में सहभागी बनकर विकसित बिहार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में सबके लिए काम हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा 'विकास के साथ न्याय' के सिद्धांत पर काम किया है। हमने गरीबों, दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को सशक्त किया है। पंचायती राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिससे वे निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन सकीं। सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया।

गुजरात एटीएस तीन आतंकियों को पकड़ा, बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे

-सभी आतंकवादी 30 से 35 साल के और पूरी तरह से ट्रेंड, पूछताछ जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश के दुश्मनों द्वारा रची जा रही एक बड़ी आतंकी साजिश को गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने नाकाम कर दिया है। गुजरात एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े तीन ट्रेंड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये तीनों आतंकी देशभर में बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे। खुफिया जानकारी के आधार पर एटीएस ने इन आतंकियों को उस वक्त पकड़ा, जब वे गुजरात में हथियार एक्सचेंज करने पहुंचे थे। एटीएस पिछले कई महीनों से इन तीनों संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों पर नज़र रख रही थी, जिसके बाद पुख्ता इनपुट पर यह गिरफ्तारी की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों का देश के अलग-अलग हिस्सों से कनेक्शन सामने आया है। इन तीनों संदिग्धों में से दो आतंकी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। खुफिया सूत्रों का दावा है कि गिरफ्तार सभी आतंकवादी 30 से 35 साल की उम्र के हैं और पूरी तरह से ट्रेंड हैं। इनकी गिरफ्तारी से आईएसआईएस के मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। यह चिंताजनक है कि आतंकी संगठन देश में नवयुवकों को गुमराह कर उन्हें आतंकवाद के दलदल में धकेलने की साजिशें रच रहे हैं। इससे पहले भी देश में हमले की साजिश रचने वाले कई आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हो चुका है, जिनमें झारखंड की राजधानी रांची से भी कुछ आरोपियों को पकड़ा था। गुजरात एटीएस अब इन तीनों आतंकवादियों से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क, फंडिंग और अगले लक्ष्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

मासूम से करना चाहता था दुष्कर्म, विरोध करने पर पूरे शरीर को दांतों से काटा

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत जिले में एक 9 साल की मासूम के साथ 35 साल के वहशी दरिंदे ने पहले बच्ची से अश्लील हरकत की फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। वहीं जब मासूम ने विरोध किया तो उसके चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर दांतों से काट लिया। यह मामला कोतवाली बड़ौत क्षेत्र की एक कॉलोनी का बताया जा रहा है। यहां रहने वाली 9 साल की बच्ची को उसकी दादी ने दुकान से सामान लाने भेजा, लेकिन रास्ते में ही हैवान शख्स ने उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ गंदी हरकत की। जब मासूम ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके शरीर को दांतों से काट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक बच्ची किसी तरह वहां से भागकर और रोती-बिलखती घर पहुंची। जब दादी ने पूछा तो उसने सारी बात बताई, जिससे परिवार के होश उड़ गए। आरोपी समुदाय विशेष का निकला, जिसके बाद मामले ने साम्प्रदायिक रंग ले लिया। हिंदू संगठनों ने घटना की निंदा की। हिंदू संगठन के नेता ने कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं है। मासूम बच्ची के साथ ऐसी दरिंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाकर रहेंगे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को जिला अस्पताल भेजा, जहां उसका मेडिकल कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

झरने में डूबने से एनआईटी सिलचर के तीन छात्रों की मौत

दीमा हसाओ (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले में स्थित बुलचोल झरने पर घूमने गए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर के तीन छात्रों की डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शनिवार अपराह्न हरंगाजाओ क्षेत्र के बोल्सोम बागान के पास हुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के सौहार्द राय (20), सर्ववर्तिका सिंह (20) और बिहार की राधिका (19) के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद राहत टीम ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दुर्गम इलाके और खराब मोबाइल नेटवर्क के कारण बचाव कार्य में बाधा आई। प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए लोगों से झरनों या जल स्रोतों के पास सावधानी बरतने की अपील की है।

पांच एकड़ में की जा रही अफीम की अवैध खेती नष्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पांच एकड़ जमीन पर की जा रही अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोंगलुंग, ल्हांगजोल और वाफोंग गांवों के आस-पास की पहाड़ी क्षेत्रों में की गई। मौके से आठ खोखे, उर्वरक के बैग और अफीम के बीज जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दो नवंबर को भी इन्हीं इलाकों में लगभग 30 एकड़ में फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया था। मणिपुर में नशे के कारोबार और अफीम उत्पादन को रोकने के लिए यह अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य के कुछ सीमावर्ती और पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती लंबे समय से स्थानीय गिरोहों और तस्करों की मदद से की जा रही है, जिसे अब पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग और भानु राणा जॉर्जिया और अमेरिका में गिरफ्तार

-भारत लाने की तैयारी शुरू, दोनों पर हरियाणा-पंजाब में दर्ज हैं संगीन मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। विदेशी धरती पर गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में भारत के दो मोस्ट वांटेड अपराधी वेंकटेश गर्ग और भानु राणा को जॉर्जिया और अमेरिका में हिरासत में ले लिया है। दोनों पर हरियाणा और पंजाब में कई संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार की तरफ से विदेशों में छिपे गैंगस्टरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग जॉर्जिया में पकड़ा गया है। इसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक वेंकटेश गर्ग को बहुत जल्द जॉर्जिया से भारत लाया जाएगा। उसे भारत लाने के लिए हरियाणा एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम जॉर्जिया पहुंच चुकी है।

न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार

–सीजेआई गवई ने एक कार्यक्रम में पीएम मोदी की मौजूदगी में कही यह बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई बी आर गवई ने कहा है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जजों और वकीलों का यह कर्तव्य है कि वे तय करें कि न्याय का प्रकाश समाज के हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कानूनी सहायता वितरण तंत्र को मजबूत करने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के बोले हुए जस्टिस गवई ने कहा कि कानूनी सेवा आंदोलन का असली पुरस्कार आंकड़ों या वार्षिक रिपोर्ट में नहीं है, बल्कि उन नागरिकों की शांत कृतज्ञता और नए सिरे से विश्वास में है, जो कभी खुद को अनदेखा महसूस करते थे।

सीजेआई ने कहा कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार है और न्यायाधीशों, वकीलों और अदालत के अधिकारियों के रूप में हमारी भूमिका यह तय करने की है कि न्याय का प्रकाश समाज के हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। गवई ने कहा कि पीएम मोदी की उपस्थिति कानूनी सहायता और सभी के लिए न्याय तक पहुंच को आगे बढ़ाने में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की साझा जिम्मेदारी की पुष्टि करती है।

उन्होंने कहा कि सफलता का असली मापदंड संख्या में नहीं बल्कि आम आदमी के विश्वास में है, इस विश्वास में कोई न कोई, कहीं न कहीं, उनके साथ खड़ा होने को तैयार है। गवई ने कहा कि और इसीलिए हमारा काम हमेशा इस भावना से निर्देशित होना चाहिए कि हम जीवन बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपकी एक दिन की उपस्थिति, किसी गांव या जेल का दौरा, संकटग्रस्त व्यक्ति से आपकी बातचीत, किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जीवन बदल देने वाली हो सकती है, जिसके लिए पहले कभी कोई मदद के लिए नहीं आया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी सहायता को प्रतिक्रियात्मक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए। पीएम मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे, जिसमें केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, न्यायमूर्ति गवई के उत्तराधिकारी सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी शामिल हुए।

दुबई में करतब दिखाएगा भारतीय वायुसेना का सूर्यकिरण विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में 17 से 21 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय एयर शो का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भारत की दो तरफा भागीदारी देखने को मिलेगी। एक ओर भारतीय वायुसेना के कुल 9 सूर्यकिरण विमानों की टीम अपने हवाई करतब से एयर शो में अपना जलवा बिखेरेगी। वहीं, दूसरी ओर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस बार इस अंतरराष्ट्रीय वैमानिकी शो में शिरकत करेंगे। रक्षा सूत्रों ने बताया कि वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों की एक टीम एयर शो के शुरुआती दो दिनों 17 से 18 तक इसमें शामिल होगी। जबकि भारत की तरफ से रक्षा मंत्री की भागीदारी भी खासी महत्वपूर्ण रहेगी। हर बार की तरह इस बार भी यह एयर शो दुबई के अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित किया जाए। जिसे दुबई वर्ल्ड सेंट्रल के नाम से भी जाना जाता है। सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम में शामिल 9 रेड और वाइट हॉक मार्क-132 विमान हैं। एचएएल ने इन्हें लाइसेंस के तहत बनाया है। ये भारत की ही नहीं बल्कि एशिया की नौ विमानों की बेहद निकटता से हवाई करतब दिखाने वाली पहली टीम है। जिसमें इनकी हार्ट, डायमंड, लूप और काम्बैट फॉरमेशन चर्चित हैं। वहीं, सारंग की स्थापना 2005 में 151 हेलीकॉप्टर यूनिट के रूप में की गई थी। यह यूनिट 5 संशोधित ध्रुव हेलीकॉप्टर उड़ाती है और इनका मुख्य तैनात एयरबेस कोयंबटूर के पास स्थित सुलूर एयरबेस है। बीते कुछ सालों से दुबई एयर शो में भारत की एक मजबूत और नियमित उपस्थिति देखने को मिल रही है। यह एक द्विवार्षिक यानी दो साल में एक बार होने वाला आयोजन है। 2023 में एयर शो में वायुसेना के दो स्वदेशी हवाई हथियारों और सैन्य उपकरणों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।

हरियाणा में अपराधियों की शामत, 2 दिनों में कई जगह हुई छापेमारी में 56 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' में सिर्फ दो दिनों में 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर कानून का कड़ा संदेश दिया है। इस अभियान का मकसद अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ना, उनकी संपत्तियां जब्त करना और नई वारदातों को रोकना है। जनता-पुलिस की साझी सफलता ने साबित कर दिया है कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है। इस अभियान का नेतृत्व डीजीपी ओपी सिंह कर रहे हैं, और इसकी रणनीति थाना, जिला और राज्य स्तर पर बनाई गई है। हर थाना अपने क्षेत्र के पांच सबसे कुख्यात अपराधियों को निशाने पर रखे हुए है, जबकि हर जिले की टीम 10 टॉप मोस्ट अपराधियों की गिरफ्तारी पर ध्यान दे रही है। एसटीएफ ने राज्यभर के 20 सबसे खतरनाक अपराधियों की सूची तैयार की है, जिन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यह अभियान 20 नवंबर तक चलेगा और इसका मुख्य उद्देश्य कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके नेटवर्क को तोड़ना, नई वारदातों को रोकना और सुरक्षा मजबूत करना है। पहले ही दो दिनों में पुलिस ने कुल 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि 602 अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई हुई है। यह अभियान अपराधियों में डर पैदा कर चुका है और जनता-पुलिस के सहयोग से सफलता की नई मिसाल कायम की है। अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनके नेटवर्क को तोड़ना, संपत्तियां जब्त करना, जमानत रद्द करवाना और भविष्य में अपराध रोकना इस अभियान की प्राथमिकता है। पहले ही दो दिनों की सफलता ने दिखा दिया कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है और कानून पूरी तरह अपना नियंत्रण बनाए हुए है। पहले दो दिनों की जबरदस्त सफलता ने दिखा दिया कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन कितना असरदार है। 5 नवंबर को एक ही दिन में 32 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई, वहीं 6 नवंबर को 24 और कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 252 अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई। इन दो दिनों में 9 हिस्ट्रीशीट भी खोली गईं, जिससे अपराधियों का रिकॉर्ड अपडेट हुआ और भविष्य में उनकी जमानत रद्द करने की प्रक्रिया तेज़ हुई।

सुवेंदु का ममता पर तीखा हमला कहा- बंगाल में दुष्कर्म जैसी घटना को दबाती है पुलिस

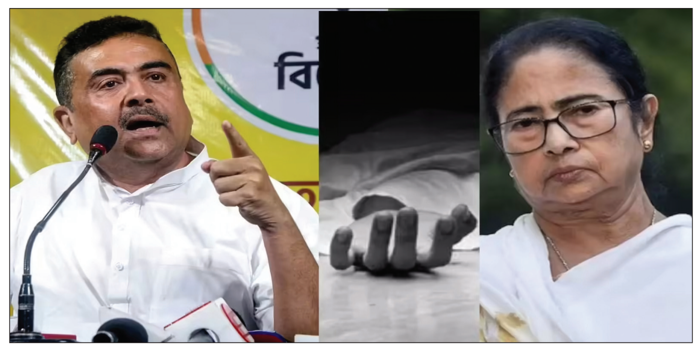

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बदहाली पर नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असफल करार दिया है। तारकेश्वर में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बच्ची की जिंदगी बर्बाद हो गई, लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बजाय अपराध दबाने में लगी है। परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, फिर चंदननगर रेफर कर दिया। सुवेंदु ने सवाल उठाया कि तारकेश्वर पुलिस कानून की रक्षा कर रही है या ममता के चाटुकार बनी हुई है? उन्होंने कहा कि यह ममता बनर्जी के बेलगाम शासन का असली चेहरा है। हर बार एक ही कहानी– बलात्कार, एफआईआर न होना या देरी, अस्पताल रेफर, मीडिया ब्लैकआउट और टीएमसी नेताओं का पर्दाफाश। ममता बनर्जी, आपके राजनीतिक अस्तित्व के लिए और कितनी मासूम बेटियों की जान कुर्बान करनी पड़ेगी?

सुवेंदु ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके शासन में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। पुलिस सच्चाई दबाकर राज्य की नकली छवि बचा रही है। तारकेश्वर पुलिस ने अपनी शपथ भुला दी है। यह घटना सिर्फ एक उदाहरण है, जो राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं की पोल खोलती है। इससे पहले सुवेंदु ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केएमसी अवैध तरीके से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहा है। इनका मकसद वास्तविक नागरिकों की मदद नहीं, बल्कि उन संदिग्ध व्यक्तियों को फायदा पहुंचाना है, जिनके नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। एक्स पर पोस्ट में सुवेंदु ने चुनाव आयोग से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि यह मतदाता सूची में हेरफेर और लोकतंत्र को कमजोर करने का घोर प्रयास है। जन्म प्रमाणपत्र कानूनी दस्तावेज हैं, जो नवजात शिशुओं या दुर्लभ मामलों में देरी से पंजीकरण के लिए जारी होते हैं। ये राजनीतिक हथियार नहीं, जिनका इस्तेमाल वोट बैंक के लिए जनसांख्यिकी बदलने में हो। भाजपा नेता का कहना है कि टीएमसी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। बच्ची बलात्कार जैसी जघन्य घटना में पुलिस की निष्क्रियता और फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का खेल राज्य में कानून की मौत का प्रमाण है। सुवेंदु ने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि असफल शासन की यही पहचान है अपराध दबाओ, सच्चाई छिपाओ, वोट बैंक बनाओ। चुनाव आयोग और जनता से अपील की कि ऐसे खेल को रोका जाए। बंगाल की जनता अब जाग रही है और ममता के इस बेलगाम शासन को जवाब देगी।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना हुआ दूभर, 350 के पार हो गया एक्यूआई

फरीदाबाद (एजेंसी)। ठंड की शुरुआत होते ही गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना दूभर हो गया है। यहां एक्यूआई 350 के पार हो गया है। मौसम और औद्योगिक गतिविधियों के चलते इन दोनों शहरों की हवा सांस लेने के लिए हानिकारक बनी हुई है। गुरुग्राम में आज का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) औसतन खराब श्रेणी में है, लेकिन अलग-अलग इलाकों में यह स्तर काफी अलग दिख रहा है। उदाहरण के लिए सेक्टर 47 में एक्यूआई 358 दर्ज किया गया है, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। वहीं, शहर के अन्य हिस्सों का औसत एक्यूआई 143 के आसपास है जो सामान्य तौर पर खराब माना जाता है। इसका मतलब यह है कि सेक्टर 47 और आसपास के लोग आज अपनी सेहत के प्रति विशेष सतर्कता रखें और लंबी अवधि तक बाहर रहने से बचें। बल्लभगढ़ में आज का एक्यूआई 157 दर्ज किया गया है, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रदूषण का स्तर काफी अधिक है। पीएम 2.5 छोटे कण होते हैं जो सांस के रास्ते आसानी से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकते हैं। लंबे समय तक ऐसे प्रदूषित वातावरण में रहने से सांस की बीमारी, एलर्जी और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग विशेष सतर्कता बरतें और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। सामान्य लोगों के लिए भी आज मास्क पहनकर बाहर निकलना और व्यायाम या लंबी पैदल यात्रा को सीमित करना बेहतर होगा। घर के अंदर हवा को शुद्ध रखने के लिए एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल और खिड़कियां बंद रखना फायदेमंद हो सकता है। कुल मिलाकर आज गुरुग्राम और फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सामान्य से खराब है और सभी लोगों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी है।

यहां एक्यूआई बेहद खराब

वहीं फरीदाबाद की बात करें तो यहां आज का कुल एक्यूआई स्तर अस्वस्थ श्रेणी में है जिसका औसत लगभग 204 है। फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में भी वायु गुणवत्ता में अंतर देखा जा रहा है। उदाहरण के तौर पर सेक्टर 11 का एक्यूआई 275 है, जो खराब श्रेणी में आता है। न्यू इंडस्ट्रियल टाउन और नरेला राजीव नगर में एक्यूआई क्रमशः 230 और 230 दर्ज किया गया है, जो भी खराब श्रेणी के अंतर्गत आता है। इन आंकड़ों से साफ दिखता है कि फरीदाबाद में औद्योगिक गतिविधियों और वाहनों के धुएं के कारण वायु में प्रदूषकों का स्तर काफी अधिक बढ़ गया है।

विपक्ष की लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत

–चिराग बोले– जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को मुद्दा बना लिया

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के मतदान के लिए रविवार को चुनाव प्रचार का शोर थम गया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव को उनके हालिया बयानों को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में विपक्षी दलों के नेता मुद्दों से भटक जाते हैं और बेवजह के मुद्दों पर लोगों को गुमराह कर वोट हासिल करना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह सोच अच्छी नहीं है।

चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष चुनाव से पहले एसआईआर जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, दावा किया जा रहा था कि एसआईआर के जरिए लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, क्या आपको कोई ऐसा मतदाता मिला जिसने कहा कि उसका वोट काट लिया गया है? यह लोग ईवीएम को दोषी ठहराते है, जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को नया मुद्दा बना लिया।

चिराग ने आगे कहा कि एसआईआर का न तो सरकार से और न ही हमारे राज्य के लोगों से कोई लेना-देना है। हर चुनाव में विपक्ष ने हमेशा भ्रम फैलाने की कोशिश की है। यह विपक्ष की रणनीति का हिस्सा बन गया है, जब भी चुनाव आते हैं, वे एक झूठी कहानी बनाते हैं, गलत सूचना फैलाते हैं और डर पैदा करने की कोशिश करते हैं। लोकसभा चुनाव में भी देखा गया था कि विपक्ष ने भ्रम फैलाया कि एनडीए की सरकार फिर से आई तो देश में आरक्षण और संविधान खत्म हो जाएगा। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल को सवा साल से ज्यादा हो गया है। मैं विपक्षी दलों के नेता से पूछता हूं कि क्या संविधान और लोकतंत्र खत्म हो गया।

एसआईआर का जिक्र करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि एसआईआर उनके लिए मुद्दा है तो एक बार भी अधिकृत आपत्ति दर्ज क्यों नहीं करवाई? अगर आपको चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो सुप्रीम कोर्ट जाइए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लोगों को डराकर वोट हासिल करने की सोच गलत है।

बेंगलुरू की जेल में मौज काट रहे आतंकी, मोबाइल पर घंटो बात करते और टीवी देखते हैं कैदी

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में आतंकियों को घर जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। उनके एशो आराम में कोई कमी नहीं है। खतरनाक आतंकी यहां कभी घंटों मोबाइल पर बात करते हैं तो कभी टीवी देखकर अपना मनोरंजन करते नजर आते हैं। इसी तरह का वीडियो वायरल होते ही कर्नाटक में हड़कंप मच गया है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए छह वीडियो में आईएसआईएस के हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना, सीरियल रेपिस्ट और मर्डरर उमेश रेड्डी जैसे खूंखार कैदी मोबाइल फोन पर बातें करते, टीवी देखते और अन्य सुविधाओं का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। वहीं स्थानीय निवासियों की शिकायत रहती है कि जेल के आसपास लगे नेटवर्क जैमर उनकी मोबाइल सिग्नल बाधित कर रहे हैं, लेकिन कैदी बिना रुकावट फोन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं रिपोर्ट मंगवाऊंगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। एडीजीपी (जेल) बी दयानंदा ने जांच के आदेश जारी किए हैं। इसमें फोन मुहैया कराने वालों, शामिल अधिकारियों की भूमिका और वीडियो लीक करने वालों की पहचान होगी। एडीजीपी (जेल) पीवी आनंद रेड्डी ने जेल का दौरा किया और कैदियों व स्टाफ से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में वीडियो 2023 और 2025 के पाए गए। वायरल वीडियो में से तीन वीडियो 2023 के बताए जा रहे हैं, जबकि बाकी हाल के हैं। इस सुरक्षा चूक ने न केवल जेल प्रशासन को शर्मसार किया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वीडियो में आईएसआईएस के कुख्यात हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना को स्मार्टफोन और बेसिक हैंडसेट पर बात करते हुए देखा गया है।

महाराष्ट्र में बड़ा सवाल: क्या निकाय चुनावों में टूट जाएगा उद्धव और शरद पवार के साथ कांग्रेस का गठबंधन?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में महाराष्ट्र कांग्रेस अगले सप्ताह यह फैसला करेगी कि राज्य में चुनावों के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन किया जाए या नहीं।

खबरों के मुताबिक यह निर्णय 12 नवंबर को होने वाली महाराष्ट्र कांग्रेस संसदीय बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले सभी जिला अध्यक्षों के साथ चर्चा की जाएगी, जिसके बाद राज्य के वरिष्ठ नेता विचार-विमर्श करेंगे और अंतिम फैसला लेंगे। बैठक में यह तय होने की उम्मीद है कि कांग्रेस को अपने महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के साथ गठबंधन करना चाहिए या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर विरोध है। पिछले कुछ महीनों से, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले हाथ मिलाने के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उनके जिला संसदीय बोर्ड दो दिसंबर को होने वाले 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे करने और संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाने की प्रक्रिया में हैं। सूत्रों ने बताया, 'ब्लॉक स्तर के नेता स्थानीय स्तर पर चुनाव रणनीति की देखरेख कर रहे हैं और जिला इकाई प्रमुख अपने-अपने क्षेत्रों का प्रबंधन कर रहे हैं, जबकि प्रमुख नेता संभाग स्तर पर गतिविधियों की देखरेख, रणनीति और प्रचार कर रहे हैं।' राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी तक 29 नगर निगमों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, जिनमें मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका, 32 जिला परिषद और 336 पंचायत समितियां शामिल हैं, जहां चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने स्थानीय नेताओं से कहा है कि वे जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति के अनुसार केवल कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन दलों के साथ गठबंधन पर फैसला लें। सूत्रों ने कहा, 'हमें 6,859 सीट के लिए उम्मीदवारों से 35,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।' दो दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी। कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी के लिए चुनाव में अच्छी संभावना है क्योंकि ग्रामीण मतदाता बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए राहत पैकेज को लेकर सरकार से 'नाराज' हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके अनुसार 'वोट चोरी' का उनका मुद्दा जमीनी स्तर पर पहुंच गया है। पार्टी नेताओं के अनुसार, प्रदेश इकाई ने स्थानीय चुनाव की तैयारी के लिए सूक्ष्म स्तर की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बूथ प्रमुखों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं।

बाइक सवार पाकिस्तानी शरणार्थी को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी के मुकुंदपुर चौक के पास तेज रफ्तार कार ने पाकिस्तानी शरणार्थी की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नौ माह के बेटे की मौत हो गई, वहीं चार साल के बेटे की हालत गंभीर बनी है। घटना के बाद मौके से भाग रहे कार चालक को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली है। जानकारी के मुताबिक, जगदीश पत्नी भारती और दो बेटों नौ माह के अरुण और चार साल के अर्जुन के साथ मजनू का टीला स्थित शरणार्थी कैंप में रहते हैं। वह पत्नी के साथ पाकिस्तान के सिंध के हैदराबाद प्रांत से भारत में बतौर शरणार्थी आए थे। भारती ने बताया कि शनिवार को उनके भाई की शादी थी। दोपहर में वह बाइक से पति और दो बेटों के साथ जा रही थीं। मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर चढ़ ही रहे थे कि पीछे से आ रही एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उनकी गोद से नौ माह का बेटा अरुण फिसल गया और सभी सड़क पर गिर गए। घटना को अंजाम देकर चालक कार को भगाने लगा। घटना के समय वहां मौजूद लोगों ने चालक को पकड़ लिया और उसे पीड़ित परिवार को अस्पताल ले जाने के लिए कहा। भारती ने कहा कि तब तक काफी देर हो चुकी थी। बुराड़ी अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने अरुण को मृत घोषित कर दिया। वहीं अर्जुन और उनके पति का इलाज चल रहा है। जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सिकंदर सिंह ने बताया कि घटना के समय पीड़ित परिवार मजनू का टीला से मुकरबा चौक की ओर जा रहा था। घटना के समय दंपती ने हेलमेट पहन रखा था। कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान निवेश के रूप में हुई है। हादसे में मासूम की मौत के बाद मातम पसरा हुआ है। जिगर के टुकड़े की मौत और एक बेटे की गंभीर हालत को देखकर माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। भारती ने बताया कि उनके पति जगदीश कैंप के पास सड़क किनारे मोबाइल एक्सेसरीज की दुकान चलाते हैं। जब वह पाकिस्तान से भारत आए थे, तब उनके पास कोई काम नहीं था। जो भी काम मिलता था वह कर लेते थे। धीरे-धीरे पति ने एक छोटा सा कारोबार शुरू किया और अपने दो बच्चों का पालन पोषण ठीक से कर रहे थे। उनका परिवार पूरा बिखर गया है।

प्यूरीफायर की सफाई गए भूल तो फेफड़ों तक पहुंचेगी धूल, फिल्टर की अनदेखी पड़ सकती है भारी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली की जहरीली हवा में सांस लेना अब मशीनों के भरोसे है लेकिन सिर्फ एयर प्यूरीफायर लगाना समाधान नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी समय-समय पर मेंटेनेंस जरूरी है वरना स्वच्छ हवा देने वाली मशीन प्रदूषण की वजह बन जाती है। हौज खास स्थित सबसे पुरानी दुकान एरोलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स में सर्विसिंग कराने पहुंचे ग्राहक ने बताया कि बीती रात से प्यूरीफायर काम नहीं कर रहा है। पता चला फिल्टर में जमा मोटी धूल की परत ने इसकी कार्यक्षमता घटा दी और बाद में इसने काम करना बंद कर दिया। प्यूरीफायर खरीदते समय कंपनी का ध्यान रखें क्योंकि कई छोटी कंपनियों के पार्ट्स बाजार में उपलब्ध नहीं हैं, जिसकी वजह से नया प्यूरीफायर खरीदना पड़ता है। रोज 20 से 30 प्यूरीफायर की सर्विसिंग के लिए आ रहे हैं। -विजय ठाकुर, सेल्स मैनेजर ,एरोलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स एयर प्यूरीफायर जादुई डिवाइस नहीं है। यह तभी तक असरदार है जब उसका फिल्टर समय पर बदला या साफ किया जाए। गंदा फिल्टर हवा को और खराब भी कर सकता है। -संजय मिश्रा, पर्यावरण विशेषज्ञ एयर प्यूरीफायर से हवा अंदर जाती है और हेपा-कार्बन फिल्टर से गुजरती है तो प्रदूषक, धूलकण, धुआं और एलर्जी पैदा करने वाले तत्व छानकर शुद्ध हवा बाहर छोड़ी जाती है। फिल्टर की भूमिका बेहद अहम होती है। प्यूरीफायर का फिल्टर बाहर निकालें और सूखे या गीले कपड़े से साफ करें। अगर फिल्टर धोने लायक है तो गुनगुने पानी से हल्के हाथों से धोकर पूरी तरह सूखने दें। वैक्यूम क्लीनर या सॉफ्ट ब्रश से भी इसकी सफाई की जा सकती है। हर हफ्ते कमरे की सफाई के साथ-साथ प्यूरीफायर के बाहरी हिस्से और वेंट को सूखे कपड़े से पोंछें। हर 3

महीने फिल्टर को निकालकर हल्के ब्रश या वैक्यूम क्लीनर से साफ करें। फिल्टर वॉशेबल है तो गुनगुने पानी से धोकर सूखने के बाद लगाएं। हर 9 से 12 महीने हेपा या कार्बन फिल्टर नया लगाएं। दिल्ली जैसी जगहों में फिल्टर जल्दी चोक हो जाता है। 6 से 8 महीने में बदलना बेहतर। प्यूरीफायर के आसपास एक फुट की खाली जगह रखें ताकि हवा सही से घूम सके। पावर सप्लाई स्थिर रखें, बार-बार ऑन/ऑफ करने से मोटर की लाइफ घटती है। सर्द हवाओं संग फैला धुआं, अब दिल्लीवासियों की सांसें मशीनों पर टिकीं दिल्ली में सर्दी की दस्तक के साथ ही हवा जहरीली होती जा रही है और दमघोटूं हवा में सांस लेना तक भारी हो गया है। ऐसे में लोग एयर प्यूरीफायर पर निर्भर हो रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में एयर प्यूरीफायर की बिक्री में अचानक कई गुना इजाफा हो गया है। कई दुकानदारों का कहना है कि मांग इतनी तेज है कि स्टॉक दो-दो बार खत्म हो चुका है। इनकी ऑनलाइन बिक्री में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली के कई इलाकों लाजपत नगर, साउथ एक्सटेंशन, रोहिणी और द्वारका के इलेक्ट्रॉनिक स्टोर्स में एयर प्यूरीफायर की बिक्री पिछले एक हफ्ते में 40 से 60 फीसदी तक बढ़ गई है। फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म पर एयर प्यूरीफायर की बिक्री में 70 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रीत विहार के इलेक्ट्रॉनिक स्टोर मालिक अरमान हुसैन बताते हैं, कुछ मॉडल्स तो हफ्ते भर में आउट ऑफ स्टॉक हो गए हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ संजय मिश्रा का कहना है कि अगर यही रफ्तार रही तो दिल्ली में एयर प्यूरीफायर अब लक्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बन जाएगा। आनंद विहार निवासी प्रीति भटनागर कहती हैं, कि सुबह उठते ही बच्चों को खांसी होती है। डॉक्टर ने कहा कि कम से कम घर की हवा साफ रखें। इसलिए हमने एयर प्यूरीफायर लगवाया है। भागीरथ पैलेस में लगभग 2,000 से अधिक बिजली की दुकानें हैं। गफ्फार मार्केट में करीब 500 दुकानें हैं। करोल बाग, लाजपत नगर, चांदनी चौक, लक्ष्मीनगर, नजफगढ़, प्रीत विहार और नेहरू प्लेस नामी जैसे इलेक्ट्रॉनिक बाजारों में दुकानदारों ने बताया कि रोजाना लगभग 5-10 प्यूरिफायर बिक रहे हैं। औसतन प्रत्येक दुकानों से रोजाना दो प्यूरिफायर की बिक्री हो रही है। ऐसे में लगभग 3000 दुकानों से तकरीबन 6000 प्यूरिफायर प्रत्येक दिन खरीदे जा रहे हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से फेफड़ों की कार्यक्षमता घटती है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों में। एयर प्यूरीफायर पूरी तरह समाधान नहीं है, लेकिन घरों में प्रदूषण के स्तर को 40-50% तक कम करता है। यदि आपके घर में गर्भवती महिला, बुजुर्ग या फिर छोटे बच्चे हैं तो आपको एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। कामकाजी लोग मास्क का प्रयोग करें। शाम को घर लौटकर भाप ले सकते हैं। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कुछ इम्यूनिटी बूस्टर का प्रयोग कर सकते हैं।

खुला दरवाजा देख कार के अंदर बैठा जावेद, तड़प-तड़पकर गई जान

नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन परिसर में खड़ी एक लग्जरी कार में युवक का शव मिला है। मृत युवक की पहचान जावेद के रूप में हुई है। अभी तक की जांच में पता चला है कि बिना लॉक वाली कार में जावेद बैठ गया और आशंका है कि दम घुंटने से मौत हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच कर रही है। रेलवे पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि 31 अक्तूबर की शाम करीब 7.30 बजे आनंद विहार रेलवे स्टेशन थाना पुलिस को रेलवे यार्ड में खड़ी एक कार में एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कार की पिछली सीट पर एक युवक का शव पड़ा था। जांच में मृतक की शिनाख्त गांव बकरा पूर्णिया बिहार निवासी 28 साल के जावेद के रूप में हुई। उसके कपड़े, पिट्ठू बैग और मोबाइल फोन उसके पास पड़े थे। अंदर से गेट खोलने के लिए लगे लीवर टूटे हुए पाए गए। शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं पाया गया। पता चला कि जावेद बिहार जाने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचा था। पूछताछ के दौरान पता चला कि कार मालिक गुरु प्रताप आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर इलेक्ट्रिकल के तौर पर कार्यरत हैं। वह भी मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। जिसमें पता चला कि 31 अक्तूबर की सुबह गुरु प्रताप अपनी कार से आए और पार्किंग में कार खड़ी करके जल्दबाजी में बिना कार लॉक किए ही अपने कार्यालय चले गए। इसके बाद मृतक जावेद जो राज मिस्त्री का काम करता था और ट्रेन से बिहार जाने के लिए आया था, करीब 11:22 बजे अपना पिट्ठू बैग लेकर कार के पास पहुंचा। उसने कार की डिक्की खोलकर उसे चेक किया। डिक्की बंद करने के बाद उसने आगे वाली सीट का दरवाजा खोला और कार के अंदर पिछली सीट पर चला गया। इसके बाद दोपहर लगभग 1:50 बजे गुरु प्रताप ने अपने कार्यालय के कर्मचारी को अपनी कार से उसका लंच बॉक्स बैग लाने के लिए भेजा। कर्मचारी कार की अगली सीट पर रखे लंच बॉक्स वाला बैग उठाया और कार को लॉक करके चला गया। फुटेज में करीब 1:54 बजे से 3:13 बजे तक कार के अंदर जावेद को बेचैनी से कार को अंदर से खोलने की कोशिश करते हुए देखा गया। उसके बाद बंद कार के अंदर उसकी कोई हलचल नहीं देखी गई।

NAME CHANGE
I, SHAILENDRA CHAUHAN S/o BALCHAND R/o Bihara, Duha Bihra, Ballia, Duhabihra, Uttar Pradesh-221717, have changed the name of my minor son KUSHAG CHAUHAN aged 12 years and he shall be hereafter known as VIKHYAT CHAUHAN.

Public Notice
It is for general information that I, SHEETAL DUBEY daughter of Shri Surender Nath Dubey, ex-wife of Shri Girish Mehndiratta resident of 275, Bharat Vandana Apartment, Pocket-1, Sector-19, Dwarka, New Delhi-110075, declare I got divorce from my husband vide court degree HMA 3084/2017 dated 26.10.2017 further I have changed my minor son name DAKSH MEHNDIRATTA age about 13 years and he shall hereafter be known as DAKSH DUBEY.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD KASIM S/O MOHD SADIQ R/O H NO 271 STREET NO 5 RAJIV GANDHI NAGAR MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD KASIM

NAME CHANGE
I, Zoya Kamal W/o Mohammad Asif Kamal D/O Ramashanker Singh, R/O House no 96, Second Floor Navjeevan Vihar, Malviya Nagar New Delhi-110017, Have Changed My Name To Zoya Singh for all future purposes.

कजाकिस्तान के मरीज को कोलन कैंसर सर्जरी के बाद मिला नया जीवन

नई दिल्ली। कजाकिस्तान के 42 वर्षीय असिलबेक सारियेव को दिल्ली में एक जटिल और खतरनाक कोलन कैंसर सर्जरी के बाद नया जीवन मिला है। असिलबेक को विकसित कोलन कैंसर था, जो फेफड़ों तक फैल चुका था और आंतों में गंभीर रुकावट पैदा कर रहा था। उनके दोस्त के सुझाव पर वह इलाज के लिए दिल्ली आए, जहां अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने उनकी जान बचाने के लिए जोखिम भरी सर्जरी की। जांच में पता चला कि असिलबेक के शरीर में 9म7 सेंटीमीटर का बड़ा ट्यूमर था, जो पहले से ही फेफड़ों को प्रभावित कर चुका था। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल के सीनियर सर्जन डॉ. सौरभ बंसल और उनकी टीम ने मिनिमली इनवेसिव (न्यूनतम चीरे वाली) लेप्रोस्कोपिक तकनीक का उपयोग किया, जिससे सर्जरी सफल रही और मरीज की रिकवरी तेज हुई। इस सर्जरी में मोटापे और उच्च बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के कारण मुश्किलें और बढ़ गई थीं लेकिन डॉक्टरों ने स्मार्ट तकनीक और अनुभव का उपयोग करके ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया। सर्जरी के बाद असिलबेक तेजी से ठीक हुए। बिना किसी दर्द के चलने लगे और सामान्य खाना भी खाने लगे। डॉ. सौरभ बंसल ने बताया कि लेप्रोस्कोपिक तकनीक ने सर्जरी का जोखिम कम किया और मरीज की रिकवरी को तेज किया। इस तकनीक से न केवल सर्जरी सुरक्षित रही, बल्कि मरीज को भी जल्दी आराम मिला। डॉ ने बताया कि कोलन कैंसर अब दुनियाभर में पाचन तंत्र से जुड़ा सबसे सामान्य कैंसर बन चुका है।

ट्रैफिक पुलिस गत वर्ष के मुकाबले इस साल 10 महीनों में 16 फीसदी ज्यादा चालान किए

दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वर्ष 2025 के शुरुआती 10 महीनों में पिछले वर्ष 2024 के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा चालान किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा चालान प्रदूषण फैलाने वाले 7,12132 वाहनों के किए गए। इनके पास वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं था। पिछले वर्ष ऐसे 5,98136 वाहनों का चालान किया गया था। इस सीजन में ग्रेप लागू होने से (14 अक्तूबर से लेकर 2 नवंबर) अब तक यानी कुल 19 दिनों में बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले 46,921 वाहनों का चालान किया गया। ग्रेप के विंटर सीजन में यानी 1 अक्तूबर से 2 नवंबर तक कुल 33 दिनों में कुल 72,185 वाहनों का चालान किया गया। दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक यूनिट की ओर से मिलें डाटा को देखे तो वर्ष 2024 में वर्ष

2023 के मुकाबले 61.2 फीसदी ज्यादा चालान किए गए। वर्ष 2023 में जहां 232020 चालान किए गए हैं वहीं वर्ष 2024 में कुल 598136 चालान किए गए। बिना प्रदूषण के चलने वाले वाहन का 10 हजार रुपये का चालान होता है। खुले रूप से कूड़ा ले जाने वाले वाहनों को 20 हजार का चालान होता है। डंपर में खुले रूप से कूड़ा आदि ले जाने वाले 204 वाहनों का गत 19 दिनों में चालान किया गया है। इस साल अभी तक कुल 1103 चालान किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार 10 व 15 वर्ष पुराने वाहनों को भी जब्त करने की प्रक्रिया जारी है। एक अक्तूबर से दो नवंबर तक 1 वाहनों जब्त किया गया है। इस वर्ष में अभी तक कुल 19,479 वाहनों को जब्त किया गया है। वर्ष 2024 में कुल 11,916 जबकि वर्ष 2023 में 528 वाहनों को जब्त किया गया था।

दोस्त संग गई थी गेस्ट हाउस में, शादी से थी नाखुश; कौशल बोला- बार-बार आ रही थी कॉल

गुरुग्राम। गुरुग्राम सेक्टर-9 थाना के अंतर्गत रेलवे रोड स्थित एक गेस्ट हाउस के कमरे में बुधवार की रात विवाहिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला अपने दोस्त के साथ गेस्ट हाउस में ठहरी हुई थी। युवती ने जब फंदा लगाया तो उसका दोस्त कमरे में ही सो रहा था। युवती द्वारा गेस्ट हाउस में फंदा लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी सेक्टर-4 की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। मृतका की पहचान फिरोजबाद (उत्तर प्रदेश) के जलालपुर गांव निवासी अंजलि कुमारी के रूप में हुई है। युवती एक दिन पहले ही अपने पुरुष दोस्त के साथ उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से गुरुग्राम में आई थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि अंजली की शादी फरवरी 2025 में हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी उसकी मर्जी के खिलाफ होने के कारण वह खुश नहीं थी। शादी के कुछ ही माह बाद वह अपने दोस्त कौशल के साथ आ गई। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी संबंधित थाने में दर्ज की गई। परिवार के दबाव के चलते वह वापस अपने घर चली गई। तीन नवंबर को अंजली ने अपने दोस्त कौशल को कॉल करके कहीं बाहर रहने के लिए कहा और वे उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से दिल्ली आ गए थे। जहां एक दिन गेस्ट हाउस में ठहरने के बाद 04 नवंबर की सुबह गुरुग्राम आए थे। गुरुग्राम में रेलवे स्टेशन के पास लखी गेस्ट हाउस में ठहरे। बुधवार की रात को जब कौशल कमरे सो रहा था तो अंजली ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जब कौशल की नींद खुली तो अंजली को फंदे से लटका हुआ पाया। इसके बारे में गेस्ट हाउस स्टाफ को जानकारी दी और पुलिस को सूचना दी गई। कौशल ने बताया कि गेस्ट हाउस में आने के दौरान अंजली के मोबाइल पर बार-बार उसके घर से कॉल आ रही थी। इससे अंजलि काफी परेशान थी। कौशल ने अंजली को बहुत समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। कौशल ने बताया कि कुछ देर बाद वह सो गया। जब नींद खुली तो देखा कि अंजली ने फंदा लटके हुए पाया। जांच अधिकारी बादल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवती द्वारा आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। युवती के दोस्त कौशल से गहनता से पूछताछ की गई है।

NAME CHANGE
It is for general information that I, JYOTI D/O RAMESH CHAND R/O HOUSE NO-C-8/374, STREET NO-8, BRIJPURI, PO-DAYALPUR, DIST-NORTH EAST, DELHI-110094 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as RAMESH and HEMLATA in my 10th and 12th class educational documents and my University Documents. And name of my mother has been wrongly written as HEMLATA in birth certificate-133. The actual name of my father and my mother are RAMESH CHAND and HEMVATI, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I Kamlesh Kumar Gupta S/O Badri Prasad Gupta, R/O near hanuman mandir, 8/19 thired floor geeta colony , Gandhi Nagar S.O, East Delhi, Delhi ,110031, declare that name of mine has been wrongly written as Kamlesh Gupta in my minor son namely Raghav Gupta aged 15 years in his 10th class educational document The actual name of mine is Kamlesh kumar Gupta, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I Nisha Kumari W/O: Vikash Kumar Garg, R/O House No. 523/7, Ashok Mohalla, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, declare that name of my minor son has been wrongly written as Ansh in my minor son namely Ansh kumar Garg aged 15 years in his school record. The actual name of my son is Ansh kumar Garg, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Sahil S/O Yogesh Kumar R/O. A-21 sham nagar Vishnu garden Delhi-110018 changed my name to Sahil Arora .

NAME CHANGE
I Salim Ahmed khan S/O saeed Ahmed khan R/O. 917-gali chah shree farash khana farash khan Delhi-110006 changed my name to saleem ahmed.

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्री ब्रिज लाल पूत्र श्री तातिया , निवासी ए वी - 86, जे जे बन्धु कैंपस, वसंत कुंज, दक्षिण पश्चिमी। दिल्ली, दिल्ली-110070, ने अपने पुत्र सोनू कुमार वे उसकी पत्नी अंजू रजक के गलत संगत में पड़ने वे अनैतिक , अवांछनीय, असामाजिक कार्यों के कारण दोनो पति पत्नी मेरा बेटा सोनू कुमार वे उसकी पत्नी अंजू रजक के बीच रोज के कलेश के कारण उनसे संबंध विच्छेद करता हूं। साथ ही उन्हें अपनी सभी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं और उनसे सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। कोई भी व्यक्ति कथित सोनू कुमार वे अंजू रजक से किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है व कोई भी कार्य करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।
Ashish Chopra

NAME CHANGE
I hitherto known as DEEPAK S/O ATAM PRAKASH DAWAR residing at A-23, Panchawti Apartments, Vikas Puri, West Delhi, Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK DAWAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as DEEPIKA W/O DEEPAK DAWAR residing at A-23, Panchawti Apartments, Vikas Puri, West Delhi, Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPIKA DAWAR.

PUBLIC NOTICE
MY CLINTS PAL SINGH PRAJAPATI & HIS WIFE KAMLA, Both R/O S-53/273, GANDHI CAMP-2, SRI NIWAS PURI, S.O., SOUTH DELHI, NEW DELHI-110065, HAVE SEVERED ALL RELATIONS AND DISOWNED THEIR SON NAMELY SANJAY FROM THEIR ALL MOVABLE and IMMOVABLE PROPERTIES DUE TO THEIR MISCONDUCT. MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS/DEEDS IN FUTURE.
NAYAAB KHAN
(Advocate) Ch,no-483 saket court,mob no 9717025843

NAME CHANGE
I, JATIN S/O VIRENDER MANCHANDA R/O WZ-420/7B, Near Mai Dayal Building, Palam Colony, South West Delhi, Delhi – 110045 HAVE CHANGED MY NAME TO JATIN MANCHANDA

NAME CHANGE
I NAZLI W/O MOHD KARAR R/O H NO-A/84 STREET NO-3 CHANDU NAGAR NEAR MAIN KRAWAL NAGAR ROAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO NAJALI BEGAM

NAME CHANGE
I KARAR HUSSAIN S/O SHARAFAT R/O H NO-A/84 STREET NO-3 CHANDU NAGAR MAIN KARAWAL NAGAR ROAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD KARAR

NAME CHANGE
I hitherto known as Manpreet Kaur D/O: Paramjeet Singh W/O Nimit Arora R/O R-101A, LGF Lefe Side, Khirki extn. Malviya Nagar Malviya Nagar Hauz Khas South Delhi Delhi 110017, have changed my name and shall hereafter be known as Reet Arora.

NAME CHANGE
I hitherto known as Fattu S/O:Gopal ,chipyana ,ghaziabad . Chipyana Buzurg, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as PREM KUMAR.

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT SHRI ROOP RAM S/O DEEP CHAND R/O 90 SALAHPUR MAJRA DELHI HAS DEBARRED)HIS SON JOGINDER SINGH FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES IN ALL MANNERS.IF ANY ONE DEALS WITH THEM, THEY WILL DO SO AT THEM THEIR OWN RISKS, COSTS AND CONSEQUENCES. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE SAME IN ANY MANNER PRESENT & FUTURE.
Adv. Mohit Bhardwaj
MO- 9971425825

NAME CHANGE
I, LALLOO PRASAD VERMA Father of No-15716110X Rank-L/NK Name-BRIJESH KUMAR VERMA residing at 123, BALLI KRIPALPUR, TARUN, FAIZABAD, UTTAR PRADESH-224203, have changed my name from LALLOO PRASAD VERMA to LALLU PRASAD for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1963 instead of my correct date of birth as 09/11/1963 vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KRISHNA DEVI Mother of No-15716110X Rank-L/NK Name-BRIJESH KUMAR VERMA residing at 123, BALLI KRIPALPUR, TARUN, FAIZABAD, UTTAR PRADESH-224203, have changed my name from KRISHNA DEVI to KRISHNA WATI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/07/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NIKAM SHUBHANGI NILESH wife of NIKAM NILESH BAJIRAO residing at VPO-INDOLI, TAL KARAD, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415109, have changed my name from NIKAM SHUBHANGI NILESH to SHUBHANGI NILESH NIKAM for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I RAM DEV S/O RAM PRASAD SHARMA R/O H.NO - A-58 GALI NO - 6 OM NAGAR MEETAPUR EXTN BADARPUR DELHI -110044, I have changed my name to RAMDEV SHARMA Permanently

NAME CHANGE
I SADHANA DEVI W/O RAJESH R/O RZH -114, G/F , GALI NO -8 RAJ NAGAR -2, PALAM. COLONY NEW DELHI-110077, I have changed my name to SADHNA DEVI Permanently

NAME CHANGE
I Sadhna Kumari W/O Rajesh Kumar, HOUSE NO-580, BHIRAN PANA, LADPUR, North West Delhi, Delhi, 110081 have changed my name to Sadhna for all future purposes.

NAME CHANGE
I Meenu D/o Dhanraj , R/o - 9 A, Gali no 2 Ramlila Maidan Mukesh Nagar shahdara, North East Delhi Delhi - 110032 have changed my name to Meena for All future purposes.

NAME CHANGE
I Maneesh Arora VIJAY KUMAR ARORA, RZ-E-34 FIRST FLOOR, ??-??-83/20, NEAR SHANKAR STORE, NIHAL VIHAR, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi-110041 have changed my name to Manish Arora for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सुलतान सिंह पुत्र स्व0 श्री हुक्म सिंह एवं मेरी पत्नी गीता सिंह पता डी-8ए, गली न0-29, भरत विहार उत्तम नगर नई दिल्ली-110059, एंव गांव कुनकुट्टा तहसील एव थाना बसेड़ी, जिला घोलापुर, राजस्थान ने अपने पुत्र जितेंद्र सिंह उम्र 32 एवं पुत्रवधु शिवंगनी सिंह उम्र 25 साल एंव पोती दक्षीता उम्र 6 साल, पोता सारविक 4 महीने का है, को उनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार, लड़ाई-झगड़ा करने व कंट्रोल से बाहर होने के कारण अपनी सम्पूर्ण चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे सारे संबन्ध विच्छेद कर लिए है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के उपरोक्त पुत्र पुत्रवधु एंव दोनों , पोता एंव पोति से किसी प्रकार का लेन-देन तथा व्यवहार करेगा भविष्य में, वह व्यक्ति स्वम जिम्मेदार होगा मेरे मुवक्किल सुलतान सिंह एंव मेरी पत्नी गीता सिंह किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार एंव उत्तरदायी नहीं होंगे ।
RAJNIKANT MISHRA (Advocate)
Hall No-4 Seat No-9, LAWYERS CHAMBER DWARKA COURT COMPLEX, NEW DELHI 110075. M.NO:-9958462082

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAHBAZ FARUQUI S/o MD MANIR FARUQUI R/o 5888-6009 FIRST FLOOR BASTI HARPHOOL SINGH SADAR BAZAR DELHI 110006, have changed my name from MD SHAHBAZ FARUQUI for all future Purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD MANIR FARUQUI S/o Abdul Halim R/o 5888-6009 FIRST FLOOR BASTI HARPHOOL SINGH SADAR BAZAR DELHI 110006, have changed my name from MD MANIR FARUQUI for all future Purposes.

PUBLIC NOTICE
I MOHD QAMAR S/O MOHD. JAFAR R/O H.NO- E-934, Gali no-1, Mala Devi Marg. Babarpur, Babar Pur, PO- Shahdara, DIS- North East Delhi, Delhi-110032, have changed the name of my minor Son HUZEFA aged 16 Years and he shall hereafter be known as HUJAFA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KHANSA QASIM D/O MOHAMMAD QASIM KHAN R/O H.NO- B-161, Balbir Nagar, Kirari Suleman Nagar, PO- Sultanpuri, C -Block, DIST-North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as KASHIM and SALVSTA and in my Birth certificate Ragistration No-MCDOLIR- 0107-002577276. The actual name of my father and my mother are MOHAMMAD QASIM KHAN and SHAISTA PARVEEN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, YASH DWIVEDI S/O MINESH CHANDRA DWIVEDI R/o M-107, Logix Blossom County, Sector-137, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of my father has been wrongly written as MINESH CH. DWIVEDI in my all educational documents. The actual name of my father is MINESH CHANDRA DWIVEDI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANEES AHMED S/O ALI HASAN R/O WZ-167, Mandirwali Gali, Shadi Khampur, Patel Nagar West, Central Delhi, Delhi-110008 declare that name of mine has been wrongly written as MD ANESS AMED in my Driving License No.DL0420050232933. The actual name of mine is ANEES AHMED respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as ABHAY TEWARI S/O C.P. TEWARI residing at B-2/6, Opp. Happy Model School, Janakpuri, West Delhi, Delhi-110058, have changed my name and shall hereafter be known as ABHINAV TEWARI.

NAME CHANGE
I, SAGIR AHMED S/O ABDUL MAJID R/O C-12/192, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY FATHER NAME ABDUL MAZID FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RUBINA W/O SAGIR AHMED R/O C-12/192, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME RUBINA BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SUJATHA Mother of No-16131834L Rank-SPR Name-BIBIN BS residing at PUTHENPURAYIL CHATHIYARA, VPO-THAMARAKULAM, TEHSIL-MAVELIKARI, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-690530, have changed my name from SUJATHA to SUJATHA O for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MAHINDER SINGH ALIAS MAHENDER SINGH S/O CHANDGI RAM R/O 1/16, GALI NO.2,ROOP NAGAR, ROOP NAGAR, NORTH DELHI DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as MAHENDER SINGH.

NAME CHANGE
I SHAM SHAD S/O ABDUL HAMID R/O HOUSE NO-D 4/59 GALI NO-4 D-BLOCK BRIJPURI MUSTAFABAD GOKAL PURI NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAMSHAD

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/O SH HUKAM PRAKASH R/O PLOT NO.237,GF, LEELAWATI ENCLAVE PHASE-3 NEAR DIVINE ACADEMY,NAWADA TIGAON ROAD FARIDABAD (84) HARYANA -121004 have changed my name from SUNIL NAGAR to SUNIL KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rank-L/HAV Name-DASARE DIPAK RAMRAO Father of RUPESH Presently residing at VPO-SAKHAR KHERDA, TEH-SINDKHED RAJA, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443202, have changed my minor son's name from RUPESH to RUPESH DIPAK DASARE for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Rank-L/HAV Name-DASARE DIPAK RAMRAO Father of YASH Presently residing at VPO-SAKHAR KHERDA, TEH-SINDKHED RAJA, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443202, have changed my minor son's name from YASH to YASH DIPAK DASARE for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYA Wife of Rank-L/HAV Name-DASARE DIPAK RAMRAO Presently residing at VPO-SAKHAR KHERDA, TEH-SINDKHED RAJA, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443202, have changed my name from JAYA to JAYA DIPAK DASARE for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAM RAO Father of Rank-L/HAV Name-DASARE DIPAK RAMRAO Presently residing at VPO-SAKHAR KHERDA, TEH-SINDKHED RAJA, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443202, have changed my name from RAM RAO to RAMRAO VITHOBA DASARE for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Shiv Prasad S/o Ballu Das R/o Bada Gaon, Kakori, Bakshi Ka Talab, Lucknow, Uttar Pradesh - 227107, have changed my name to Ram Asre.

NAME CHANGE
I, NIKAM SHUBHANGI NILESH wife of NIKAM NILESH BAJIRAO residing at VPO-INDOLI, TAL KARAD, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415109, have changed my name from NIKAM SHUBHANGI NILESH to SHUBHANGI NILESH NIKAM for all future purposes vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR GANGWAR S/o OMKAR SHARAN GANGWAR, R/o 555, Defence Colony, Nainital Road, Bareilly, PO: Izzat Nagar, Dist.: Bareilly, Uttar Pradesh-243122, have changed the name of my minor daughter TIA GANGWAR aged 10 years and she shall be hereafter known as AARYA GANGWAR.
page-4

NAME CHANGE
I, No-15815778K Rank-L/NK Name-RUDRA GOWINI DURGA PRASAD residing at PLOT NO-295, VILL-DHANIYALAPETA, PO-GUDIVADA, DIST-KRISHNA, ANDHRA PRADESH-521301, have changed my mother's name from RUDRAGOWNI VENKATALAKSHMI to RUDRAKOUNDINYA VENKAT LAXMI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/01/1962 instead of her correct date of birth as 17/10/1964 vide Affidavit dated 08/11/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15803516F Rank-NK Name-RAM BABU DANGI Presently residing at 538, BARDIYA MOHALLA, VILL-BARAI, PO-DONGAR GAON, TEH-SUSNER, DIST-AGARMALWA, MADHYA PRADESH-465449, in my service records my mother's (DALI BAI) date of birth wrongly mentioned as 05/10/1970 instead of her correct date of birth as 01/01/1970 vide Affidavit dated 30/10/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15803516F Rank-NK Name-RAM BABU DANGI Presently residing at 538, BARDIYA MOHALLA, VILL-BARAI, PO-DONGAR GAON, TEH-SUSNER, DIST-AGARMALWA, MADHYA PRADESH-465449, in my service records my father's (RATAN LAL DANGI) date of birth wrongly mentioned as 01/03/1968 instead of his correct date of birth as 01/01/1961 vide Affidavit dated 30/10/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बहादुरगढ़ में तीन हजार कुत्तों का होगा बधियाकरण

झज्जर। बहादुरगढ़ शहर की गलियों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण पाने के लिए नगर परिषद ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत परिषद ने तीन हजार कुत्तों का बधियाकरण (नसबंदी) कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए संबंधित एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है। इस काम पर परिषद की ओर से करीब 36 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से लोगों को परेशानी हो रही है और कुत्तों के काटने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि परिषद का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि यह पूरी प्रक्रिया मानवीय और वैज्ञानिक तरीके से पूरी की जाए, जिससे न तो पशुओं को कष्ट हो और न ही शहरवासियों को असुविधा हो। प्रत्येक कुत्ते का बधियाकरण 1189 रुपये की दर से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी करके जींद की नैन एजेंसी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। टेंडर शर्तों के मुताबिक एजेंसी को पशु चिकित्सक, दवाइयों की उपलब्धता, कुत्तों को पकड़ने और रखने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। सरोज राठी ने बताया कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उसी स्थान पर छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। उनकी पहचान के लिए कान पर टैग लगाया जाएगा।

महिलाओं में आत्म सम्मान का भाव जरूरीः डॉ. आर. एच. लता

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। परिसर के दादी प्रकाशमणी सभागार में आध्यात्मिकता से महिला सुरक्षा विषय पर कार्यक्रम हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि इस अवसर पर इंडियन योगिनी एसोसिएशन की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. आर. एच. लता ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए आध्यात्मिकता जरूरी है। महिलाओं में आत्म सम्मान का भाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि असुरक्षा का प्रमुख कारण अनेक सामाजिक विसंगतियां हैं। परिवारों में संस्कारों का बहुत बड़ा अभाव है। आध्यात्मिकता हमें अन्दर की आवाज सुनने के लिए प्रेरित करती है। जो हमारी अंतरात्मा से निकलती है। उन्होंने कहा कि वो योगिनी होम स्टे के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा का कार्य कर रही हैं। लेकिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से महिला सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इस अवसर पर ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने अपने अनुभव युक्त बोल से सबको प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अविश्वास, संदेह एवं परखने की शक्ति की कमी ही असुरक्षित अनुभव कराती है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत महान रही है। हमें बच्चों को अपनी महान संस्कृति से परिचित कराना जरूरी है।

बिहार में पहले एक ही परिवार ने कब्जा रखा, खूब लूट मचाईः डॉ अरविंद शर्मा

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बिहार में एक परिवार ने राजनीतिक दबंगई से प्रदेश पर कब्जा रखा और खूब लूट मचाई। इस परिवार ने पूरे देश में बिहार की छवि खराब की। अब चुनावी हार की आशंका से वे बौखला गए हैं। इस बार बिहार की जनता ऐसे लोगों को घर बिठा देगी। मतदाताओं ने 11 नवंबर को विकास को गति देने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को रिकॉर्ड बहुमत से जिताने का संकल्प लिया है। डॉ. अरविंद शर्मा ने बिहार चुनाव प्रचार के दौरान जहानाबाद जिले की घोसी विधानसभा में गठबंधन प्रत्याशी रितुराज कुमार के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मुख्य बाजार में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने विकास आधारित कार्यक्रम जनता के सामने रखा है। वहीं लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी की जोड़ी जंगलराज तथा भ्रष्टाचार की नीति को नए रूप में लागू करने का सपना देख रही है। भारत गठबंधन का दागी इतिहास है और वह परिवार को मजबूत करने की रणनीति से चुनाव लड़ रहा है। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी तथा सहयोगी दलों का लक्ष्य हर गांव में विकास पहुंचाना और आम लोगों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराना है।

मिड-डे मील वर्करों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

जींद। नेहरू पार्क में मिड-डे मील वर्करों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और एसडीएम सत्यवान मान को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन से पहले मिड-डे मील वर्करों ने राज्य प्रधान इंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में रोष बैठक की। उन्होंने कहा कि कि मिड-डे मील वर्कर हरियाणा की ही बहू व बेटियां हैं लेकिन सरकार इनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने मांग की कि मिड-डे मिल वर्करों का वेतन महंगाई को देखते हुए सात हजार रुपये से बढ़ा कर 15 हजार रुपये प्रति माह किया जाए। मिड-डे मिल वर्करों को 10 महीने की बजाए पूरे 12 महीने का वेतन दिया जाए और इसमें किसी प्रकार की कोई कटौती ना की जाए। मिड-डे मील वर्करों को समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए उनका वेतन हर मीहने की सात तारिख तक उनके खातों में डाल दिया जाए। 60 साल की आयु पूरी होने पर तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर सेवानिवृत किया जाए। ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मिड-डे मील वर्कर 100 बच्चों पर दो हैं।अब 100 पर तीन व 200 बच्चों पर पांच कर दी जाएं।

अर्बन डेवलपमेंट व मोबिलिटी कार्यक्रम शहरी विकास का समेकित मॉडल : नायब सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अर्बन डेवलपमेंट व मोबिलिटी कार्यक्रम शहरी विकास का एक समेकित मॉडल तैयार करता है। समेकित मॉडल ही एक मजबूत शहर का निर्माण करता है, जिसके साथ ही मजबूत राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार के सम्मेलन जहां नवाचार पद्धति के साथ बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की योजनाओं के क्रियान्वयन में कारगर हैं, वहीं विजन 2047 में विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर बनाने में भी अहम है। मुख्यमंत्री यहां होटल हयात में 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधिगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने परिसर में लगी शहरी विकास और गतिशीलता को दर्शाती विकासात्मक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने देश भर से आए प्रतिनिधिगण का स्वागत करते हुए

कहा कि यह गर्व और गौरव का विषय है कि हरियाणा को पहली बार इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने का अवसर मिला है। नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि भारत का भविष्य अब केवल मेगा सिटीज में नहीं है। वर्तमान मांग के अनुरूप टियर-टू और टियर-थ्री शहर भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। ऐसे में समावेशी विकास के लिए टियर-टू और टियर-थ्री शहरों के अनुसार मोबिलिटी विकल्पों पर ध्यान दिया जा रहा है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम 21वीं सदी के उस मोड़ पर खड़े हैं, जहां शहरी विकास की गति और दिशा, हमारी मोबिलिटी प्रणालियों से तय होती है। इसी वास्तविकता को समझते हुए, इस वर्ष का विषय शहरी विकास और गतिशीलता का मेल चुना गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमारे शहर, ग्रोथ के इंजन हैं लेकिन यदि शहरों में जीवन की सहजता सुनिश्चित करनी है, तो हमें गतिशीलता को विकास के हर पहलू के केंद्र में लाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्बन मोबिलिटी इंडिया प्लेटफॉर्म समस्याओं पर चर्चा करके, समाधान सुझाने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि शहरों को बेस्ट अर्बन ट्रांसपोर्ट सेवाओं से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि शहरों की विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए शहरों में स्मार्ट बसें चलाने की योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है ताकि, परिवहन प्रणालियों को पर्यावरण के अनुकूल, अधिक कुशल, विश्वसनीय, पारदर्शी व जवाबदेही बनाया जा सके।

हरियाणा कांग्रेस ने दिल्ली में बुलाई बैठक, तैयार होगी भविष्य की रणनीति

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हरियाणा में विधानसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर वोट चोरी का आरोप लगाए जाने के बाद अब हरियाणा कांग्रेस इसे अभियान में रूप में चलाकर सडक़ों पर उतरेगी।

कांग्रेस द्वारा प्रदेश भर वोट चोरी को मुद्दा बनाकर अपनी राजनीति को आगे बढ़ाया जाएगा। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इस संबंध में रविवार को नई दिल्ली एआईसीसी मुख्यालय में बैठक बुला ली है। इस बैठक के संबंध में पत्र जारी किया गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद, एसआईसीसी सचिव एवं हरियाणा के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल तथा प्रफुल्ल गुडधे भी मौजूद रहेंगे। बैठक में शामिल होने के लिए प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों, पार्टी के पूर्व तथा मौजूदा सांसद और विधायक, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, सदस्य, हरियाणा से एआईसीसी के पदाधिकारी व सदस्य, पिछले लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के दौरान रहे पार्टी के प्रत्याशी के अलावा अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को बुलाया गया है।

इस बैठक में राहुल गांधी द्वारा पांच नवंबर को दिल्ली में हरियाणा के संबंध में जारी की गई वोट चोरी की रिपोर्ट को सभी नेताओं व प्रतिनिधियों को दिखाया जाएगा। राहुल गांधी की रिपोर्ट में जिन विधानसभा क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है, उन क्षेत्रों में कांग्रेस सडक़ों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी। इसके अलावा प्रदेश भर में जागरूकता अभियान चलाकर विधानसभा चुनाव के दौरान हुई कथित धांधली के बारे में लोगों को बताया जाएगा।

हरियाणा में पेपरलैस रजिस्ट्री कामयाब, चार दिन में आए 2778 आवेदन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में ऑनलाइन रजिस्ट्री बंद होने को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए प्रदेश सरकार ने साफ किया है कि ऑनलाइन रजिस्ट्री लगातार जारी है और यह कार्य बंद नहीं होगा। सोमवार को लोग सामान्य की भांति तहसील में जाकर अपनी रजिस्ट्री करवा सकते हैं। हरियाणा की वित्तायुक्त सुमिता मिश्रा ने ऑनलाइन रजिस्ट्री का रिव्यू करने के बाद जारी जानकारी में बताया कि साफ्टवेयर में कई तरह के सुधार कर दिए गए हैं। पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सीमा 10 एमबी से बढ़ाकर 40 एमबी कर दी गई है। विभाग के नए सिस्टम में जनरल पॉवर ऑफ अटार्नी का विकल्प पहले से मौजूद है। जिसे अब सरल कर दिया गया है। सोमवार से सभी तहसीलों में नागरिक इस संबंध में अपाइंटमेंट ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि एमसी सीमा में एनओसी की आवश्यकता नहीं है। इसी प्रकार हाउसिंग बोर्ड व एचएसवीपी में खेवट और खतौनी की जरूरी नहीं

होती। सुमिता मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में सभी लाइसेंस कॉलोनियों का डाटा सिस्टम में फीड किया गया है। केवल लाइसेंस नंबर दर्ज करने पर ही डाटा अपने आप सामने आ जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन में बड़ा बदलाव करते हुए पुराने शहरी क्षेत्रों से खेवट-खसरा कॉलम हटा दिया गया है। नए बदलाव के साथ प्रदेश वासी सोमवार से अपनी अपॉइंटमेंट बुक करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर से रिवर्ट विद ऑब्जेक्शन फीचर को लाइव किया जा रहा है, जिसमें दस्तावेज संलग्न करने में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। वित्तायुक्त ने बताया कि अब नाम में थोड़े अंतर के कारण आवेदन को नहीं रोका जाएगा।

पानीपत में शिक्षा मंत्री ने किया वंदे भारत का स्वागत,झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

पानीपत। फिरोजपुर कैंट से चलकर पानीपत पहुंचने पर वंदे भारत गाड़ी का स्वागत हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने किया। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। शनिवार दोपहर 2:45 बजे फिरोजपुर-दिल्ली के बीच चलने वाली नई वंदे भारत ट्रेन पानीपत रेलवे स्टेशन पहुंची। अब तक वंदे भारत ट्रेन का जंक्शन पर ठहराव निर्धारित नहीं था, लेकिन यह पहली वंदे भारत है, जिसे पानीपत रेलवे स्टेशन पर आधिकारिक रूप से ठहराव दिया गया है। यह रेलगाड़ी पानीपत स्टेशन पर 1 घंटे 20 मिनट देरी से पहुंची और यहां 3 मिनट का स्टॉप रहा। वंदे भारत को पानीपत स्टेशन से शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, नगर निगम मेयर कोमल सैनी और रेलवे अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह सेमी हाई स्पीड ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से लैस है और आज भारत हर दिन विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है। विधायक प्रमोद विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार

में विकास की रफ्तार बढ़ी है, जनता की परेशानियां कम हो रही हैं और सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। स्कूल के बच्चों में वंदे भारत ट्रेन को लेकर यात्रियों में खासा उत्साह देखा गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस नई ट्रेन से फिरोजपुर, पानीपत और दिल्ली के बीच यात्रा समय में कमी आएगी। स्टेशन अधीक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का संचालन इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है। स्टेशन पर सुरक्षा, सफाई और यात्री सुविधाओं को और बेहतर किया गया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए किराया सूची रविवार को जारी होगी। इसमें पानीपत से दिल्ली, अंबाला, कुरुक्षेत्र के साथ अन्य स्टेशन तक का किराया यात्रियों को पता लग सकेगा पानीपत रेलवे स्टेशन पर पहुंची वंदे भारत ट्रेन संचालन के पहले दिन स्कूल के बच्चों के साथ अन्य लोगों ने भी दिल्ली तक सफर किया।

हर एसएचओ पांच मोस्ट वांटेड अपराधी को गिरफ्तार करके 20 तक रिपोर्ट भेजेंः ओ.पी. सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी. सिंह ने कहा कि पुलिस अपराधों में वांछितों को गिरफ्तार करे। प्रत्येक थाना प्रभारी (एसएचओ) पांच मोस्ट वांटेड अपराधी को गिरफ्तार करके उसकी गिरफ्तारी रिपोर्ट 20 नवम्बर तक सुनिश्चित कराएं। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में पुलिस आयुक्त कार्यालय में उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने सभी डीसीपी को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में जो अपराधी बेल पर हैं, उनकी निगरानी रखें। अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलें। किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ तत्पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों जैसे सीसीटीवी नेटवर्क, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल इंटेलिजेंस और साईबर मॉनिटरिंग का

अधिकतम उपयोग करके अपराधों की त्वरित जांच और रोकथाम किया जाए। डीजीपी ने विशेष रूप से महिला सुरक्षा, सडक़ सुरक्षा और युवा वर्ग में नशे की रोकथाम पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक ने बैठक के दौरान अपराध दर, केस सॉल्विंग रेट, गंभीर अपराधों की जांच प्रगति, एवं फील्ड स्तर पर पुलिस उपस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने गुरुग्राम और इसके आसपास दुर्घटनाओं के दो आम कारणों पर भी चर्चा की। नशे में गाड़ी चलाने को लेकर उन्होंने कहा कि पुलिस को यह स्वीकार करना होगा कि युवा आबादी वाले शहर में नाइटलाइफ और क्लबिंग आम है। जिनमें से कई अकेले हैं और परिवारों से दूर हैं। नाइटलाइफ भी जीवन का एक तरीका है। काम के बाद लोग रेस्तरां और क्लबों में जाते हैं। खासकर मिलेनियम सिटी और किसी भी महानगर में यह निवेश का केंद्र है। नशे में ड्राइविंग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उन्होंने प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति घर जाने के लिए कैब बुक करें। ग्रुप के साथ जा रहे ड्राइवर को शराब न परोसी जाए। डीजीपी ने यह भी कहा कि कुछ मामले जिनमें आर्थिक अपराधों की शिकायतें काफी लंबी होती हैं। उनकी जटिलताओं को पूरी तरह से समझने के लिए समय लगता है।

वायु प्रदूषण पर हर विभाग निभाए अपनी जिम्मेदारीः अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। वायु प्रदूषण नियंत्रण केवल एक सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि यह जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक प्रयास है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए हर विभाग अपनी जिम्मेदारी पूर्ण निष्ठा से निभाए। यह बात डीसी अजय कुमार ने सीएक्यूएम के चेयरमैन राजेश वर्मा तथा मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक के उपरांत जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कही। वीडियो कॉन्फ्रेंस में ग्रेप की पाबंदियों और उनके प्रभावी अनुपालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसके बाद डीसी ने जिले में प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा करते हुए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। डीसी अजय कुमार ने कहा कि ग्रेप-2 के सभी नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए ग्रीन नेट, डस्ट कंट्रोल इक्विपमेंट्स और पानी के छिडक़ाव की

व्यवस्था नियमित रूप से की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि 500 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में चल रहे सभी निर्माण कार्यों को ऑनलाइन डस्ट पोर्टल पर पंजीकृत किया जाए, ताकि निगरानी प्रभावी तरीके से की जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के कूड़े या अपशिष्ट पदार्थ के जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और ऐसे मामलों में संबंधित विभाग तुरंत कार्रवाई करें। डीसी ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि बाहरी राज्यों से आने वाली डीजल बसों और भारी वाहनों की जांच सघन रूप से की जाए तथा नियम उल्लंघन करने वालों के चालान किए जाएं।

हरियाणा के सिख समुदाय को कमेटी बनाकर दी स्वायत्तताः मुख्यमंत्री

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा स्त्रोत। केंद्र व प्रदेश की सरकार उन्हीं के द्वारा दी गई शिक्षाओं का मार्गदर्शन करते हुए काम कर रही है। यही वजह है कि 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी गठित कर हरियाणा के सिख समुदाय को हरियाणा में स्वायत्तता दी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बेशक आज एआई, रोबोटिक, अल्ट्रामोड्राइजेशन का युग है, लेकिन भारत को सुपर पावर बनाने में ज्ञान, तकनीक, अध्यात्मिकता, नैतिक आधार, दृढ़ता व बहादुरी भी ताकत देगी जो श्री गुरु तेग बहादुर जी ने संदेश दिया है। मुख्यमंत्री चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में 'श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई गुरुओं के जीवन पर आधारित पेंटिंग प्रदर्शनी व फैशन टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी

अध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री की पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर उनसे प्रेरणा लेते हुए चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी अध्ययन पीठ स्थापित की जाएगी, जहां विद्यार्थी उनके जीवन और दर्शन पर अनुसंधान कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 1 नवंबर से कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं, जो 25 नवंबर तक चलेंगे। मुख्य समारोह कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार पवित्र यात्राएं निकाली जाएंगी। इस मौके पर सीएम ने हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री की पुस्तक 'हिंदी की चादर नवम गुरु श्री तेग बहादुर' का विमोचन भी किया।

हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77 प्रतिशत कमी

अगले दो साल में 'जीरो स्टबल बर्निंग स्टेट' बनाने का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अगले दो साल में पराली जलाने की समस्या को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राज्य में गत 6 नवंबर तक पराली जलाने की 206 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 888 थी। इस प्रकार राज्य में 77 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज यहां जारी जानकारी में बताया कि पिछले वर्षों के मुकाबले पराली जलाने की घटनाओं में करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों अभूतपूर्व कमी आई है। उन्होंने कहा कि अगले दस अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए जिला प्रशासन कड़ी निगरानी रखे ताकि पराली जलाने की घटना न हो। राज्य के कुल 39.31 लाख एकड़ धान क्षेत्र में से 44.40 लाख टन अवशेष इन-सिटू, 19.10 लाख टन एक्स-सिटू, और 22 लाख टन चारे के रूप में उपयोग किया जा रहा है। अब तक 19,670 एकड़ क्षेत्र का धान से फसल विविधीकरण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 1,74,064 एकड़ क्षेत्र में डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस तकनीक अपनाई गई है, जिससे पानी की बचत और पराली उत्पादन में कमी आई है। इन-सिटू और एक्स-सिटू प्रबंधन के लिए 1,200 रुपये प्रति एकड़, फसल विविधीकरण के लिए 8,000 रुपये प्रति एकड़, और डीएसआर के लिए '4,500 रुपये प्रति एकड़ की सहायता दी जा रही है। इन योजनाओं हेतु कुल '471 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 94 करोड़ रुपये की लागत से 7,700 से अधिक नई मशीनें स्वीकृत की गई हैं। इस योजना पर इस वर्ष कुल 250.75 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसमें केंद्र सरकार का अंशदान 150.45 करोड़ रुपये और राज्य का 100.30 करोड़ रुपये है। राज्य में 10,028 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं।

जातियों का अहंकार खत्म कर सभी को एक धागे में पिरोना हमारा लक्ष्यः धीरेंद्र शास्त्री

फरीदाबाद पहुंची बागेश्वर धाम प्रमुख, पदयात्रा में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

फरीदाबाद। बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा फरीदाबाद पहुंची। सात नवंबर को दिल्ली से शुरू हुई यात्रा अरावली के मांगर कट से फरीदाबाद में प्रवेश किया। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा आरंभ की गई यह पदयात्रा छतरपुर स्थित कात्यायनी शक्ति पीठ से प्रारंभ होकर वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर तक पहुंचेगी।

पदयात्रा के दौरान आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह सुखद है कि देशभर से लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र एकजुट हो रहा है, हिंदू जाग रहा है और सडक़ पर आ रहा है। भारत जागेगा, जातिवाद से जगह भाजपा नेताओं, गुरुओं और सामाजिक संस्थाओं के लोगो ने जोरदार स्वागत किया। दोपहर बाद उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री से बातचीत की। मनोहर लाल ने धीरेंद्र शास्त्री का पदयात्रा की शुरुआत करने पर

यात्रा दशहरा ग्राउंड की ओर प्रस्ताव करते हुए वहां पहुंची, जहां भव्य तरीके से बागेश्वर धाम प्रमुख का स्वागत किया गया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय विद्युत एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल भी पदयात्रा में पहुंचे, इस दौरान सराहना करते हुए उनका फरीदाबाद आगमन पर स्वागत किया। कार्यक्रम में एनआईटी के विधायक सतीश फागना, बडख़ल से भाजपा विधायक धनेश अदलखा तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पाली क्रेशर जोन के प्रधान धर्मवीर भड़ाना भी पहुंचे।

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR GANGWAR S/o OMKAR SHARAN GANGWAR, R/o 555, Defence Colony, Nainital Road, Bareilly, PO: Izzat Nagar, Dist.: Bareilly, Uttar Pradesh-243122, have changed the name of my minor daughter TIA GANGWAR aged 10 years and she shall be hereafter known as AARYA GANGWAR.

श्री गुरु तेग बहादुर जी पूरे विश्व में मानवाधिकारों के प्रथम महानायकः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

सिरसा। 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के मौके पर पवित्र यात्रा का शुभारंभ सिरसा के रोड़ी की पावन भूमि से किया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में गुरुद्वारा गुरुसर साहिब पातशाही दसवीं में अरदास का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी केवल सिखों अथवा भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक हैं। यह यात्रा गुरु जी के तप, त्याग, विचार और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक व्यापक महाअभियान है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश में चार पवित्र यात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं पूरे हरियाणा को कवर करेंगी और 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में इनका समापन होगा। उसी दिन वहां सर्व धर्म सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। 1665 में सिख धर्म के मुख्यालय को धमतान, परगना जींद, बांगर देश (अब हरियाणा) में स्थानांतरित किया था। इस निर्णय का कारण यह था कि इस क्षेत्र को सीधे दक्षिण में लोहगढ़ से जोड़ा गया था। इसी तरह 1665 में, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब ने बांगर देस से लोहगढ़ की यात्रा की। वे जींद, कैथल, चीका, कराह, सियाना सईदा और फिर पिहोवा गए, जहां उन्होंने सिख संगत से मुलाकात की। इसके बाद फिर गुरु साहिब जिला कुरुक्षेत्र के गांव बारना रवाना हुए, जहां मनसद भाई सुधा ने उनका अभिवादन किया। इसी तरह थानेसर, लाडवा, यमुनानगर क्षेत्र में भी उनका जाना हुआ। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झींडा, कुलदीप सिंह, अंग्रेज सिंह, बिंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, अमृतपाल सिंह, गुरमेल सिंह, जगतार सिंह, गौरा सिंह, हरविंद्र रोड़ी, सतीश जग्गा भी मौजूद थे।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

- रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत होगी जांच, एमएसएमई यूनिट्स के लिए भी अब नहीं बचेगी कोई ढील

नई दिल्ली ।

भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाइंस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रिवाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएंगे, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा। जांचें तेज की जाएंगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनिट्स पर सख्त कार्रवाई होगी। इससे उम्मीद है कि भारत की दवा उद्योग में गुणवत्ता और पारदर्शिता का नया मानक स्थापित होगा।

सबसे छोटी यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव लॉन्च

नई दिल्ली ।

मशहूर ब्रांड सेनडिस्क ने दुनिया की सबसे छोटी यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव लॉन्च करने का दावा किया है। कंपनी ने नई सेनडिस्क एक्सट्रीम फीट यूएसबी-सी ड्राइव को उन यूजर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है जो भारी-भरकम ड्राइव्स की जगह कॉम्पैक्ट और हाई-स्पीड स्टोरेज सॉल्यूशन चाहते हैं। यह ड्राइव केवल 3 ग्राम वजन और 18.50गुणा15.70 गुणा13.60 मिमी के साइज में आती है, जिससे इसे डिवाइस में लगने के बाद पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। इसका यूएसबी टाइप-सी पोर्ट इसे लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन जैसे विभिन्न डिवाइसों के साथ कम्पैटिबल बनाता है।

सेनडिस्क का कहना है कि यह ड्राइव मेकबुक एयर, मेकबुक प्रो और यूएसबी-सी आईपैड मॉडल्स के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है। परफॉर्मेंस के मामले में भी यह ड्राइव बेहद तेज है। इसमें 400एमपीबी/एस तक की डेटा ट्रांसफर स्पीड मिलती है, जो यूएसबी 3.2 जेन 1 तकनीक पर आधारित है। कंपनी ने इसे 128जीबी से लेकर 1 टीबी तक के स्टोरेज विकल्पों में लॉन्च किया है, जिससे यूजर्स अपनी जरूरत के अनुसार सही मॉडल चुन सकते हैं। यह ड्राइव विंडोज 10 या उसके बाद, मेकओएस 12 या उसके बाद, और आइपेड ओएस 15 या उसके बाद के वर्जन पर काम करती है।

कीमत की बात करें तो इसके 1 टीबी वेरिएंट की कीमत 120 डॉलर (करीब 10,600 रुपये) रखी गई है। सेनडिस्क का दावा है कि यह अब तक की सबसे छोटी और सबसे पावरफुल यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव है, जो तेज़ परफॉर्मेंस और पोर्टेबिलिटी दोनों का बेहतरीन संतुलन पेश करती है।

केंद्र सरकार ने अगले सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात को दी मंजूरी

- मोलासेस टैक्स खत्म होने से चीनी मिलों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अगले चीनी सीजन 2025-26 में लगभग 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही गुड़ की छाछ यानी मोलासेस पर लगने वाला 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इन फैसलों से चीनी मिलों को आर्थिक राहत मिलेगी और किसानों को गन्ने के भुगतान समय पर हो सकेंगे। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन जारी है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर इन निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से गन्ना भुगतान की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जनवरी 2025 में जब चीनी के दाम गिर रहे थे, तब केंद्र ने 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। इससे देश में अतिरिक्त स्टॉक घटा और कर्नाटक में चीनी के भाव 3370 रुपए से बढ़कर 3700-3930 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। अब 15 लाख टन निर्यात की नई मंजूरी से उद्योग को और राहत मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से इस निर्यात को हरी झंडी दे दी है, जबकि अंतिम मंजूरी हाई-पावर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से मिलनी बाकी है। उद्योग जगत 20 लाख टन निर्यात की मांग कर रहा था, ताकि अधिशेष उत्पादन पर नियंत्रण हो सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक कर्नाटक में 2022-23 और 2023-24 सीजन का कोई भुगतान बकाया नहीं है, जबकि 2024-25 सीजन में केवल 50 लाख रुपए बाकी हैं। सरकार को उम्मीद है कि इन नीतिगत कदमों से चीनी उद्योग और गन्ना किसान दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

डिजिटल गोल्ड से निवेशक रहें सतर्कः सेबी की चेतावनी

- सेबी ने कहा, ये उत्पाद उसके नियामक दायरे में नहीं आते

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को चेतावनी दी है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा प्रचारित डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड में निवेश करते समय सावधानी बरतें। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद उसके नियामक ढांचे के तहत नहीं आते इसे लिए इनमें निवेश करते समय खतरे की अधिक संभावना है। सेबी ने कहा कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इन उत्पादों को सोने में निवेश का आसान तरीका बताकर प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन ये न तो किसी सिक्योरिटी (सुरक्षा निवेश) के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमॉडिटी डेरिवेटिव (वायदा कारोबार) के अंतर्गत आते हैं। इसका मतलब है कि ये उत्पाद सेबी की निगरानी से बाहर हैं और सेबी के निवेशक सुरक्षा प्रावधान इन पर लागू नहीं होते। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों में निवेश से काउंटरपार्टी (दूसरे पक्ष) और संचालन संबंधी जोखिम बने रहते हैं। यदि प्लेटफॉर्म या कंपनी में कोई गड़बड़ी होती है, तो निवेशकों को नुकसान हो सकता है। सेबी ने निवेशकों को सलाह दी कि वे सोने में निवेश के लिए सेबी-नियंत्रित विकल्पों का चयन करें, जैसे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स और कमॉडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंज पर खरीदा-बेचा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक ऑनलाइन सोना खरीदते हैं, जो वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है। इसे बाद में ज्वेलरी या गोल्ड कॉइन के रूप में रिडीम किया जा सकता है। इसे फोनपे, पेटीएम, गूगलपे, एमएमटीसी-पीएएमपी ते निष्क जैसे प्लेटफॉर्म्स से खरीदा जा सकता है। हालांकि, इस पर 3 फीसदी जीएसटी और बेचने पर कैपिटल गेन टैक्स लागू होता है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशक डिजिटल गोल्ड में निवेश से पहले इसके जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझकर ही निर्णय लें।

अगले हफ्ते दो कंपनियां करेंगी शेयर स्प्लिट, छोटे निवेशकों को बड़ा मौका

- दोनों कंपनियों ने निवेशकों की पहुंच बढ़ाने फेस वैल्यू घटाई, एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली ।

अगला हफ्ता शेयर बाजार निवेशकों के लिए खास रहेगा। सम्प्रे न्यूट्रीशन लिमिटेड और वेवसोल इनर्जी सिस्टम लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही हैं। दोनों कंपनियों की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 14 नवंबर तय की गई है। सम्प्रे न्यूट्रीशन ने अपने शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 5 रुपए करने की घोषणा की है। यानी कंपनी का एक शेयर अब दो हिस्सों में बंट जाएगा। इस कदम से बाजार में शेयरों की तरलता बढ़ेगी और छोटे निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना आसान होगा। फूड और न्यूट्रिशन सेक्टर की यह कंपनी हाल के महीनों में काफी एक्टिव रही है, और विश्लेषकों को उम्मीद है कि स्प्लिट के बाद इसके ट्रेडिंग वॉल्यूम में इजाफा होगा। वहीं वेबसोल इनर्जी ने अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 1 रुपए करने का फैसला लिया है, यानी हर एक शेयर अब दस हिस्सों में बंटेगा। सोलर एनर्जी सेक्टर से जुड़ी इस कंपनी का उद्देश्य अपने शेयरों को अधिक निवेशकों तक पहुंचाना है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि स्टॉक स्प्लिट के बाद शेयरों में अल्पकालिक हलचल संभव है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव कंपनी की मूल स्थिति पर निर्भर करेगा।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

- बेलगावी के किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया

बेंगलुरु ।

बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

बैंकिंग और फाइनेंशियल फंड्स ने सेंसेक्स को पछाड़ा

- निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली । पिछले एक साल में जहां सेंसेक्स ने केवल 3.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की, वहीं बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज (बीएफएसआई) सेक्टर के फंड्स ने औसतन 11.5 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस तेज़ी के बावजूद विशेषज्ञ निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। एसबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड के एक फंड अधिकारी के अनुसार वर्तमान में बैंकिंग सिस्टम पर देनदारियों का दबाव कम है, और लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (एलसीआर), प्रोजेक्ट प्रोविजनिंग और रिस्क वेट्स जैसे प्रस्तावित नियम सेक्टर की विकास यात्रा के पक्ष में हैं। छोटे और मिड-कैप बैंक, पीएसयू बैंक, एनबीएफसी और बड़े प्राइवेट बैंक लेंडिंग सेक्टर की तेजी में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, कम ब्याज दरों से शॉर्ट टर्म में मार्जिन पर दबाव रहा, लेकिन बैंकर्स ने इसका असर संभाल लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर क्रेडिट ग्रोथ में सुधार होता है और एसेट क्वालिटी स्थिर रहती है, तो बैंकिंग शेयरों की वैल्यूएशन मजबूत बनी रह सकती है।

डीपीआईआईटी ने 50 कंपनियों से किए करार

आईटीसी, फिलपकार्ट, मर्सिडीज बेंज जैसी प्रमुख फर्में शामिल

नई दिल्ली । उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 50 से अधिक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। इनमें आईटीसी, फिलपकार्ट, मर्सिडीज बेंज, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, पेटीएम, वालमार्ट और अथर इनर्जी जैसी प्रमुख फर्में शामिल हैं। विनिर्माण-केन्द्रित इन्क्यूबेटर स्टार्टअप्स को पायलट प्रोजेक्ट, स्केलिंग और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं प्रदान करते हैं। इससे प्रारंभिक चरण के नवाचार और उत्पादन में मदद मिलती है और उच्च पूंजी निवेश का बोझ कम होता है। डीपीआईआईटी की यह पहल उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग बढ़ाने और नवाचार को तेज़ करने के उद्देश्य से की गई है। साझा सुविधाओं और सहयोगी नेटवर्क के माध्यम से स्टार्टअप्स का विकास और विस्तार आसान होगा।

भारत के 16 डीपीएसयू आरएंडडी पर 32,000 करोड़ खर्च करेंगे

- स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । भारत के 16 रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) अगले पांच वर्षों में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर 32,766 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहे हैं। यह कदम स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर और नई तकनीक के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू की वार्षिक कार्य-निष्पादन समीक्षा के दौरान इस प्रस्तावित व्यय पर चर्चा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वदेशी उत्पादन, निर्यात और नई तकनीक के विकास पर विशेष जोर दिया। पिछले 10 वर्षों में डीपीएसयू ने 30,952 करोड़ रुपये आरएएंडी में निवेश किया था। अब अगले पांच वर्षों में यह निवेश लगभग दोगुना किया जाएगा, जिससे भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी।

डीप सी फिशिंग के नए नियम जारी, छोटे मछुआरों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 4 नवंबर को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) में डीप सी फिशिंग के लिए नए नियम जारी किए। इसका मकसद मछुआरों, उनके कोऑपरेटिव्स और छोटे फिशर्स को सशक्त बनाना और विदेशी जहाजों को ईईजेड में प्रवेश से रोकना है। हाई वैल्यू वाली टूना मछलियों पर जोर दिया गया है। मछुआरा कोऑपरेटिव्स और एफएफपीओ को एडवांस्ड जहाजों से डीप सी फिशिंग की अनुमति मिलेगी। मदर-एंड-चाइल्ड वेसल मॉडल से बीच समुद्र में ट्रांसशिपमेंट संभव होगा। हानिकारक तरीकों जैसे एलईडी लाइट फिशिंग, पेयर ट्रॉलिंग और बुल ट्रॉलिंग पर रोक लगी है। मिनिमम लीगल साइज तय होंगे और फिशरीज मैनेजमेंट प्लान बनाए जाएंगे। छोटी बोट्स को छूट, जबकि 64,000 मेकेनाइज्ड वेसल्स को ऑनलाइन पोर्टल से डिजिटल पास लेना होगा।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 12,569 करोड़

अक्टूबर में एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोड़े विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर 2025 में फिर से भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली शुरू कर दी है। अब तक एफपीआई ने 12,569 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में 17,700 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये निकाले। बाजार के जानकारों के अनुसार, नवंबर की बिकवाली ने भारत के प्रदर्शन को अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में कमजोर बनाया है। उन्होंने बताया कि 2025 में एफपीआई गतिविधियों में विविधता रही है। हेज फंड भारत में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे एआई-सक्रिय बाजारों में निवेश बढ़ा है। भारत को वर्तमान में एआई-आधारित कमजोर प्रदर्शन वाला माना जा रहा है, और यही धारणा एफपीआई की रणनीति को प्रभावित कर रही है। ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,758 करोड़ निकाले- एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,758 करोड़ रुपये निकाले, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,416 करोड़ रुपये निवेश किए। भारतीय कंपनियों के वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के नतीजे अपेक्षाओं से थोड़े बेहतर रहे, खासकर मध्यम आकार के खंड में। 2025 में अब तक, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं और एआई-सक्रिय बाजारों में निवेश के रुझान भविष्य में भी एफपीआई को सतर्क रख सकते हैं।

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

रुपया–डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेशक और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं।

अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

स्कोडा भारत में स्थिर पोर्टफोलियो और ग्लोबल मॉडल का विस्तार करेगी

- कंपनी का फिलहाल इले क्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में उतरने का इरादा नहीं

नई दिल्ली ।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में अपने मौजूदा पोर्टफोलियो को बनाए रखने का फैसला किया है। कंपनी फिलहाल स्थानीय रूप से निर्मित कारों जैसे काइलैक, कुशाक और स्लाविया को जारी रखेगी, जबकि प्रीमियम आयातित मॉडल जैसे ऑक्टेविया और कोडियाक के माध्यम से ग्लोबल ब्रांडिंग को मजबूत किया जाएगा। स्कोडा के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि अगले साल कुछ वैश्विक, प्रतिष्ठित मॉडल भी भारत में लाने की योजना है, हालांकि अभी इन मॉडल के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच स्कोडा ने 61,607 वाहन बेचे हैं, जो कि 2022 के वार्षिक बिक्री रिकॉर्ड 53,721 इकाई को पार कर चुका है। कंपनी का लक्ष्य घरेलू यात्री वाहन खंड में 2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना है। जीएसटी सुधारों से बिक्री की गति के जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। कंपनी अगले साल काइलैक श्रृंखला में नए ट्रिम्स पेश करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कुशाक और स्लाविया को भी अपडेटेड वर्ज़न में बाजार में लाया जाएगा, जिससे ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके। स्कोडा ने स्पष्ट किया कि फिलहाल भारत में ईवी लाने की कोई तत्काल योजना नहीं है। वैश्विक स्तर पर कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो बड़ा है, लेकिन भारत में नीति और एफटीए जैसी अनिश्चितताओं के कारण ईवी की योजना स्थिर रूप से लागू करना चुनौतीपूर्ण है।

ग्लोबल मार्केट्स में जल्द लॉन्च होगी फ्लाइंग फ्ली एस6 ईवी

नई दिल्ली । अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए रॉयल एनफील्ड कंपनी ने फ्लाइंग फ्ली स्क्रैम्बलर ईवी को पेश किया है। 2026 के अंत तक यह बाइक भारत सहित कई ग्लोबल मार्केट्स में लॉन्च होगी। इस बाइक को कंपनी ने मिलान में चल रहे ईआईसीएमए 2025 मोटर शो में प्रदर्शित किया। फ्लाइंग फ्ली ब्रांड की यह दूसरी इलेक्ट्रिक बाइक होगी, जो रॉयल एनफील्ड की ऐतिहासिक मोटरसाइकिल 'फ्लाइंग फ्ली' से प्रेरित है, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों के लिए एयरड्रॉप किया जाता था। नई फ्लाइंग फ्ली एस6 ईवी अपने क्लासिक स्टाइल और मॉडर्न फीचर्स के संयोजन से एक अनोखा लुक पेश करती है। इसमें अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स, 19-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स, चेन ड्राइव सिस्टम और गोल टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया गया है। इसका मैग्नीशियम फिन-डिजाइन बैटरी केस बाइक को हल्का और बैटरी को ठंडा रखने में मदद करता है। यह स्क्रैम्बलर हाई-टॉर्क इलेक्ट्रिक मोटर से लैस है जो इसे ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों परिस्थितियों में स्मूद परफॉर्मेंस देती है। इसमें लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशन, ऑफ-रोड मोड, डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे फीचर्स हैं, जो इसे एडवेंचर राइडिंग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में बाइक काफी एडवांस है। इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन क्यूडब्ल्यूएम 2290 प्रोसेसर, 4जी, वाय-फाय, ब्लूटूथ और वॉयस असिस्ट जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है।

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को 'प्रदर्शन की प्रतियोगिता' बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-'पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।' आज की शिक्षा बच्चों को केवल 'जानकार' बना रही है, 'ज्ञानी' नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा 'प्रतियोगिता का उद्योग' पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

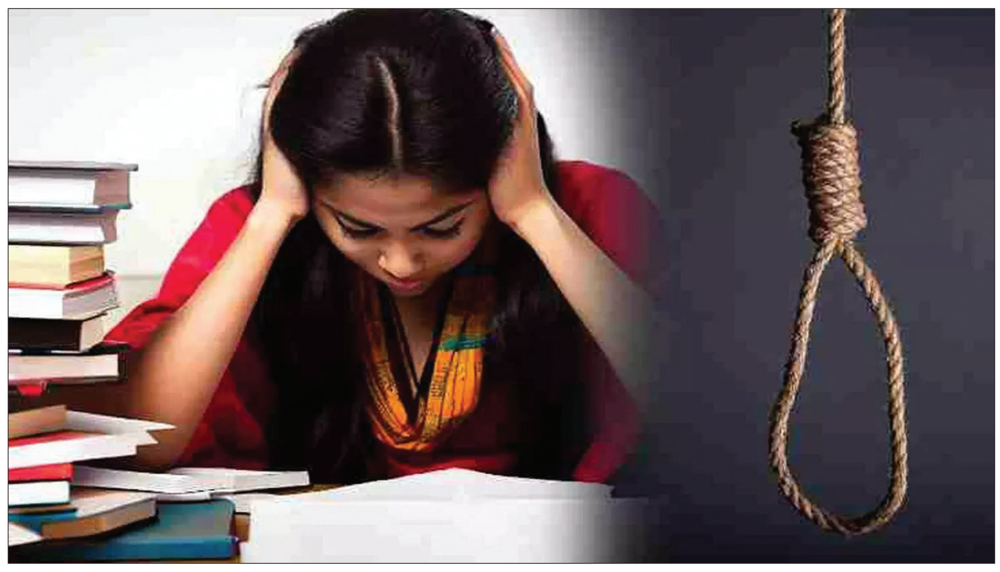

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में 'होलिस्टिक लर्निंग', 'जॉयफुल एजुकेशन', 'रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर' जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-'शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।' स्वामी विवेकानंद ने भी कहा 'शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।' परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि 'तनाव से कैसे निपटें', 'असफलता को कैसे स्वीकारें' या 'भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।' जिन्हें हम 'टॉपर' कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-'सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।' समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। ह्यद लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्ल रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि ह्यद लांसेटह्ल की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया।

किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठ रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

हर मोर्चे पर पिटती पाक सेना और मुनीर को तमगे

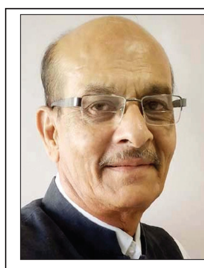

सनत जैन

पाकिस्तान की राजनीति और सेना के बीच का रिश्ता हमेशा से सत्ता संघर्ष और आपसी हितों की खींचतान में उलझा रहा है। मगर हालिया घटनाओं ने इस रिश्ते की जटिलता को और गहरा कर दिया है। जिस वक्त पाकिस्तान की सेना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे संगठनों से बल्कि प्रत्येक मोर्चे पर लगातार पराजय झेल रही है, उसी वक्त शहबाज सरकार ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नई शक्तियां देने का रास्ता निकाल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संविधान में संशोधन का 27वां बिल संसद में पेश कर रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद सृजित किया है और इस पद पर नियुक्ति का ताज असीम मुनीर के सिर सजने वाला है। यह संशोधन महज एक प्रशासनिक कदम नहीं कहा जा सकता बल्कि इसे सत्ता-संतुलन के खेल का अहम हिस्सा माना जाना चाहिए। यह कौन नहीं जानता कि पाकिस्तान में सेना की मर्जी के बगैर कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चार दिन भी नहीं चल सकती है। सेना का प्रभाव इतना गहरा है कि सरकारें उसकी छाया में ही महफूज रहती हैं। ऐसे में रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद बनाकर सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि सैन्य तंत्र को अब संवैधानिक रूप से भी सर्वोपरि दर्जा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की सलाह पर यह नियुक्ति होगी, परंतु यह सलाह वस्तुतः औपचारिक्ता वाली रह जाएगी। सेना अब न केवल रक्षा नीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी निर्णायक चेहरा बनने की ओर अग्रसर है। दिलचस्प बात यह है, कि यह फैसला उस समय आया है जबकि पाकिस्तान की सेना अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर लगातार नाकाम साबित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में एफ-16 समेत कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान को युद्धविराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पराजय के तुरंत बाद असीम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा देकर पुरस्कृत किया गया और अब उन्हें तीनों सेनाओं का सर्वोच्च प्रमुख बनाए जाने की तैयारी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पराजय को ढंकने के लिए सम्मान और पदोन्नति का यह खेल खेला जा रहा है? खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की एक ताजा घटना ने पाक सेना की अक्षमता को और भी बेहतर ढंग से उजागर करने का काम किया है। दरअसल खबर है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों ने सेना की एक चौकी पर कब्जा कर सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। चौकी पर तालिबानी झंडा फहराया गया और पाकिस्तानी सेना के जवानों के हथियारों को कब्जे में ले लिया गया। यह वही इलाका है जहां कभी पाकिस्तानी सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने और अनेक लड़ाकों को मारने जैसे दावे करती थी। अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि तालिबानी संगठन खुलेआम अपनी चेकपोस्टें बना रहे हैं और स्थानीय इलाकों पर नियंत्रण कायम कर रहे हैं। पेशावर और बन्नू जैसे इलाकों में सरकार और सेना का प्रभाव घटता जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है, कि जब पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर उसकी सेना अपना नियंत्रण खोती जा रही है, तब वही सेना देश के भीतर सत्ता की बागडोर और मजबूत पकड़ बनाने में व्यस्त है। इससे साफ झलकता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण है। मुनीर को दिया जा रहा यह ह्यसुपर-सीओएसह्ल पद राजनीतिक व्यवस्था पर सेना के स्थायी कब्जे की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। उधर, आतंकवाद का पुराना चेहरा हाफिज सईद और उसके संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा की पड़ोसी देशों में बढ़ती गतिविधियां एक बार फिर चिंता का सबब बनी हैं। एक वायरल वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ यह दावा करता नजर आया कि हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की योजना बना रहा है। इस दावे में सच्चाई चाहे जितनी भी हो, परन्तु यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान की भूमि एक बार फिर आतंकवादी लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल होने के लिए तैयार है। इससे दो बातें स्पष्ट होती हैं पहली, पाकिस्तानी शासन आतंकी ढांचों पर प्रभावी नियंत्रण खो चुका है और दूसरी, वह आतंकी समूहों को अपने रणनीतिक उपकरण की तरह अब भी इस्तेमाल करने से बाज नहीं आ रहा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति पाकिस्तान के लिए घातक साबित हो सकती है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बढ़ती बेरोजगारी और डॉलर की कमी से पाकिस्तान सरकार आईएमएफ की शर्तों को मानने पर बाध्य है, वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के पुनरुत्थान और सैन्य वर्चस्व ने उसकी विश्वसनीयता को दुनियां के अधिकांश देशों के सामने और गिरा दिया है। इस पृष्ठभूमि में मुनीर को नया पद देकर शक्ति सौंपना लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में एक और कदम है। पाकिस्तान की इस स्थिति को देखते हुए भारत को सीमा पर और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्योंकि पाकिस्तान का हाल इन दिनों कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है, कि हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। यह अलग बात है कि इस मामले में भी पाकिस्तान को मुंह की ही खानी पड़ेगी, क्योंकि पाकिस्तान की सेना आज भी दो मोर्चों पर पिट रही है, एक ओर आतंकी संगठनों से, दूसरी ओर अपनी ही असफल नीतियों से। बावजूद इसके, मुनीर को यूं तमगों से नवाजा जाना, पाकिस्तानी आवाम के गले से भी नीचे नहीं उतर रहा है। आम जनता भी यही कह रही है कि जब हर मोर्चे पर सेना हार रही है तो फिर ये तमगे क्योंकर और कैसे?

दो टूक : रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है?

भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी शटडाउन का बुरा असर विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। शुक्रवार (07 नवंबर) को पूरे अमेरिका में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएफए) एयरलाइंस देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर धीरे-धीरे उड़ानों में कटौती कर रही हैं। आदेश के अनुसार एफएए द्वारा उड़ानों में कटौती के लिए चुने गए 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देश भर में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं, जो कि गुरुवार को रद्द की गई संख्या से चार गुना अधि है। फ्लाइटअवेयर के अनुसार शिकागो, अटलांटा, डेनवर, डलास और फीनिक्स के हवाई अड्डों पर सबसे ज्यादा व्यवधान हुए। एफएफए ने उड़ानों में कटौती की यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया है। बता दें कि कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा। समझौते के अनुसार, विश्वविद्यालय 30 मिलियन डॉलर सीधे अमेरिकी सरकार को और 30 मिलियन डॉलर अमेरिकी किसानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए देगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है। हमास की सैन्य शाखाओं ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में एक बंधक का शव मिला।

प्रतिबंध हटा, जापान ने चीन को फिर शुरू किया सीफूड निर्यात

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को बताया कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित रेडियोधर्मी पानी छोड़े जाने के कारण लगे प्रतिबंध के दो साल बाद चीन के लिए सीफूड का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि बुधवार को होक्काइडो से 6 मीट्रिक टन स्कैलप्स चीन भेजे गए। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी सीफूड पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। किहारा ने इस कदम को सकारात्मक बताया और चीन से बाकी प्रतिबंधों को भी हटाने का आग्रह किया।

हंगरी को रूस से तेल-गैस खरीदने की मिली छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हंगरी को रूस से तेल और गैस खरीदने पर लगी पाबंदियों से पूरी तरह छूट दे दी है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद लिया गया। इस बैठक के दौरान ट्रंप और ऑर्बन ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। ऑर्बन ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना चमत्कार जैसा होगा, जिससे यह साफ दिखा कि उनका रुख बाकी यूरोपीय नेताओं से अलग है। ट्रंप ने हंगरी के प्रवासन नीति की भी प्रशंसा की और कहा कि यूरोपीय यूनियन को ऑर्बन का अधिक सम्मान करना चाहिए। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस छूट को ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बताया। ट्रंप ने कहा कि हंगरी समुद्र से घिरा देश नहीं है और तेल-गैस पाइपलाइन पर निर्भर है, इसलिए उसे छूट दी गई। ऑर्बन ने पहले ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के लिए बुडापेस्ट में शिखर सम्मेलन की पेशकश की थी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता फिर विफल, सीमा पार आतंक पर नहीं बनी बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तीसरे दौर की शांति वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई। दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई को लेकर मतभेद कायम रहे। पाकिस्तान की ओर से रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि वार्ता में कोई लिखित समझौता नहीं हो सका और अब चौथे दौर की कोई योजना भी नहीं है। दो दिन तक चली ये वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हुई थी। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान से यह मांग की थी कि वे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के उन आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करें जो अफगान धरती से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं।

पूरा गतिरोध, अफगान पक्ष नहीं देना चाहता लिखित आश्वासन : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा वार्ता पूरी तरह गतिरोध में है। अफगान पक्ष सिर्फ मौखिक भरोसा देना चाहता था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में मौखिक आश्वासन स्वीकार नहीं किए जा सकते। उन्होंने तुर्किये और कतर के ईमानदार प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, जो दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहे थे। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का रुख स्पष्ट है हमारी केवल एक मांग है कि अफगानिस्तान यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में न हो। आसिफ ने यह भी कहा कि अगर अफगान धरती से कोई हमला होता है, तो पाकिस्तान जवाब देगा।

सूचना मंत्री का बयान- अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने शनिवार सुबह एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की है कि वे आतंकवाद पर नियंत्रण को लेकर अपने अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय वादों को पूरा करें, जिनमें वे अब तक असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अफगान जनता से कोई वैर नहीं है, लेकिन वह किसी भी ऐसी नीति का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान लोगों या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हो।

तीन दौर की वार्ता और हर बार नाकामी : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच पहली वार्ता 29 अक्टूबर को दोहा (कतर) में हुई थी, जबकि दूसरी बैठक 25 अक्टूबर को इस्तांबुल (तुर्किये) में आयोजित हुई। दोनों ही वार्ताएं किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचीं। अब तीसरा दौर भी बेनतीजा रहा है। इससे पहले 11 से 15 अक्तूबर के बीच दोनों देशों की सीमा पर सशस्त्र झड़पें हुई थीं, जिनमें दोनों ओर जनहानि हुई थी।

दोहा और इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता दोनों देशों ने 19 अक्तूबर को कतर की राजधानी दोहा में सीजफायर पर सहमति जताई थी, लेकिन शर्तों को अंतिम रूप देने में मतभेद बने रहे। इसके बाद 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में दूसरी वार्ता हुई और इसके बाद तीसरे दौर की बातचीत गुरुवार को शुरू हुई है। इस वार्ता में तुर्किये और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से बातचीत का नेतृत्व आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक कर रहे हैं, जबकि अफगान पक्ष से जनरल अब्दुल हक वासिक, उप गृहमंत्री रहमतुल्लाह नजीब और प्रवक्ता सुहैल शाहीन शामिल हैं।

तुर्किये की मध्यस्थता से बची वार्ता पिछली बातचीत में स्थिति गंभीर होती दिख रही थी, लेकिन तुर्किये की पहल से तीसरे दौर की वार्ता तय हो सकी। तुर्की विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने सीजफायर जारी रखने और निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति जताई है। वहीं पाकिस्तान का कहना है कि अफगान भूमि से उसके खिलाफ आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अफगानिस्तान में टीटीपी के लड़ाकों को पनाह दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बात से समाधान नहीं निकला तो पाकिस्तान कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

तुर्किये की अदालत ने इस्राइली क्रू नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट, 37 अन्य लोगों के भी नाम

तेल अवीव, एजेंसी। तुर्किये के इस्तांबुल मुख्य अभियोजक कार्यालय ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 लोगों के खिलाफ जनसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन आरोपों का संबंध गाजा में चल रहे युद्ध से है, जिसे इस्राइल ने अक्तूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद शुरू किया था। किन-किन लोगों के खिलाफ वारंट जारी? इस्तांबुल अभियोजन कार्यालय के बयान के मुताबिक, जिन लोगों पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, उनमें इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गवीर के शामिल हैं। तुर्किये का आरोप क्या है? तुर्किये के अभियोजकों ने दावा किया है कि इस्राइल गाजा में नागरिकों को जानबूझकर निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई जनसंहार की श्रेणी में आती है। उन्होंने 17 अक्तूबर 2023 की अल-अहली बैपटिस्ट हॉस्पिटल की घटना को भी अपने आरोपों का हिस्सा बनाया है। हालांकि, इस्राइल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने बाद में यह निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फलस्तीनी आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद के रॉकेट की विफल लॉन्चिंग से हुआ था, न कि इस्राइल के हमले से। तुर्किये का दोहरा रवैया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप

तैयप एर्दोगन लंबे समय से हमास के समर्थक माने जाते हैं। इसी के साथ, तुर्किये की न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते रहे हैं। अतीत में तुर्किये के कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं, जैसे कि एकरेम इमामओग्लू (जो इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं), के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। तुर्की पर खुद जनसंहार का आरोप बता दें कि 1915 से 1923 के बीच तुर्किये पर अपने ही देश में 15 लाख आर्मेनियाई लोगों के जनसंहार का आरोप है। इस अवधि में लाखों आर्मेनियाई मारे गए या भुखमरी से मर गए, जबकि लगभग पांच लाख लोग रूस की ओर पलायन कर गए। अमेरिका, कनाडा, रूस और यूरोपीय संघ के अधिकांश देश इस आर्मेनियाई जनसंहार को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं।

हालांकि, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल जैसे देश अब तक इसे औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देते, क्योंकि तुर्की के साथ उनके राजनयिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

फादर ऑफ डीएनए प्रसिद्ध नोबेल विजेता जेम्स वॉटसन का निधन, 97 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

वॉशिंगटन, एजेंसी। नोबेल विजेता और दुनियाभर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक जेम्स डी वाटसन का 97 साल की उम्र में निधन हो गया। वे 1953 में डीएनए की ट्विस्टेड-लैडर संरचना (डबल हेलिक्स) की खोज के लिए जाने जाते हैं, जिससे चिकित्सा, अपराध जांच, जीनोलॉजी और नैतिकता के क्षेत्र में क्रांति आई।

वाटसन ने फ्रांसिस क्रिक और मॉरिस विल्किन्स के साथ 1962 में नोबेल पुरस्कार साझा किया। उनकी खोज से यह पता चला कि डीएनए कैसे वंशानुगत जानकारी रखता है और कोशिकाएं विभाजन के दौरान इसे कैसे कॉपी करती हैं। डबल हेलिक्स ने विज्ञान और समाज में गहरा प्रभाव डाला और अब यह संरचना विज्ञान का प्रतीक बन गई है।

विज्ञान को किसी पर भी बराबर गोना चाहिएए : हालांकि, जीवन के अंतिम वर्षों में वाटसन विवादित बयान देने के लिए आलोचना और पेशेवर निंदा का सामना कर चुके। उन्होंने अश्वेत लोगों की बुद्धिमत्ता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। 2007 में विवाद बढ़ने के बाद उन्हें कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लैब से निलंबित कर दिया गया। वाटसन ने विज्ञान में और कोई बड़ा प्रयोगात्मक योगदान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली पुस्तकें लिखीं, मानव जीनोम परियोजना में मार्गदर्शन किया और कई युवा वैज्ञानिकों को बढ़ावा दिया। उनके वैज्ञानिक योगदान और विवादित बयान उनके जटिल विरासत का हिस्सा हैं।

मामले में नस्लवाद टिप्पणी से नाराज : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर फ्रांसिस कॉलिंस ने कहा, वाटसन के दृष्टिकोण उनके शानदार वैज्ञानिक ज्ञान के अनुरूप नहीं थे और उनकी नस्लीय टिप्पणियां गलत और हानिकारक थीं। उनकी आत्मकथा 'द डबल हेलिक्स' में उन्होंने विज्ञान में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम, बुद्धिमत्ता और चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी।

अमेरिकी चुनाव 2016 विवाद: रूसी दखलअंदाजी मामले में नई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी रूस जांच को लेकर एक नई जांच शुरू की है। इस जांच के तहत विभाग ने बड़ी संख्या में समन जारी किए हैं। ये समन उस सरकारी जांच से संबंधित हैं जो 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस की दखलअंदाजी को लेकर की गई थी।

क्या है मामला : 2016 के चुनाव में रूस पर आरोप था कि उसने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी, ताकि डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिल सके और हिलेरी क्लिंटन को नुकसान पहुंचे। इस आरोप की जांच ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने की थी और जनवरी 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। अब ट्रंप प्रशासन उसी रिपोर्ट की दोबारा पड़ताल करवा रहा है। इस बार समन फ्लोरिडा के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से जारी हुए हैं। इनका मकसद यह पता लगाना है कि 2017 की उस रिपोर्ट की तैयारी में किन बातों

को आधार बनाया गया था और क्या उसमें किसी तरह की राजनीतिक पक्षपात की भूमिका रही थी।

किन लोगों को भेजे गए समन : हालांकि सभी नाम अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों को समन मिले हैं उनमें जॉन ब्रेनन, पूर्व सीआईए निदेशक; पीटर स्ट्रजक, एफबीआई के पूर्व काउंटर इंटेलिजेंस अधिकारी; लिसा पेज, एफबीआई की पूर्व वकील शामिल हैं। पीटर स्ट्रजक और लिसा पेज, दोनों रूस जांच में शामिल थे और बाद में ट्रंप के खिलाफ निजी संदेशों के कारण विवादों में आए थे। स्ट्रजक को बर्खास्त किया गया था जबकि पेज ने इस्तीफा दे दिया था। बताया जा रहा है कि करीब 30 समन जारी किए जाने की योजना है।

आरोपों का साफ नकार चुके हैं ट्रंप : ट्रंप पहले भी बार-बार इस जांच को राजनीतिक साजिश करार दे चुके हैं। वे मानते हैं कि यह जांच उनके खिलाफ बनाई गई साजिश थी। म्यूलर रिपोर्ट और अन्य कई सरकारी जांचों में यह पाया गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप या उनके सहयोगियों का रूस के साथ सीधा साजिशी संबंध साबित नहीं हुआ। अब, व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने के बाद ट्रंप प्रशासन इस पुराने मामले को फिर से खंगाल रहा है। वर्तमान एफबीआई निदेशक काश पटेल, सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस जांच से जुड़े पुराने दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के पक्ष में हैं। जुलाई में जारी सीआईए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2017 की मूल रिपोर्ट में कुछ तकनीकी खामियां थीं, और स्टील डॉसियर को शामिल करने से विश्लेषण की निष्पक्षता प्रभावित हुई थी।

विदेश मंत्री लावरोव के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मतभेद नहीं.., क्रेमलिन ने अटकलों को किया खारिज

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन ने शुक्रवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मतभेद चल रहे हैं। लावरोव को पुतिन के सबसे वफादार नेताओं में से एक माना जाता है। आज एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, इस तरह की रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है कि लावरोव अब पुतिन की पसंद से बाहर हो गए हैं। बेशक, लावरोव अब भी विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पांच नवंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की टेलीविजन

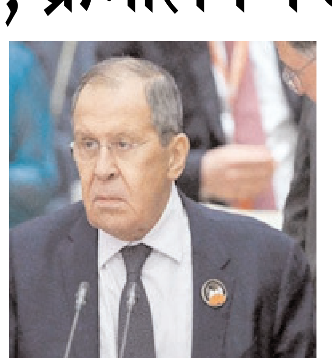

प्रसारित बैठक में लावरोव गैरहाजिर रहे। जिसके बाद इस तरह के दावे किए जाने लगे किए पुतिन के उनके साथ मतभेद चल रहे हैं। ड्यूमा स्पीकर की पहल पर क्रेमलिन की शीर्ष समिति ने इस संभावना पर चर्चा की कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध वाले समझौते से बाहर निकलता है, तो रूस फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने पर विचार कर सकता है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 20 अक्तूबर को लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच बातचीत के बाद रूस-अमेरिका शिखर बैठक और रूस-यूक्रेन के बीच की वार्ताएं रद्द कर दी गईं। रूस के कोमर्सांट बिजनेस डेली अखबार ने पेस्कोव के हवाले से कहा, यूक्रेन और यूरोप की तरफ से की गई उकसाने वाली कार्रवाइयों के कारण बातचीत की प्रक्रिया में बाधा आई है, जिससे समाधान की गति धीमी पड़ गई है। रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हंगरी में रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए गहन और सावधानीपूर्वक तैयारी की जरूरत है। दोनों पक्ष किसी स्तर पर बुडापेस्ट में वार्ता आयोजित करने में रुचि रखेंगे। पेस्कोव ने कहा कि बुडापेस्ट में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के समय को लेकर की जा रही भविष्यवाणियां बेबुनियाद हैं।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार, कोई भी अमेरिकी अधिकारी नहीं होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे।

जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका : ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, ÷यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है।÷ उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान)

के साथ ÷दुर्व्यवहार÷ का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

दरअसल, ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकानर किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लगाता रहा है। प्रशासन ने शरणार्थियों की वार्षिक संख्या घटाकर 7,500 कर दी थी और कहा था कि इनमें से ज्यादातर ÷दक्षिण अफ्रीका के श्वेत नागरिक÷ होंगे, जिन्हें अपने देश में हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने आरोपों को किया खारिज : हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा था कि उन्होंने ट्रंप को बताया है कि अफ्रीकानर्स पर अत्याचार की सारी खबरें पूरी तरह झूठी हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत नागरिकों का जीवन स्तर अब भी देश के अश्वेत नागरिकों की तुलना में कहीं बेहतर हैं। फिर भी प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीकी सरकार की आलोचना जारी रखी है। इस सप्ताह की शुरुआत में मियामी में एक भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

बीमारी वाले लोगों को नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा? ट्रंप ने अधिकारियों को भेजा संदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपनी वीजा नीति को लेकर नया नियम जारी किया है। इसके तहत कुछ बीमारियों से पीड़ित विदेशी नागरिकों को अब अमेरिका में वीजा नहीं मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को वीजा देने से मना किया जा सकता है। कारण है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति भविष्य में सरकारी सहायता (पब्लिक बेनिफिट) पर निर्भर हो सकते हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से भेजे गए एक गुप्त संदेश (केबल) में वीजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आवेदनकर्ताओं की स्वास्थ्य स्थिति का गहराई से आकलन करें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाइडलाइन में कहा गया है कि हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मेटाबॉलिक बीमारियां, न्यूरोलॉजिकल रोग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं जैसी स्थितियों में वीजा रद्द या अस्वीकार किया जा सकता है। इसमें मोटापा को भी शामिल किया गया है, क्योंकि इससे अस्थमा, नींद में रुकावट और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

क्या कहते है ट्रंप प्रशासन नए निर्देश, समझिए : बात अगर नए निर्देशों की करे तो, इसके तहत वीजा अधिकारियों को यह तय करने को कहा गया है कि क्या कोई व्यक्ति अपने इलाज का खर्च खुद उठा सकता है या उसे अमेरिका सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी। क्या आवेदक के पास इतनी आर्थिक क्षमता है कि वह अपनी पूरी उम्र के इलाज का खर्च खुद उठा सके, बिना किसी सरकारी सहायता के? केबल में यह सवाल पूछा गया है।

इस गाइडलाइन के मुताबिक, अब

आवेदक के परिवार के सदस्यों की सेहत भी वीजा प्रक्रिया में देखी जाएगी। संदेश में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि अगर परिवार में किसी को गंभीर बीमारी या दिव्यांगता है, जिससे आवेदक को काम छोड़कर देखभाल करनी पड़े, तो इसे भी निर्णय में शामिल किया जाए।

कानूनी विशेषज्ञों ने इस नीति को बताया चिंताजनक : हालांकि ट्रंप प्रशासन की इस वीजा नीति को लेकर बातचीत भी तेज हो गई है। कैथोलिक लीगल इमिग्रेशन नेटवर्क के वरिष्ठ वकील चार्ल्स व्हीलर ने कहा कि वीजा अधिकारी चिकित्सक नहीं होते, इसलिए वे किसी की बीमारी या उसके भविष्य के प्रभावों का सही अनुमान नहीं लगा सकते। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की इमिग्रेशन वकील सोफिया जेनोवेज ने कहा कि इस नीति से अधिकारी और डॉक्टर दोनों पर यह दबाव बढ़ जाएगा कि वे आवेदकों की बीमारी के खर्च और रोजगार पाने की क्षमता को लेकर अनुमान लगाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी का डायबिटीज या हार्ट की बीमारी का इतिहास है, तो इस पर इतना गहराई से विचार करना बेहद व्यापक कदम है। इससे वीजा प्रक्रिया और भी कठिन हो जाएगी।

ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों पर पड़ेगा प्रभाव : इसके साथ ही विशेषज्ञों का ये भी कहना है कि यह नीति मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करेगी जो अमेरिका में स्थायी रूप से बसने (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन की यह नीति इमिग्रेशन पर बढ़ती सख्ती का हिस्सा है, जिसमें अब स्वास्थ्य को भी वीज़ा प्रक्रिया का अहम पैमाना बना दिया गया है।

जानकारी

मोटापे का पुरुष-महिलाओं पर असर अलग-अलग

दोनों के लिए इलाज भी है अलग- अलग

मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो कई जटिल बीमारियों को जन्म दे सकती है। डॉ. हनी अरोड़ा का कहना है कि मोटापे की वजह से डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी, कार्डियोवस्कुलर यानी दिल से संबंधित बीमारियां और इतना ही नहीं, इससे कई प्रकार के कैंसर भी हो सकते हैं, लेकिन अब यह बात जाहिर हो चुकी है कि मोटापे का पुरुषों और महिलाओं पर अलग-अलग असर पड़ता है। यह बात न केवल शारीरिक तौर पर सही है, बल्कि आनुवांशिकता के तौर पर भी हम पढ़ते आ ही रहे हैं एक्सएक्स और एक्सवाय जीन्स का फंडा। अब यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड द्वारा किए गए एक रिसर्च में निष्कर्ष निकला है कि आनुवांशिक मोटापे का खतरा जहां महिलाओं पर ज्यादा होता है तो वहीं मोटे पुरुषों में किडनी खराब होने या धूम्रपान की लत का खतरा होता है।

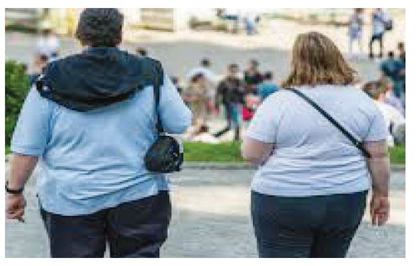

पुरुष और महिलाओं के शरीर की मोटापे पर प्रतिक्रिया को केंद्र में रखते हुए किए गए रिसर्च में 2 लाख 28 हजार 466 महिलाओं और 1 लाख 95 हजार 41 पुरुषों का अध्ययन किया गया। ऑक्सफोर्ड टीम का नेतृत्व किया साइंटिफिक लीडर और फेलो डॉ. सेसिलिया लिंडग्रिन ने। टीम ने पाया कि मोटापे का पुरुषों पर मोटी महिलाओं की तुलना में बिल्कुल ही अलग किस्म का असर होता है, जिसमें किडनी खराब होने से लेकर फेफड़े का कैंसर होने तक की बातें शामिल हैं।

यह अनुसंधान पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस, यूके के हर किसी के लिए उपलब्ध प्रतिष्ठित जर्नल पीएलओएस जेनेटिक्स में प्रकाशित हुआ है।

लिंगभेद का असर

मोटापे के अनेक कारणों में शरीर के मेटाबोलिज्म में गड़बड़ी, हाइपोथायरोइडिज्म और आरामदेह जीवनशैली का भी समावेश होता है। इस मोटापे की कुछ वजहें हैं। किसी व्यक्ति का बीएमआई (वजन एवं कद का अनुपात) जब 30 के बराबर या ज्यादा हो तो उसे मोटा कहा जाता है, लेकिन इस मोटापे का असर पुरुषों और महिलाओं में अलग-अलग होता है। मोटे पुरुषों में पेट (वेस्ट टू हिप रेशो) के इर्द-गिर्द ज्यादा मोटापा होता है तो महिलाओं में आनुवांशिकता के मोटापे का खतरा ज्यादा होता है। अध्ययन के दौरान बीएमआई के अलावा वेस्ट टू हिप रेशो (डब्ल्यूएचआर) और दोनों के परेशानियों का कारक होने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाले गए

- मोटी महिलाओं में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा ज्यादा होता है।
- हृदयरोग और स्ट्रोक का खतरा पुरुष-महिला दोनों पर बराबर होता है।
- ज्यादा बीएमआई और ज्यादा डब्ल्यूएचआर एक साथ हों तो पुरुषों में क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मनरी डिसीज (सीओपीडी) का खतरा ज्यादा होता है।
- रोचक बात यह है कि अध्ययन में पाया गया कि मोटापा पुरुषों के व्यवहार में भी बदलाव लाता है। यह पुरुषों को धूम्रपान की ओर मोड़ता है (शायद इससे भूख कम होने की गलतफहमी के चलते)। जबकि ज्यादा धूम्रपान के कारण फेफड़े के कैंसर की आशंका और बढ़ जाती है। महिलाओं पर ऐसा ही असर नहीं देखा गया।
- शरीर के बीच के हिस्से में ज्यादा मोटापा पुरुषों में महिलाओं की तुलना में दीर्घकालिक किडनी की खराबी का खतरा ज्यादा बढ़ाता है।

अध्ययन का लाभ

दुनियाभर में मोटापा ही गैर-संक्रामक रोगों से होने वाली मौतों में से दो तिहाई की वजह होता है। वह भी तब जबकि मोटापे से होने वाले रोगों पर स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार के साथ काबू पाया जा सकता है। अगर हमें जोखिम की आशंका वाले लोगों का पता चल जाए तो हमारे लिए उचित समय पर उचित कदम उठाकर उनकी जिंदगी बचाना ज्यादा आसान हो जाएगा।

हमारे इंटेस्टाइन में 13 तरह के आंत बैक्टीरिया (गट बैक्टीरिया) होते हैं, जो लार्ज इंटेस्टाइन के कैंसर का कारण बनते हैं। हाल ही में आए शोध से पता चलता है कि हमारे गट बैक्टीरिया और इंटेस्टाइन के माइक्रोबायोम के कारण ही इंटेस्टाइन में कैंसर का खतरा बढ़ता है।

वैज्ञानिक शोध में हुआ खुलासा

आंतों में मौजूद बैक्टीरिया भी बन सकते हैं पेट के कैंसर का कारण

इंटेस्टाइन में रहने वाले एक प्रकार के बैक्टीरिया, जिन्हें हम गट बैक्टीरिया भी कहते ये बाउल कैंसर (आंत्र कैंसर) का कारण भी हो सकते हैं। हाल ही में आए शोध की मानें, तो आंत में एक निश्चित प्रकार के बैक्टीरिया वाले लोगों को आंत्र कैंसर विकसित होने का अधिक खतरा हो सकता है। इंटेस्टेनियल माइक्रोबायम हमारी आंत के भीतर फंग्स, बैक्टीरिया और वायरस का संग्रह है। साथ ही इस बात के प्रमाण और बढ़ रहे हैं कि शरीर में माइक्रोबायोम की संरचना भी इसके पीछे का एक बड़ा कारण हो सकती है। वहीं शोधकर्ता इस बात का पता भी लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इंटेस्टाइन के माइक्रोबायोम में कैंसर वायरस पैदा हो रहे हैं या उसके किसी खास बैक्टीरिया से ही ऐसा हो रहा है। आइए हम आपको बताते हैं इस कैंसर और इससे जुड़े इस शोध के बारे में।

बाउल कैंसर क्या है?

बाउल कैंसर कैंसर का वह प्रकार है, जो हमारे लार्ज इंटेस्टाइन यानी कि बड़ी आंत में होता है। लार्ज इंटेस्टाइन में जहां ये कैंसर शुरू होता है, उसके आधार पर इस बाउल कैंसर को कभी-कभी कोलन या रेक्टल कैंसर कहा जाता है।

आंत्र कैंसर के 3 मुख्य लक्षण होते हैं। पहला- स्टूल या शौच करते वक्त लगातार ब्लडिंग का होना। दूसरा- आपकी आंत्र की आदत में लगातार परिवर्तन, जो आमतौर पर पेट खराब होने जैसा होता है और तीसरा-लगातार निचले पेट में दर्द, सूजन या बेचैनी का होना, जो हमेशा खाने के बाद होती है। इन तीनों के अलावा व्यक्ति में लगातार वजन कम होने लगता है और पेट की परेशानियां बढ़ने लगती हैं।

क्या कहता है शोध ?

दरअसल यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के डॉ. कैथलीन वेड ने आंत्र कैंसर(बाउल कैंसर) के विकास में बैक्टीरिया द्वारा निभाई गई कार्यवाहक भूमिका की जांच की है। इसके लिए मेंडेलियन रेंडमाइजेशन नामक तकनीक का उपयोग किया और इस अध्ययन के बारे में 2019 एनसीआरआई कैंसर सम्मेलन को बताया। सम्मेलन में बताया गया कि कैसे हमारी आंत में मौजूद कुछ बैक्टीरिया ही हमारे पेट से जुड़ी बीमारियों को कारण होते हैं और इसी के कारण ही हम बाउल कैंसर भी होता है। शोधकर्ताओं की मानें तो आंत्र कैंसर के खतरे 2-15 प्रतिशत के बीच बढ़ा है, जो आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। माइक्रोबायोम इस मामले में सूक्ष्मजीवों, बैक्टीरिया का एक समुदाय है, जो शरीर में स्वाभाविक रूप से होता है। इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि माइक्रोबायोम का मेकअप मानव स्वास्थ्य और शरीर की बीमारी के लिए संवेदनशील भूमिका निभा रहा है। मानव आंत माइक्रोबायोम, जिसमें लगभग तीन ट्रिलियन बैक्टीरिया होते हैं, पाचन में सहायता करता है और संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। यह एक व्यक्ति के व्यक्तिगत आनुवंशिक बनावट और उनके शरीर द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के जीवन में अपेक्षाकृत स्थिर रहता है, जब तक कि वह एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन न करें।

डॉ. कैथलीन वेड का कहना है कि उन्हें ये देखने में दिलचस्पी थी कि क्या मानव आंत माइक्रोबायोम में भिन्नता, जैसे बैक्टीरिया की संख्या या बस विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया की संख्या, आंत्र कैंसर पर प्रभाव डाल सकती है। चूहों और मनुष्यों में अध्ययन के बहुत से आंत सूक्ष्मजीव और आंत्र कैंसर के बीच एक संबंध दिखाया गया है, लेकिन बहुत कम लोगों को इसके ठोस सबूत मिले हैं। दूसरे शब्दों में, यह समझ पाना मुश्किल है कि आंत माइक्रोबायोम आंत्र कैंसर का कारण बन सकते हैं या नहीं। अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने फ्लेमिश गट फ्लोरा प्रोजेक्ट, जर्मन फूड चेन प्लस अध्ययन और पॉपगेन अध्ययन में भाग लेने वाले 3,890 लोगों के डेटा का इस्तेमाल किया किया और इस बारे में पता लगाया है। वहीं जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडीज (GWAS) ने प्रतिभागियों के जीनोम में छोटे बदलावों की खोज की, जो किसी बीमारी या विशेषता वाले लोगों में बार-बार होते हैं।

सेहत

घर के अंदर भी खतरनाक हो सकती है जहरीली हवा

आप घर के अंदर हैं, तो इसका मतलब आप पूरी तरह वायु प्रदूषण से सुरक्षित हैं आपका ये सोचना बिल्कुल गलत है। जिस तरह प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, उससे आप घर के अंदर भी सुरक्षित नहीं, इसलिए ऐसे में एयर प्यूरीफायर मददगार हो सकता है। देश की राजधानी दिल्ली में रहना इन दिनों खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि वहां बढ़ते वायु प्रदूषण और दिन-प्रतिदिन हवा की गुणवत्ता बिगड़ रही है। ऐसे में दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। यह बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल गंभीर श्वसन संबंधी रोगों की संभावना बढ़ाता है, बल्कि आपके दिल और मस्तिष्क दोनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इस स्मॉग को कोई भी फॉग समझने की गलती न करे। यह एक जहरीली हवा है, जो आपके स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। ऐसे में आपको घर से बाहर कम से कम निकलने की सलाह दी जा रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं, कि घर के अंदर भी आप इस जहरीली हवा का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जरूरत से ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

इनडोर वायु प्रदूषण क्या है ?

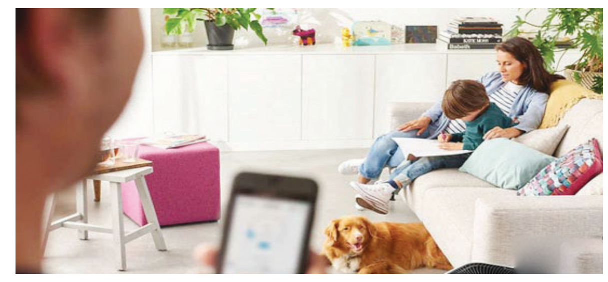

हालांकि बाहर की तुलना में घर के अंदर रहना अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप घर के अंदर पूरी तरह सुरक्षित हैं, क्योंकि बाहर से जहरीली हवा आपके घर के अंदर भी आती है, जिसे इनडोर वायु प्रदूषण कहते हैं।

इनडोर पॉल्यूशन से बचने के लिए एयर प्यूरीफायर

भले ही आपका घर कितना ही अच्छा और साफ-सुथरा ही क्यों न हो, लेकिन अगर प्रदूषण का स्तर बाहर की तरफ बढ़ रहा है, तो स्थिति घर के अंदर भी खराब हो सकती है। धूल और कार्बनिक पदार्थों से लेकर कीटनाशक सभी हमारे शरीर पर घर के अंदर भी कहर बरपा सकते हैं, जिसके लिए आपको इस स्थिति में घर में एयर प्यूरीफायर रखना जरूरी है। यह आपको बाहर की जहरीली हवा से बचाने में मदद करेगा।

एयर प्यूरीफायर का सही इस्तेमाल और चुनाव

मार्केट में कई ब्रांड विभिन्न के एयर प्यूरीफायर हैं, जिनकी फिल्टरिंग क्षमता अलग-अलग है। इसलिए, अपने कमरे के आकार के लिए प्रभावी एयर प्यूरीफायर चुने। इसके अलावा आप एयर प्यूरीफायर का सही इस्तेमाल करें। आपके लिए यह समझना जरूरी है कि यदि आप कमरे के दरवाजे खोलते और बंद करते हैं तो एयर प्यूरीफायर ठीक से काम नहीं करेगा। इसलिए जब भी एयर प्यूरीफायर चालू करें, तो दरवाजे और खिड़कियां ठीक से टाइट बंद कर दें।

फिल्टर बदलना भी है जरूरी

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने बाजार में सबसे अच्छा और महंगा एयर प्यूरीफायर खरीदा है, यदि आप समय पर इसके फिल्टर को नहीं बदलते हैं, तो इसका कोई फायदा नहीं होगा। इसलिए एयर प्यूरीफायर का फिल्टर बदलना भी जरूरी है। आमतौर पर HEPA (हवा को साफ करने की एक फिल्टर है, जो बहुत छोटे कणों को भी छानने में सक्षम है) और कार्बन फिल्टर सहित कम से कम दो फिल्टर होते हैं। नियम के अनुसार, HEPA फिल्टर को हर 12 से 18 महीने में बदलना चाहिए और कार्बन फिल्टर को हर तीन महीने में बदलना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2642

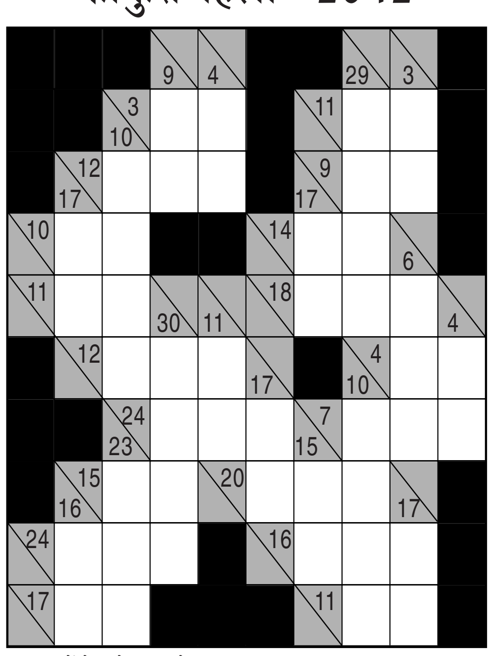

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

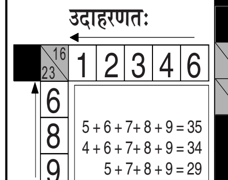

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2641 का हल

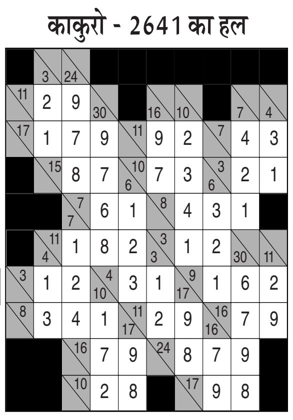

हंसी के फूव्वारें

एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका से कहा- "आज हम पूरा मजा लूटेंगे ! मैनें फिल्म के तीन टिकटों का प्रबन्ध कर लिया है."

"तीन टिकट ?"

"हां !"

"मगर हम तो दो हैं."

"हां ! हम तो दो ही हैं."

"फिर तीन टिकट किसलिए ?"

"एक तुम्हारी मां के लिए ! दूसरा तुम्हारे पिता के लिए और तीसरा तुम्हारे छोटे भाई के लिए !" प्रेमी ने रहस्य खोलते हुए कहा.

▯ ▯ ▯

"चौकीदार !"

"जी !"

"तुम ठीक से पहरा तो देते नहीं हो और पैसे मांगने आ जाते हो ?"

"देता हूं सरकार !"

"झूठ बोलने की कोशिश मत करो ! रात बारह बजे के बाद तुम्हारी आवाज ही सुनाई नहीं पड़ती !"

"साहब ! उस समय मैं दूसरों की आवाजें सुना करता हूं."

▯ ▯ ▯

प्रेमी- 'तुम्हारी एक मुस्कान के लिए मैं हजार बार जान निछावर करने के लिए तैयार हूँ.'

प्रेमिका- तुम्हारे एक बार जान निछावर करने के लिए मैं हजार बार मुस्कुरा सकती हूँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 2642

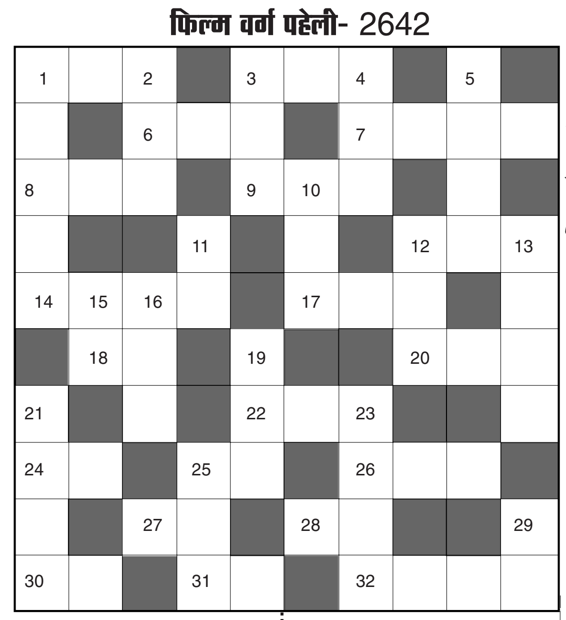

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2641

सूडोकु -2642

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2641 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 2642

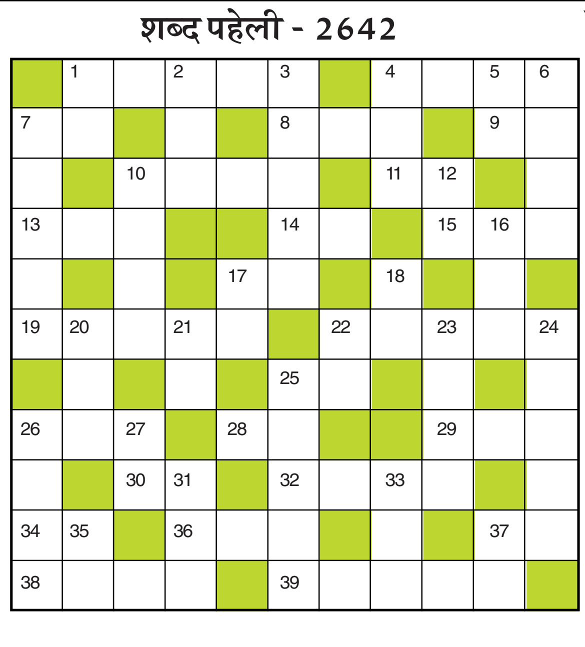

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2641 का हल

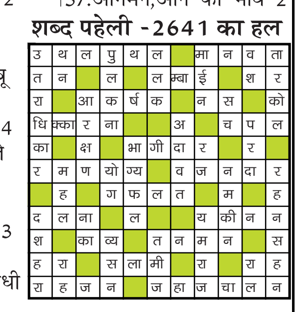

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में तीन रैलियां कर राजग उम्मीदवारों के लिए मांगा समर्थन

एजेंसी

पूर्वी चंपारण/गयाजी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में ताबड़तोड़ तीन रैलियां की। उन्होंने मोतिहारी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रमोद कुमार, पिपरा से श्यामबाबू प्रसाद यादव और अतरी विधानसभा क्षेत्र से हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के उम्मीदवार रोमित कुमार को भारी मतों से जीताकर विधानसभा में भेजने की अपील की। जनसभाओं को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ओर माले समेत महागठबंधन के अन्य घटक दलों पर करारा हमला बोला। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के प्रत्याशियों को लेकर विपक्षी दलों को घेरा। उन्होंने कहा कि भगवान राम और कृष्ण के बाद अब ये लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। राम का विरोध और आस्था का अपमान करने वालों को कतई वोट नहीं देना है। पिपरा विधानसभा क्षेत्र की रैली में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भीड़ में खड़ी उत्साहित बच्ची को मंच पर बुलाया और हाथों से बनाई गई फोटो लेकर बच्ची का हौसला बढ़ाया। यह देख हर कोई सीएम योगी की सहजता का कायल हो गया। योगी आदित्यनाथ ने इस रैली में कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर से माफिया की छाती रौंदी है। जब बुलडोजर चलता है, तो माफिया की हड्डी और पसली एक हो जाती है।

दमन, दीव और दादरा एवं नगर हवेली के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केन्द्र शासित प्रदेश दमन, दीव और दादरा एवं नगर हवेली में स्थानीय निकाय चुनाव में जीत हासिल की है। भाजपा ने इसे ऐतिहासिक जीत बताया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि भाजपा ने लगभग हर सीट पर जीत हासिल की है -जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि होती है। यह जीत एतिहासिक है। जानकारी के मुताबिक दमन जिला पंचायत की 16 सीटों में से भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं नगर निगम चुनाव में 15 सीटों में से 14 पर जीत हासिल की। सरपंच चुनाव में भी 16 सीटों में से 15 सीटों पर जीत हासिल की। दीव जिला पंचायत में सभी 8 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। इसके साथ ही दादरा नगर हवेली के जिला पंचायत चुनाव में 26 में से 24 सीटों पर भाजपा ने बाजी मारी।

शाह बोले – सीमांचल से घुसपैठ खत्म होगी, गरीबों को मिलेगी अपनी जमीन

पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले शुक्रवार को पूर्णिया के बनमनखी में आयोजित एनडीए की विशाल जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार सीमांचल को घुसपैठ से पूरी तरह मुक्त कराएगी और अवैध कब्ज़ा की गई जमीनें गरीबों को दी जाएंगी। अमित शाह ने कहा कि सीमांचल की धरती को घुसपैठियों ने नुकसान पहुँचाया है, लेकिन मोदी सरकार एक-एक कर कार्रवाई करेगी। उन्होंने ऐलान किया कि 'जिन लोगों ने सीमांचल की जमीन पर अवैध कब्ज़ा किया है, उन ज़मीनों को खाली कराकर गरीबों में बाँटा जाएगा।' शाह ने विपक्षी नेताओं तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ये लोग सीमांचल की पहचान बदलना चाहते हैं, लेकिन भाजपा ऐसा कभी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार के भविष्य का चुनाव है – एक तरफ विकास की राजनीति है और दूसरी तरफ अपराध व भ्रष्टाचार की। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि एनडीए की सरकार आने पर सीमांचल के विकास को नई दिशा दी जाएगी। बनमनखी में नई चीनी मिल स्थापित की जाएगी ताकि स्थानीय युवाओं को रोज़गार के अवसर मिलें।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए भूटान ले जाया गया

नई दिल्ली। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भाईचारे के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय संग्रहालय में स्थापित भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को पालम एयरबेस से भारतीय वायु सेना के विमान द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए भूटान ले जाया गया।

8 से 18 नवंबर तक आयोजित होने वाली यह प्रदर्शनी थिम्पू में होने वाले वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव (जीपीपीएफ) का हिस्सा है। यह आयोजन विश्व शांति और मानवता की भलाई के लिए प्रार्थना करने वाला प्रमुख आयोजन है और यह भूटान के चौथे राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के अवसर पर मनाया जा रहा है। यह दुनिया का एकमात्र वज्रयान साम्राज्य है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को ले जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया और उनके साथ वरिष्ठ भारतीय भिक्षुओं और अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था। उल्लेखनीय है कि यह ऐतिहासिक यात्रा भारत के संस्कृति मंत्रालय और इंटरनेशनल बौद्ध कन्फेडरेशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह दूसरी बार है जब इन पवित्र अवशेषों को भूटान ले जाया जा रहा है- पहली बार वर्ष 2011 में इसे राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के विवाह समारोह के अवसर पर ले जाया गया था।

यह चुनाव नीतीश या मोदी नहीं, बल्कि बिहार की जनता लड़ रही है: प्रधानमंत्री

एजेंसी

बेतिया। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में अब महज तीन दिन बचे हैं। लिहाजा, तमाम दलों के नेता मतदाताओं से अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बेतिया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया और लोगों से समर्थन मांगा। पश्चिम चंपारण के जिला मुख्यालय बेतिया स्थित कुड़िया कोठी मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों को कुशासन की नहीं, बल्कि विकास और सुशासन की सरकार चाहिए। बिहार के लोग किसी

भी कीमत पर जंगलराज को वापस लौटने देना नहीं चाहते हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने झूठे वादों का भ्रम फैलाने की कोशिश की है। पर उनके वादों पर तो खुद कांग्रेस को भरोसा नहीं है, इसलिए वह राजद के घोषणा पत्र की बात भी नहीं करते हैं।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि अबतक की सबसे बड़ी जीत के साथ बिहार में राजग की सरकार बनेगी। क्योंकि यह चुनाव राजग, नीतीश या मोदी नहीं लड़ रहा, बल्कि बिहार की जनता लड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने महर्षि वाल्मीकि और माता सीता की धरती पर भोजपुरी भाषा में प्रणाम किया और कहा कि यहां के लोग हमेशा से न्याय करते आ रहे हैं। पश्चिम चंपारण इतिहास से जुड़ी हुई जगह है। देश की आजादी में चंपारण की धरती का बहुत बड़ा योगदान है। यहीं पर गांधी जी को महात्मा की उपाधि मिली। चंपारण संकल्प की धरती है। उन्होंने कहा कि आप सभी को राजग के ईमानदार इरादों पर भरोसा भी है। आप सभी को नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार पर भी भरोसा है। इसी भरोसा पर 06 नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान में बिहार के लोगों ने जमकर मतदान किया है। राजग की सरकार बिहार में बनाना तय है।

महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार पर होना चाहिए ध्यान : प्रियंका गांधी

एजेंसी

पूर्णिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्णिया के झील टोला, जनता चौक में आयोजित महागठबंधन की चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार की स्थिति चिंताजनक है, जिस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाएं हैं, और जब वे परिवर्तन का मन बना लेती हैं, तो नतीजा तय होता है। उन्होंने बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों को भी उठाया और कहा कि इन समस्याओं का समाधान ही राज्य के विकास की कुंजी है। सभा में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस नेत्री अलका लांबा, पूर्णिया के सांसद राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार जितेंद्र कुमार यादव ने भी सभा में भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

उत्तराखंड के 25वें स्थापना दिवस पर मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेसी नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के 25वें स्थापना दिवस के मौके पर रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य का हर व्यक्ति देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, ÷प्राकृतिक संपदा और अद्भुत नैसर्गिक सौंदर्य से संपन्न उत्तराखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई। हिमालय की गोद में बसी देवभूमि उत्तराखंड अपनी संस्कृति, परंपरा और सौंदर्य से भारत की पहचान को और भी समृद्ध बनाता है। हमारी कामना है कि उत्तराखंड का हर नागरिक समृद्धि, शांति और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहे और देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, देवभूमि उत्तराखंड वासियों को उत्तराखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस परिवार ईश्वर से सभी प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना करता है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक्स पोस्ट में लिखा,÷हम समस्त उत्तराखंड वासियों के जीवन में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण दिन है, जब हम राज्य के रूप में अस्तित्व में आए। एक लंबे संघर्ष, जिसमें हमने बहुत सारे अपनों को

खोया, बहुत सारे घाव लगे, बहुत सारी चुनौतियां सामने आई, मगर लोग अडिग रहें। अनंतोगत्वा देश में एक सहमति बनी कि अब उत्तराखंड राज्य बनना चाहिए। इसलिए यह दिन हमारे लिए बड़ी आकांक्षाओं और उम्मीदों का दिन भी है। एक ऐसे संकल्प का दिन है जिस दिन हम अपने उन भाई-बहनों जिनके पास साधन और सामर्थ्य नहीं है, उनको भी राज्य की विकास की मुख्यधारा में लाए। पूर्व सीएम ने आगे लिखा, आज के दिन हमको संकल्प लेना है कि करोड़ों भारतवासियों, जिन्होंने हमारे अस्तित्व में आने की कल्पना की और उस कल्पना को मदद देने का काम किया। मैं, आप सब भाई-बहनों को उत्तराखंड की रजत जयंती के अवसर पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं व बधाई देता हूं। हम सब समान रूप से इस राज्य को आगे बढ़ाने के लिए कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के तौर पर काम करते रहें, उसके लिए आप सबका आवाह्न करता हूं। जय हिंद-जय उत्तराखंड।

भोपाल में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, सिर सहित तेंदुए की खाल जब्त, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। अवैध वन्यजीव व्यापार के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की नागपुर क्षेत्रीय इकाई ने बड़ी सफलता हासिल की है। मुंबई क्षेत्रीय इकाई के अधीन कार्यरत इस टीम ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक होटल से सिर सहित तेंदुए की खाल जब्त की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर की गई है। मुखबिर की सूचना पर डीआरआई अधिकारियों ने भोपाल के एक होटल में छापेमारी की, जहां तीन संदिग्ध व्यक्ति तेंदुए की खाल की ट्रॉफी बेचने की फिराक में थे। तलाशी के दौरान यह दुर्लभ ट्रॉफी बरामद हुई, जिसमें तेंदुए का सिर भी शामिल था। वन्यजीव अधिनियम के अंतर्गत तेंदुए की खाल, अंगों या ट्रॉफी का व्यापार, बिक्री, खरीद या कब्जा पूरी तरह प्रतिबंधित है। उल्लंघन पर कड़ी सजा का प्रावधान है। जब्त की गई वस्तु और पकड़े गए तीन व्यक्तियों को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए वन प्रभाग भोपाल को सौंप दिया गया। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी डीआरआई मुंबई की टीम वन्यजीव तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। मई में उज्जैन, महाराष्ट्र में

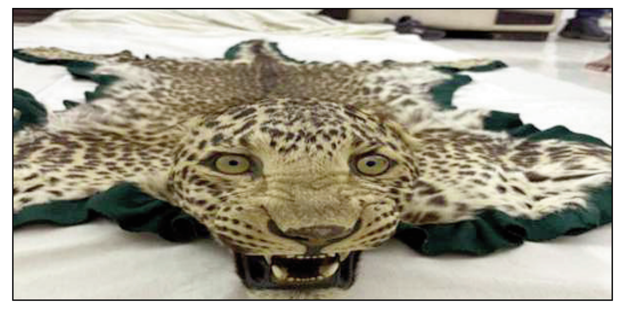

दो तेंदुए की खालें, एक जंगली सूअर और हाथी का दांत जब्त किया गया था। जुलाई में मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में बिजली के झटके से बाघ शावक की हत्या के मामले में छह आरोपी पकड़े गए। इस कार्रवाई में नौ बाघ के नाखून, 61 हड्डियां और शावक का आंशिक सड़ा शव बरामद हुआ। अगस्त में ओडिशा के रायगढ़ में दो तेंदुए की खालें जब्त कर चार तस्कर गिरफ्तार किए गए। राज्य वन विभागों, सीमा शुल्क और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय से खुफिया-संचालित ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। भारत की जैव विविधता को अवैध शिकार और अंतर्राष्ट्रीय तस्करी से बचाने में डीआरआई की भूमिका अहम है। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे नेटवर्क एशिया के अवैध बाजारों से जुड़े होते हैं, जहां वन्यजीव उत्पादों की मांग लगातार बनी हुई है। डीआरआई के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी टीम दिन-रात लगी हुई है। वन्यजीव संरक्षण केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन की रक्षा है। यह कार्रवाई अन्य तस्करों के लिए चेतावनी है कि कानून की पकड़ से कोई बच नहीं सकता।'

राहुल गांधी ने पचमढ़ी में पार्टी नेताओं को दी संगठन को मजबूत करने की नसीहत

एजेंसी

पचमढ़ी/भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत प्रदेश कांग्रेस के जिला एवं शहर अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित किया और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन के नीचे लेवल तक मजबूत करने की नसीहत दी। उन्होंने किसानों और आम जनता से समस्याएं उठाने और पार्टी संगठन के साथ मिलकर काम करने की बात भी वरिष्ठ नेताओं से कही। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और अशोक सिंह मौजूद रहे। राहुल गांधी दोपहर करीब 3:30 बजे पचमढ़ी पहुंचे और यहां सबसे पहले उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। बैठक के दौरान प्रदेश में कांग्रेस में समन्वय की कमी का मुद्दा छाया रहा। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को तीन साल की कार्ययोजना की जानकारी दी, जिसमें उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में चुनाव में जीत और संगठन की मजबूती के लिए क्या-क्या किया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में करीब 4 घंटे तक जिला अध्यक्षों से संवाद किया। साथ ही पार्टी संगठन को मजबूत करने और मिशन 2028 के तहत सरकार बनाने का लक्ष्य देकर जुट जाने को कहा है।

हिम्मत से लड़ना है, सरकार कांग्रेस की बनेगी

बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस मामूली अंतर से हार रही है। अब सबको हिम्मत और एकजुटता से लड़ना होगा, सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि जिला अध्यक्षों का साथ दो, समन्वय से काम करो। उन्होंने जिला अध्यक्षों को नसीहत दी कि वे जमीन पर सक्रिय रहकर जनता से सीधा जुड़ाव बनाए रखें। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और जनता का विश्वास संगठन की मजबूती से ही दोबारा जीता जा सकता है। राहुल गांधी ने पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' को मिशन 2028 की रीढ़ बताते हुए कहा कि कांग्रेस को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाना आवश्यक है।

इसके बाद राहुल गांधी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के परिजन के साथ डिनर भी किया। इस दौरान उनके बात भी की। राहुल गांधी रात्रि विश्राम पचमढ़ी में पहाड़ी पर बने रविशंकर भवन (मुख्यमंत्री आवास) में करेंगे और रविवार सुबह 10.20 बजे हेलिकॉप्टर से भोपाल के लिए रवाना होंगे। इसके बाद दिल्ली रवाना होंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक विश्वविद्यालय की रखी आधारशिला

एजेंसी

बिश्वनाथ (असम)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक विश्वविद्यालय 'शहीद कनकलता बरुवा राज्य विश्वविद्यालय' की आधारशिला रखी। यह विश्वविद्यालय बिस्वनाथ जिले के गोहपुर स्थित भोलागुड़ी में 241 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। लगभग 415 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक विश्वविद्यालय में सात लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में शैक्षणिक ब्लॉक, दो हजार विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं, 1620 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, शिक्षकों व कर्मचारियों के आवासीय परिसर, अतिथि गृह तथा आधुनिक छात्र सुविधा केंद्र का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार की 'कुशल और नवाचार-प्रधान कार्यबल' तैयार करने की दृष्टि के अनुरूप यह विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन व नेविगेशन तकनीक, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट सिटी सिस्टम जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों में पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि यह परियोजना युवाओं को भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध कराने और असम को कौशल आधारित उच्च शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह विश्वविद्यालय प्रदेश के आर्थिक और तकनीकी विकास को नई ऊंचाई देगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला 10 नवम्बर को कोहिमा में करेंगे सीपीए इंडिया रीजन सम्मेलन का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला 10 नवम्बर को नागालैंड की राजधानी कोहिमा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन) इंडिया रीजन जोन-III के 22वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

इस दो दिवसीय सम्मेलन (10-11 नवम्बर 2025) में नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और नागालैंड विधानसभा के अध्यक्ष तथा सीपीए इंडिया रीजन जोन-III के अध्यक्ष शेयरिंगैन लोंगकुमेर भी शामिल होंगे। सम्मेलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों के विधानसभाओं के अध्यक्षों, सांसदों और विधायकों की भागीदारी होगी। सम्मेलन का विषय नीति, प्रगति और जन-भागीदारी : परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में विधानमंडल रखा गया है। इसके विकसित भारत की प्राप्ति में विधानमंडलों की भूमिका और जलवायुपरिवर्तन, पूर्वोत्तर क्षेत्र में हाल के बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में उप-विषय हैं। इस कार्यक्रम का समापन सत्र को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश संबोधित करेंगे, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव मेघालय विधानसभा के अध्यक्ष थॉमस ए. संगमा और नागालैंड

विधानसभा के उपाध्यक्ष एस. टोइहो येप्थो देंगे। सम्मेलन के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया जाएगा सीपीए इंडिया रीजन जोन-III ने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने, संसदीय प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने और अधोसंरचना विकास, 'एक्ट ईस्ट' नीति जैसे मुद्दों पर ठोस पहल की है। इस क्षेत्र को भारत-आसियान व्यापार एवं सहयोग दृष्टि में शामिल कर, अधोसंरचना परियोजनाओं की गति बढ़ाने, व्यापारिक केंद्रों के विस्तार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) और डिजिटलाइजेशन कार्यक्रमों के माध्यम से संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ और सहभागी बनाया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने तरनतारन की एसएसपी को किया निलंबित

चंडीगढ़। भारतीय चुनाव आयोग ने एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए तरनतारन की एसएसपी डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल को निलंबित कर दिया है। तरतारन में इस समय उपचुनाव का प्रचार जोरों पर है। यहां 11 नवंबर को मतदान होगा। आयोग की इस कार्रवाई को लेकर हर तरफ चर्चा है। करीब दो सप्ताह पहले शिरोमणि अकाली दल ने प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी को एसएसपी डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। इसमें डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल पर अकाली दल के कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाया गया था। अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल ने डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल के अलावा 2 डीएसपी का तबादला करने की मांग की थी। माना जा रहा है कि इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। जारी हुए आदेशों के अनुसार रवजोत कौर के स्थान पर अमृतसर के सीपी गुरप्रीत सिंह भुल्लर (आईपीएस) को एसएसपी तरनतारन का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

गौरव और परंपरा का प्रतीक है केन्या और मध्य प्रदेश का रिश्ता : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्या हमारा दूसरे घर जैसा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ मूल के सैकड़ों परिवार काफी लंबे समय से केन्या में रह रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से इन दोनों राज्यों के मूल निवासी संगठित होकर बेहद प्रभावी तरीके से हमारी संस्कृति और हमारी परम्पराओं का गौरव बढ़ा रहे हैं। वहां अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्मठता एवं जीवटता के बल पर केन्या की प्रगति और विकास के भागीदार बने हुए हैं। केन्या के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। केन्या और मध्य प्रदेश का रिश्ता गौरव और परंपरा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार देर शाम भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केन्या की राजधानी नैरोबी में आयोजित मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे लोग विदेश की धरती पर भी अपनी पहचान और संस्कृति को दृढ़ता से जीवित रखे हुए हैं। एकता की शक्ति इस कार्यक्रम में भी नजर आ रही है। इस मौके पर भारतीय

समुदाय के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और मध्य प्रदेश की समृद्ध परम्परा व संस्कृति का उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी तेजी और चपलता के स्वरूप में हमारे चीते केन्या में और दक्षिण अफ्रीका के चीते मध्य प्रदेश के वनों में फर्राटे भर रहे हैं। केन्या से भी जल्द ही चीते लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश ने वैश्विक परिदृश्य में भारत के एक प्रगतिशील राज्य के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। नैरोबी जैसे अन्तरराष्ट्रीय शहर में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस मनाया जाना अपने आप में गौरव की बात है और यह हर प्रदेशवासी के लिए गर्व और सुखद अनुभूति का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार विकसित मध्य प्रदेश-समृद्ध भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है और प्रवासी भारतीयों की भागीदारी इस यात्रा को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने विदेश में बसे मध्य प्रदेश के लोगों से राज्य की प्रगति और पहचान को वैश्विक स्तर पर फैलाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भाई-भाई हैं, अपना जन्मदिन साथ ही मनाते हैं। उन्होंने सभी को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने नैरोबी में हुए कार्यक्रम में उपस्थित केन्या में भारत के उच्चायुक्त आदर्श स्वाइका, डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान और केन्या हिंदू काउंसिल की अध्यक्ष सुजाता कोतमराजु, डॉ. महेन्द्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी अफ्रीका में उज्जैन की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को गौरव प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन भारती, हिन्दू स्वयंसेवक संघ और गौ सेवा जैसे संगठनों के प्रति आपकी निष्ठा और समर्पित कार्यों के सबका अभिनंदन है।

नीति आयोग ने बेंगलुरु में आयोजित की 'उपचारित अपशिष्ट जल के दोबारा उपयोग' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, साझा मानक नीति और जल सुरक्षा पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग द्वारा कर्नाटक सरकार और बेंगलुरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के सहयोग से 6 और 7 नवम्बर को बेंगलुरु में आयोजित 'भारत में उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञों और राज्यों के प्रतिनिधियों ने जल सुरक्षा को बढ़ाने, साझा मानक नीति अपनाने और उपचारित जल के उपयोग को व्यापक बनाने पर सहमति जताई। नीति आयोग के मुताबिक, कार्यशाला का उद्घाटन आयोग के सदस्य डॉ. विनोद के. पॉल और कर्नाटक की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने किया। इसमें 18 राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शोधकर्ता, यूनिसेफ, इज़राइल और सिंगापुर जल संघ के सदस्य शामिल हुए। चर्चा का मुख्य उद्देश्य कृषि, औद्योगिक और घरेलू गैर-पीने योग्य उपयोगों में उपचारित जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना और देश की सर्कुलर वाटर इकॉनमी को सशक्त बनाना था। डॉ. पॉल ने कहा कि प्रयुक्त जल का पुनः उपयोग विकसित भारत 2047 की दिशा में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रभावी साधन है। उन्होंने राज्यों से पुनः उपयोग की नीतियां बनाने, विभिन्न उपयोगों के लिए समान मानक तय करने और डेटा सेंटर जैसे नए क्षेत्रों में उपचारित जल को अपनाने का सुझाव दिया।

कर्नाटक की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने बताया कि राज्य ने वर्ष 2024 के जल संकट को अवसर में बदलते हुए झीलों के पुनर्जीवन और औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति में उपचारित जल का उपयोग किया है। उन्होंने अन्य राज्यों से भी रणनीतिक सुझाव देने का आग्रह किया ताकि पुनः उपयोग की क्षमता को और बढ़ाया जा सके। कार्यशाला में गुजरात, दिल्ली, इंदौर, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के प्रतिनिधियों ने अपने सफल मॉडल साझा किए। प्रतिभागियों ने वर्ष 2030 तक राज्य स्तरीय नीतियों के निर्माण, गुणवत्ता निगरानी प्रणालियों के विकास और किफायती तकनीकों के अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला का समापन 7 नवम्बर को बीडब्ल्यूएसएसबी के के एंड सी वैली और क्यूबन पार्क सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दौरे के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने आधुनिक जल उपचार और पुनः उपयोग तकनीकों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कर्नाटक के शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरी नाथ, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की मिशन निदेशक डी. थारा, बृहद बेंगलुरु महानगर पालिका के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक युगल जोशी और बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष डॉ. वी. राम प्रसाथ मनोहर भी उपस्थित रहे।

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत के बाद सूर्यकुमार का एशिया कप विवाद पर मजेदार तंज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, लेकिन भारतीय टीम ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच के बाद जब कप्तान सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी सौंपी गई, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, आखिरकार ट्रॉफी को हाथ में लेने का एहसास बहुत अच्छा लग रहा है।

उनकी इस टिप्पणी को सुनकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, क्योंकि यह बात एशिया कप 2025 विवाद से जोड़कर देखी जा रही है।

सितंबर में खेले गए एशिया कप टी20 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसकी वजह थी नकवी का भारत-विरोधी रवैया। परिणामस्वरूप, भारत ने ट्रॉफी अपने हाथों में नहीं ली और अब तक विजेता ट्रॉफी भारत को औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के बाद सूर्या ने न सिर्फ टीम की सराहना की बल्कि एक हल्के-फुल्के अंदाज में पिछले विवाद पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की वर्ल्ड कप ट्रॉफी हाल ही में भारत लौटी है, और अब हमारी टीम को भी ट्रॉफी थामने का मौका मिला है। वाकई अच्छा लग रहा है।'

उनकी इस बात पर टीम के साथी खिलाड़ी और फैंस दोनों मुस्कराए। सोशल मीडिया पर भी यह बयान तेजी से वायरल हो गया।

दुबई में आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच अनौपचारिक बैठक हुई। सैकिया ने बताया, 'यह बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल में मिले और उम्मीद है कि ट्रॉफी विवाद का समाधान जल्द निकल जाएगा।' सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में यह मुद्दा सुलझने की पूरी संभावना है।

सूर्यकुमार ने टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, 'हर कोई अपनी भूमिका समझता है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले टूर्नामेंट में हम यही जोश बनाए रखना चाहते हैं।'

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड: फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने रचा इतिहास, 1 घंटे में लगाए इतने पुश-अप्स!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने एक नया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत की फिटनेस स्पिरिट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रोहताश ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में '60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में सबसे ज्यादा पुश-अप्स' करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने एक घंटे में 847 पुश-अप्स पूरे किए, जिससे उन्होंने सीरिया के 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

गिनीज़ की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। यह उपलब्धि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हासिल की गई, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर रोहताश को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'रोहताश चौधरी फिट इंडिया भावना के सच्चे प्रतीक हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।'

रोहताश ने अपनी सफलता को भारतीय सेना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करते हुए कहा, ''पिछले साल मैंने एक पैर पर 704 पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जो प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज का रिकॉर्ड मैं हमारे सैनिकों और राष्ट्र की एकता को समर्पित करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों के ज़रिए देशभर में फिटनेस को एक सामाजिक आंदोलन बना दिया है। इस मौके पर हजारों स्कूली बच्चे, फिटनेस प्रेमी और फिट इंडिया एंबेसडर स्टेडियम में मौजूद रहे और रोहताश के इस अद्भुत प्रदर्शन का गवाह बने।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

–आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके।

भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

बुमराह से भी ज्यादा कीमती हैं भारत का ये मिस्ट्री स्पिनर: पूर्व सीएसके स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और इस जीत के असली हीरो रहे मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती। पांच मैचों की इस सीरीज में वरुण ने पांच विकेट झटके और अपनी सटीक गेंदबाज़ी से कंगारू बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ ने वरुण की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि वह इस वक्त भारत के 'सबसे कीमती' खिलाड़ी हैं – यहां तक कि जसप्रीत बुमराह से भी अधिक। बद्रीनाथ ने कहा, 'नंबर बताते हैं कि वरुण चक्रवर्ती इस समय दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं।

जब रन तेजी से बन रहे हों, चाहे वो पावरप्ले हो या डेथ ओवर्स, वरुण वो गेंदबाज़ हैं जिन पर कप्तान भरोसा करता है। उन्होंने अपने खेल में गजब का सुधार किया है और अब वो पूरी तरह से मैच-विनर बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वरुण की वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है, पहले फिटनेस की वजह से टीम से बाहर होना और अब दमदार कमबैक करना। 'ये उनका दूसरा फेज है और उन्होंने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। वो सिर्फ टीम इंडिया की संपत्ति नहीं बल्कि एक 'हथियार' हैं। आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की सफलता काफी हद तक इस स्पिनर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।' सीरीज के दौरान वरुण का इकॉनमी रेट 6.83 और औसत 16.40 रहा, जबकि बुमराह ने पांच मैचों में केवल तीन विकेट झटके। वरुण फिलहाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

इरफान पठान की चेतावनी : टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर आक्रामक न खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनकी 'ट्रेडमार्क शॉट' रणनीति पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। पठान का मानना है कि अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को भांप सकती हैं। अभिषेक शर्मा इस समय भारत की टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सर्वाधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। इरफान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अभिषेक शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें समझदारी दिखानी होगी। वर्ल्ड कप में टीमें पहले से तैयार रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें चुनिंदा गेंदों पर अटैक करना चाहिए।' पठान ने यह भी बताया कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस पर अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से बात करेंगे।

भारत ए / साउथ अफ्रीका ए : टीम इंडिया की बढ़ी चिंता, स्टार तेज गेंदबाज ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज रविवार को साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन हाथ में चोट लगने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए। सिराज फील्डिंग के दौरान अपने दाएं हाथ पर चोट लगा बैठे, जिसके बाद उन्हें दर्द में डगआउट लौटना पड़ा। टीम इंडिया 'ए' के लिए यह सीरीज़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। सिराज की यह चोट चिंताजनक है क्योंकि भारत का मुख्य दौरा अब से एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, चोट सिराज के बॉलिंग हैंड पर लगी है और टीम फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है, लेकिन अगर सिराज फिट नहीं होते हैं, तो आकाश दीप को उनका रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। सिराज भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे प्रमुख तेज गेंदबाज़ हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की जोड़ी भी चर्चा में है। जुरेल ने इस सीरीज़ में दो शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है, और संभावना है कि वे पहले टेस्ट में पंत के साथ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनें।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल', चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि,

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी। 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे। धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी: 8 छक्के और सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक, मेघालय के इस बल्लेबाज ने तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 11 गेंदों में अर्धशतक जमाकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज़ पचासा लगाने का नया रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान उन्होंने 8 गगनचुंबी छक्के जड़े और अपनी पारी से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी दूसरे दिन खेली गई, जब मेघालय की टीम पहले से ही मजबूत स्थिति में थी। राहुल दलाल (144 रन) के आउट होने के बाद आकाश बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़े। उन्होंने स्वस्तिक चेतरी के साथ मिलकर 52 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 628/6 तक पहुंचा दिया, जिसके बाद मेघालय ने पारी घोषित कर दी। आकाश की स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा रही। उन्होंने अरुणाचल के थके हुए गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया और दर्शकों को टी20 जैसी बल्लेबाजी का मज़ा दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड 2012 में इंग्लैंड के वेन व्हाइट के नाम था, जिन्होंने 12 गेंदों में पचासा जड़ा था। लेकिन अब आकाश कुमार ने उसे पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रचा है।

25 वर्षीय आकाश ने अब तक 30 फर्स्ट क्लास मैचों में 503 रन बनाए हैं और 87 विकेट भी चटकाए हैं। गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावी माने जाने वाले आकाश ने इस सीज़न में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है।

एथेंस ओपन : नोवाक जोकोविच ने जीता करियर का 101वां खिताब

एथेंस। सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में आयोजित हेलैनिक चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर अपने करियर का 101वां टाइटल अपने नाम किया। 38 वर्षीय जोकोविच ने रोमांचक फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। तीन घंटे चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन दिखाया। निर्णायक सेट में ही पांच बार सर्विस ब्रेक हुए और 13 ब्रेक पॉइंट बने। इस जीत के साथ जोकोविच ने हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें खिताब के साथ रोजर फेडरर को पछाड़ते हुए ओपन एरा में सबसे ज्यादा हार्ड कोर्ट खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'यह जीत ग्रीस के शानदार लोगों को समर्पित है। आपने हमेशा मेरा समर्थन किया और मुझे घर जैसा महसूस कराया।' हालांकि, फाइनल के तुरंत बाद चोट के चलते जोकोविच ने ATP फाइनल्स से नाम वापस ले लिया। उनकी जगह अब लोरेंजो मुसेटी ट्यूरिन में सीज़न फिनाले में खेलेंगे, जो उनके करियर का पहला ATPफाइनल्स होगा। जोकोविच ने बयान जारी कर कहा, 'मैं ट्यूरिन में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था, लेकिन चोट के कारण अब मुझे हटना पड़ रहा है। सभी फैंस का धन्यवाद, मैं जल्द कोर्ट पर वापसी करूंगा।'

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है।

वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।' लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।' पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। 2022 टी20 विश्व कप के दौरान मैंने यहां गेंदबाजी की थी और अनुभव शानदार रहा था।'

हालांकि इंग्लैंड को इस बार ज्यादा अभ्यास मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वुड इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जैसा कार्यक्रम है, उससे मैं खुश हूं। भारत के खिलाफ पिछली सीरीज से पहले भी हमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया था, फिर भी पहला टेस्ट जीतने में सफल रहे थे।

अब घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू मैदान पर टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज कोलकाता में शुरु होगी। वहीं दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। इसका पहला मैच रांची में 30 नवंबर जबकि दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में वहीं अंतिम एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

दोनो ही टीमों के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा व 14 दिसंबर को धर्मशाला में तीसरा मैच खेला जाएगा। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला होगा।।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शुभमन गिल की कप्तानी में टीम घोषित कर दी है। चोट से उबर कर वापसी कर रहे ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान करेंगे। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। एकदिवसीय के लिए भी शुभमन ही कप्तानी रहेंगे पर टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

टेस्ट टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

–शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं।

वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

'होमबाउंड' को फ्लॉप नहीं मानते ईशान

नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक नीरज घेवान की पिछली फिल्म 'होमबाउंड' को दुनियाभर से प्रशंसा मिली। फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी सराहा गया। यही नहीं 'होमबाउंड' भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भी भेजी गई है। लेकिन इस सबके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और औंधे मुंह गिरी। अब फिल्म के लीड एक्टर ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के फ्लॉप कहे जाने और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत के दौरान ईशान ने होमबाउंड को लेकर बात की और कहा कि इसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अभिनेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह फिल्म असफल है। मुझे लगता है कि फिल्मों का सफर अलग होता है। जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, मुझे लगता है कि यह फिल्म लंबे समय तक चलेगी। मैं बॉक्स ऑफिस नंबर्स को इनकार करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मुझे आंकड़े बहुत अच्छी तरह पता हैं। लेकिन हमारी उम्मीद है कि यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। इसमें मैं अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने दूंगा।

एक समय ऐसी फिल्में भी करेंगी अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर छोटी फिल्मों के न चल पाने और अच्छी कमाई करने की जरूरत पर ईशान ने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब ऐसी फिल्में भी किसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म जितनी कमाई करेंगी। इससे चीजें बदल जाएंगी। इससे एक ऐसा माहौल बनेगा जहां ऐसी फिल्मों को पनपने व ज्यादा बनने का मौका मिलेगा। अभी बदकिस्मती से आपको ऐसी फिल्में कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। लेकिन इसमें बदलाव लाने के लिए दर्शकों को भी सहयोग करना होगा।

नीरज घेवान ने किया है निर्देशन

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान दो प्रवासी मजदूरों की सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एक मुस्लिम और दलित की बचपन की दोस्ती दिखाई गई है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं। जिन्हें लगता है कि यह नौकरी उन्हें वह सम्मान दिलाएगी, जो उन्हें अपनी-अपनी पृष्ठभूमि के कारण लंबे समय से नहीं मिल पाया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाईं हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।

यामी ने भगवत गीता का किया जिक्र

बातचीत के दौरान यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है।

दर्शक मुझे प्यार करते हैं, और क्या चाहिए

साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

शाह बानो केस पर आधारित है 'हक'

जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भा मांगती है।

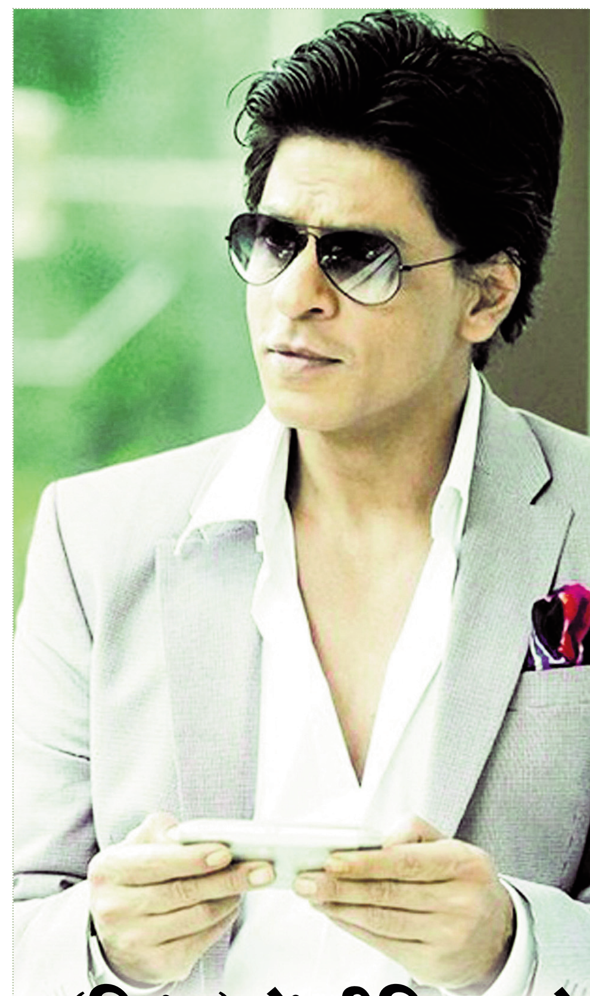

'किंग' में दीपिका से रोमांस करेंगे शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक और टाइटल रिवील किया गया। इसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और व्यूज के मामले में रिकॉर्ड स्थापित कर दिए। वहीं जन्मदिन पर एक फैन मीट के दौरान शाहरुख ने फिल्म से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान शाहरुख ने इशारों-इशारों में ये भी कंफर्म कर दिया कि फिल्म में उनका और दीपिका का लव एंगल होगा।

धीरे-धीरे आपको फिल्म के बारे में मिलेगी जानकारी

फैन मीट के दौरान एक प्रशंसक ने शाहरुख से 'किंग' के कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा। हालांकि, इस पर शाहरुख ने साफ कहा कि मैं फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ भी आपको नहीं बता सकता हूं। जैसे-जैसे और भी चीजें सामने आएंगी, आपको फिल्म के बारे में अधिक पता चलेगा। फिल्म में कई किरदार हैं। फिल्म का मकसद यह है कि जब हम चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम बड़े फैसले लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है या नहीं। साथ ही हम किंग में किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अगर आपको हमारा आइडिया पसंद आए, तो इसे जरूर अपनाएं। या फिर आप इसकी आलोचना भी कर सकते हैं।

इस इवेंट के दौरान एक प्रशंसक ने चिल्लाकर कहा कि उनके मन में शाहरुख के लिए बहुत सारा प्यार है। इस पर तुरंत ही शाहरुख ने मजेदार अंदाज में कहा कि मेरे साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। इसलिए प्यार तो जरूर ही होगा। शाहरुख के इस बयान के बाद ही ऐसे कयास लगाए जाने लगे हैं कि फिल्म में दीपिका और शाहरुख के बीच लव एंगल दिखाया जाएगा। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभी तक सामने नहीं आई रिलीज डेट

'किंग' अगले साल 2026 में रिलीज होनी है। अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'किंग' में शाहरुख के साथ उनकी लाडली सुहाना खान भी नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सनी लियोनी संग शो 'स्प्लिट्सविला' होस्ट करेंगे करण कुंद्रा

सीरियल 'कितनी मोहब्बत है' से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के 'रोडीज' और 'लव स्कूल' को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला x6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला x6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। वह पीटीआई से की गई बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। 'स्प्लिट्सविला' शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है।' करण आगे कहते हैं, 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा।'

क्या है शो का कॉन्सेप्ट

करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने किया बड़ा खुलासा

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म जटाधरा में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है। एट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के तरीके पर चर्चा की है।

काम के घंटो को लेकर या बोलीं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा से हिंदी और तेलुगु इंडस्ट्री के काम करने के तरीके में अंतर के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ज्यादा अंतर नहीं हैं लेकिन उनकी (साउथ) टाइमिंग बहुत अच्छी है, बहुत व्यवस्थित है। वे सिर्फ कुछ खास घंटों के लिए ही काम करते हैं। वहां वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत अच्छा है, जो हम उनसे जरूर सीख सकते हैं। मुझे लगता है कि यह उस बारे में सच में बहुत अच्छी बात है। मैं कहूंगी कि यह थोड़ा ज्यादा अनुशासित है।

अलग-अलग भाषाओं में फिल्म करना चाहती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे बातचीत करते हुए कहा, मैंने पहले एक तमिल फिल्म (लिंगा) की है और अब यह तेलुगु फिल्म कर रही हूं। मुझे नहीं लगता कि अब भाषा कोई रुकावट है। मैं और भी भाषाओं को एसप्लोर करना चाहूंगी।

निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हैं एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, मैं अपने निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हूं क्योंकि वे फिल्म के साथ ज्यादा समय तक रहे हैं। वे राइटिंग प्रोसेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें आइडिया होता है। और एक एक्टर के तौर पर, यह मेरा काम है कि मैं उसे पूरा करूं। अगर मुझे लगता है कि मेरे इनपुट की जरूरत है, अगर मैं इसे किसी खास तरीके से निभाना चाहती हूं या कुछ अलग करना चाहती हूं, तो मैं कहती हूं। लेकिन ज्यादातर, मैं वही करने की कोशिश करती हूं, जो मेरे डायरेक्टर का विजन होता है।

एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा

90 के दशक की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे अंतराल के बाद वह फिल्म 'जटाधारा' से बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रही हैं। खास बातचीत में शिल्पा ने अपने इस नए सफ़र, फिल्मों से दूरी और एक नए दौर की शुरुआत को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि विदेश में बसने के कारण उन्होंने एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन उनका दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा। शिल्पा अब एक गहराई भरे निगेटिव किरदार 'शोभा' में दिखेंगी — जो लालच, महत्वाकांक्षा और भीतर की जद्दोजहद से जूझती एक जटिल महिला है।

शिल्पा जी, आपने 90 के दशक में कई फिल्में कीं और फिर अचानक स्क्रीन से गायब हो गईं। दर्शकों ने आपको बहुत मिस किया। उस ब्रेक के पीछे क्या वजह थी?

यह मेरा बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला था। शादी के बाद मैंने खुद को एक्टिंग से दूर कर लिया था, क्योंकि हम विदेश चले गए थे। पहले नीदरलैंड, फिर न्यूज़ीलैंड और बाद में लंदन में रहते हुए बॉलीवुड में काम जारी रखना मुश्किल था। हाँ, अगर मैं मुंबई में रहती, तो ज़रूर काम करती रहती, लेकिन विदेश में बसने का मतलब था कि मुझे अपने नए जीवन और परिवार को प्राथमिकता देना, जो मैंने किया।

उस दौर में आपने अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, गोविंदा, सुनील शेट्टी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बड़े नामों के साथ काम किया। वह अनुभव कैसा रहा?

वो अनुभव मेरे लिए एक आशीर्वाद जैसा था और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। काम से ज्यादा मैंने उन सबसे प्रोफेशनलिज़्म सीखा। हालांकि मैं हमेशा से ही अमिताभ जी की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। इसके अलावा अनिल कपूर, मिथुन दा और सुनील शेट्टी भी मेरे लिए बहुत सपोर्टिव रहे हैं। हालांकि उस दौरान सेट पर एक परिवार जैसा माहौल रहता था। सब एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते थे और हर दिन एक नई ऊर्जा के साथ काम होता था।

आपकी फिल्म जटाधारा रिलीज़ होने जा रही है। इस फिल्म से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

जटाधारा हम सभी के लिए एक सफ़र जैसा रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह दर्शकों के लिए भी एक शानदार सफ़र होगा। यह कहानी बहुत अलग और प्रभावशाली है। यह उन फिल्मों में से है, जो देखने के बाद भी आपके साथ रहती है। हमने इसमें दिल से मेहनत की है। हर किरदार की अपनी गहराई और पहचान है, और मुझे यक़ीन है कि दर्शकों को हर किरदार में खुद से जुड़ाव महसूस होगा।

जटाधारा में आपके किरदार की क्या खासियत थी, जिसने आपको यह रोल करने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर- इस फिल्म में मैं शोभा का किरदार निभा रही हूं और मुझे उसकी जटिलता ने बहुत आकर्षित किया। वह लालच में डूबी हुई है और अपने सामान्य जीवन से ऊब चुकी है। उसे ऐश्वर्य, ताकत और शोहरत चाहिए। यह मेरा पहला निगेटिव रोल है, और यही चीज़ मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित कर रही थी। मैं ज़्यादा नहीं बता सकती, पर यह ज़रूर कहूंगी कि सभी को यह फिल्म ज़रूर देखनी चाहिए!

जटाधारा में आपके किरदार को लेकर काफी चर्चा है। आप इस फिल्म से कैसे जुड़ीं?

यह सब मेरे बिग बॉस से निकलने के बाद शुरू हुआ। वहां से निकलते ही जटाधारा की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने मुझसे संपर्क किया और इस रोल के बारे में बताया। जैसे ही मैंने किरदार के बारे में सुना, मैं तुरंत उस किरदार की तरफ आकर्षित हो गई। कहानी में एक सच्चाई और कच्चापन था, जो मेरे दिल को छू गई। मैंने बिना वक्त गंवाए अपना काम शुरू कर दिया और सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ता चला गया।

इतने सालों बाद एक ऐसी फिल्म के साथ वापसी करना, जो सामाजिक और पौराणिक दोनों पहलुओं को छूती है। क्या आपको कोई दबाव महसूस हुआ?

बिल्कुल नहीं। पहले दिन से ही मुझे इस फिल्म और इसकी कहानी पर पूरा विश्वास था। मेरे को-स्टार्स, निर्देशक और निर्माता सब बहुत सपोर्टिव थे। सच कहूँ तो दबाव की बजाय काफी उत्साह था, क्योंकि मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव था।

इस फिल्म के लिए आपने कोई खास तैयारी की थी?

सच कहूं तो शोभा बनने के लिए तैयारी से ज़्यादा, अपने किरदार को समझने की ज़रूरत थी। हालांकि टीम ने इस पूरी प्रक्रिया में मेरी बहुत मदद की। इसके अलावा कहानी इतनी साफ़ और स्पष्ट थी कि सेट पर जाते ही मैं अपने किरदार में ढल जाती थी।

क्या आप भविष्य में फिर से इसी टीम के साथ काम करना चाहेंगी?

बिल्कुल! सोनाक्षी एक शानदार आर्टिस्ट हैं। सेट पर उनके अंदर कोई अहंकार नहीं था। वह पूरी तरह निर्देशक की अभिनेत्री हैं और उनका जोश कमाल का था! आज-कल की भाषा में कहें तो हम दोनों की वाइब काफी मैच करती है, जैसे हम एक जैसी बातें करते हैं, एक जैसी चीज़ें पहनते हैं। पूरी टीम बहुत शानदार है और मैं सभी के साथ दोबारा काम करने का इंतज़ार कर रही हूं।

आपके कमबैक का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

सच कहूं तो कोई ख़ास मंत्र नहीं है। हाँ, यह ज़रूर कहूंगी कि फिल्मों से दूर रहने के बावजूद मेरा दिल हमेशा यहीं था। अब मैंने तय कर लिया है कि कभी कभी नहीं नहीं कहूंगी, बल्कि हर अवसर के साथ खुद को नया बनाती रहूंगी।

एलर्जी वाले परफयूम से बचें

आमतौर पर परफयूम सिंथैटिक होते हैं और कैमिकल्स से बने होते हैं। ये केमिकल्स स्किन के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन से एलर्जी भी हो जाती है जैसे दाने, ड्राइनैस, जलन यहां तक कि पिगमैंटेशन भी हो जाती हैं। संवेदनशील स्किन के लिए तो ये बहुत हानिकारक साबित होते हैं। अगर स्किन में किसी तरह का रिएक्शन हो जाए तो प्रभावित स्थान को ठंडे पानी से धोएं। फिर अच्छा मॉयश्चराइजर लगाएं। उस जगह को खुजलाएं नहीं वरना सूजन हो सकती है। ऐसे नैचुरल परफयूम का इस्तेमाल करें जिस में कैमिकल्स न हों।

साइट्रस- संतरे या नीबू की खुशबू वाला परफयूम पूरे दिन मूड को ठीक रखता है। इसे दिन में लगाएं, पूरे दिन एक्टिव और फ्रैश महसूस करेंगी।

वुडी- ये परफयूम गरम होते हैं। इन्हें लगाने के बाद सैक्स संबंधित तंत्रिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं। इन्हें अंतरंग पलों में लगाने से रिश्ते में प्रगाढता आती है। इससे शाम या रात के समय ही लगाएं।

फलोरल- इसे डेली, कारनेशन, गार्डेनिया, जैस्मिन, औरेंज ब्लौसम आदि फलोरल खुशबुओं से तैयार किया जाता है। कई बार इन सारी खुशबुओं को एकसाथ भी मिला कर बनाया जाता है इसका प्रयोग गर्मी में करना बेहतर रहता है। फूलों की खुशबू वाले परफयूम रिलैक्सेशन तो देते ही हैं, सैक्स अपील भी बढ़ाते हैं।

स्पाइसी- इसकी खुशबू बहुत तेज होती है। अगर किसी काम में मन न लग रहा हो तो इसे लगाने से निश्चय ही काम का जुनून पैदा हो जाएगा।

शादी का बंधन है जरूरी

पच्चीस वर्षीय रागिनी के घर में पिछले 2-3 हफ्तों से शादी का हल्ला-गुल्ला चल रहा था। न...न... ये हल्ला-गुल्ला शादी के रस्मों-रिवाज, मेहमानों की चिल्ल-पौं और खुशियों की धमाचौकड़ी से नहीं उपजा है। असल में तो पिछले दिनों रागिनी के माता-पिता उसकी शादी के लिए एक रिश्ते लाने की गुस्ताखी कर बैठे। गुस्ताखी इसलिए क्योंकि रागिनी को शादी के बंधन में बँधने से इंकार है। उसे लगता है कि इसकी कोई जरूरत नहीं। क्या आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं?

रागिनी ने इस पर न सिर्फ घर में वबाल मचाया बल्कि अपने पापा से यह भी कह दिया कि यदि आज के बाद मेरे लिए कोई रिश्ते लेकर आए तो मैं घर छोड़कर चली जाऊँगी। उसकी इन बातों ने उसके पिता को बुरी तरह झकझोर दिया। वे डर गए कि कहीं उनकी बेटी शादी के दबाव के चलते कोई गलत कदम न उठा ले। अंततः उन्होंने तय किया कि अब उसके लिए कोई नया रिश्ता नहीं देखेंगे।

वहीं पिछले दिनों जब रागिनी अपनी एक सहेली की बहन की शादी में गई तो वहाँ पाया कि नया जोड़ा और कई अन्य शादीशुदा जोड़े पूरी तन्मयता से विवाह की रस्में एन्ज्वॉय कर रहे थे। यही नहीं कुछ रस्में तो बड़ी ही दिल छू लेने वाली थीं और कई अविवाहित युवक-युवतियाँ भी मनोयोग से उन्हें देख-सुन रहे थे।

इसके कुछ ही दिनों बाद रागिनी का अपनी बचपन की सहेली रेशमी के घर जाना हुआ। उसने वहाँ देखा कि किस तरह रेशमी का पति देवेश उसकी छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखता है। वह अपने से ज्यादा रेशमी की फिक्र करता है। इन सभी बातों के कारण अंततः रागिनी के मन में भी शादी करने की भावना जागने लगी।

रागिनी ही नहीं बल्कि ज्यादातर लड़कियाँ जो 20 साल के पड़ाव से गुजर रही होती हैं, शादी से दूर भागती हैं। दरअसल कहने का मतलब यह है कि जमाना बदल चुका है, सोच-विचार में खुलापन आया है, लिव-इन-रिलेशनशिप तक को अर्ध कानूनी मान्यता मिल चुकी है। इन सबके बावजूद शादी आज भी हमारी जरूरत है।

अच्छी बात यह है कि इस दौर में भी शादी के मायने हमारे लिए नहीं बदले हैं। हम यह भलीभाँति जानते हैं कि हमें हर मोड़ पर किसी विशेष व्यक्ति की जरूरत होती है जो हमारी बातों को हमारी आँखों से समझ जाए। कोई ऐसा हो जो हमें हमसे बेहतर जानता हो, हमारे लिए जीता हो। शादी हमारी भावनाओं को भी एक खास मुकाम देती है।

अक्सर देखा जाता है कि 30 या 35 साल की उम्र के बाद जो पुरुष या महिला अकेले होते हैं, उन्हें अकेलापन कचोटता है। वे अपनी तन्हाइयों से घिरे होते हैं। नतीजतन आम लोगों की तुलना में ये ज्यादा कठोर हो जाते हैं।

समाजशास्त्रियों का मानना है कि ताउम्र अकेले रहना कोई आसान काम नहीं है। अकेले में न हमारी भावनात्मक जरूरतें पूरी हो पाती हैं, न ही हम अपने दिल की बात किसी से शेयर कर पाते हैं। फिर समाज ऐसी महिलाओं क्या पुरुषों तक को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता।

वजह चाहे जो भी हो महिला हो या पुरुष दोनों के लिए ही जीवनसाथी की बेहद जरूरत होती है। जिंदगी जीने के लिए हमारे पास एक साथी का होना बहुत जरूरी है। सिर्फ इसलिए नहीं कि हमें समाज का हिस्सा बनना है बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह हमारी मानसिक जरूरत है वरना हम जिंदगी के हर मोड़ पर खुद को अकेला पाते हैं और इसकी पूर्ति कोई अन्य शख्स नहीं कर सकता।

सो, जिंदगी चाहे कितनी ही तेजी से आगे क्यों न बढ़ रही हो, समय हमारे लिए जीवनसाथी की कमी को कभी पूरा नहीं कर सकता। अतः शादी आज भी हमारे लिए उतनी ही अहम है जितनी कि पुराने जमाने में हुआ करती थी।

दुल्हन श्रृंगार

सभी चाहते हैं कि उनके विवाह में सबका ध्यान उनकी तरफ हो पर खूबसूरत दिखने के लिये केवल मेकअप ही काफी नही हैं। विवाह के कुछ दिन पहले से करे अपनी सही देखभाल और पायें सबकी आँखों में अपने लिये तारीफ की चमक।

त्वचा की देखभाल

साफ सफाई : रोज रात को सोते वक्त और सुबह किसी अच्छे क्लीजर से चेहरे की सफाई करें।

फेसमास्क : फेसमास्क हफ्ते में दो बार लगायें। यह चेहरे को ताजगी व त्वचा को कसावट देगा। त्वचा के अनुरूप फेसमास्क लगायें बेहतर होगा हर्बल फेसमास्क का उपयोग करें।

मॉइश्चराइजर : यह आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल खींच लेता है और यदि क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद भी त्वचा पर गंदगी रह गई, तो उसे भी साफ कर देता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा के पोर भी सिकुड़ जाते हैं, जिससे ज्यादा इकट्ठी नहीं हो पाती।

सनटैन : विवाह संबंधी कार्यों के सिलसिले में अक्सर बाहर जाना होता है। सूर्य की तेज किरणें आपकी त्वचा को कांतिहीन बना देती है। धूप में निकलने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार के मुताबिक सनस्क्रीन लगायें।

वैक्सिंग : विवाह के छः हफ्ते पहले वैक्सिंग करवा लें। छह हफ्तों में बाल पुनरू पूरी तरह विकसित हो जाते हैं। अब शादी के ठीक पहले वैक्सिंग करवाने से त्वचा साफ-सुंदर-कोमल दिखेगी।

बालों की देखभाल

हेयर स्टाइल : शादी पर हेयर स्टाइल कैसी रहेगी, ये पहले से तय करें। यदि छोटे बालों वाली स्टाइल सूट करती हो तो छह हफ्ते पहले बाल ट्रिम कटवा लें। बाद में कोई दूसरी हेयर स्टाइल बिलकुल न करवायेजो पहले कभी न करवाई हो। स्टाइल जितनी सहज हो, उतना ही अच्छा।

हेयर-ड्रायर : कुछ हफ्ते पहले से हेयर ड्रायर और वॉल्यूमनाइजर का इस्तेमाल बंद कर दें। शादी और उसके बाद के अवसरों पर यूं भी इनका काफी इस्तेमाल करना पड़ता है।

तेल-अच्छी शैम्पू : शैम्पू से पहले गर्म तेल को बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में कंडीशनर भी शादी तक न लगायें।

महिलाओं में स्लिम दिखने की चाहत

स्लिम दिखने के साथ हर वक्त फिट रहना महिलाओं की पहली चाहत बन रही हैं। दिल्ली और मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, बैगलुरू पुणे, हैदराबाद, नागपुर, भोपाल आदि बड़े शहरों में आधुनिक महिलाएं अपने फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। योग, जिम या ऐरोबिक्स कुछ भी करके वह अपने आप को फिट रखना चाहती हैं।

अपना मनपसंद खाना छोड़ सूप और सलाद खाकर रहती हैं। रेस्तरां में भी वे ऐसी चीजें मंगवाती हैं, जो सेहत के हिसाब से उनके लिए सही हों। ज्यादा तला-भुना या मसालेदार खाने से उन्हें परहेज हैं। महिलाएं पहले से कहीं ज्यादा अपनी फिटनेस को लेकर जागरूक हो रही हैं। वह फिटनेस एक्सपर्ट के पास जाकर एक्सरसाइज और डाइट के बारे में जानने लगी हैं। कई फिटनेस एक्सपर्ट की राय में महिलाएं पहले के मुकाबले अब कहीं ज्यादा चुस्त दिखना चाहती हैं।

स्कीन की ज्यादा देखभाल

महिलाएं न सिर्फ सेहत, बल्कि अपनी स्कीन की भी पूरी देखभाल करती हैं। सौंदर्य प्रसाधनों से बाजार भरा पड़ा हैं। जगह-जगह ब्यूटी सैलून खुल गए हैं, जो महिलाओं को सुंदर बनाने में सुबह से शाम तक जुटे रहते हैं। साधारण मॉश्चराइजर से लेकर एंटी टैनिंग और एंटी एजिंग क्रीम का इस्तेमाल बढ़ रहा है। बढ़ती उम्र चेहरे पर न दिखें, इसके लिए तीस पार कर चुकी महिलाएं हर तरह का जतन करती है। केमिस्ट की दुकान चला रहे राज भार्गव का कहना हैं कि महिलाएं उनसे एंटी एजिंग क्रीम की ज्यादा डिमांड करती हैं। क्रीम काफी महंगी पड़ती हैं, पर बात जब खूबसूरती की हो, तो फिर पैसे की बात कहां।

योगा पर भी ध्यान

जिम और एरोबिक्स के साथ योग आधुनिकाओं की आदत में शुमार हो चला हैं। चुस्त और पतली दिखाने की चाह में। बूटकैंप और मसाला योगा दो ऐसे व्यायाम हैं, जिन्हें युवतियां और महिलाएं ज्यादा पसंद कर रही हैं। जिम में भी युवतियां खासी दिलचस्पी ले रही हैं। जिम चला रहे कई लोगों की राय में महिलाओं की मेंबरशिप में पहले से करीब 35 प्रतिशत इजाफा हुआ हैं।

खान-पान में बदलाव

युवतियों और महिलाओं में खान-पान को लेकर काफी बदलाव आया हैं। महिलाओं ने अपने खान-पान में खासा फेरबदल किया हैं। ज्यादा तला-भुना, ज्यादा मसालेदार या वैसी चीजें जो उनके वजन को अनियंत्रित कर दें, उन्हें बिल्कुल खाना पसंद नहीं करती। अपनी डाइट में मल्टीग्रेन, ऑरगेनिक फूड, सूप और सलाद जैसी चीजें शामिल करती हैं। आरगेनिक फूड की सबसे ज्यादा डिमांड हैं। एक सर्वे के अनुसार दस में से आठ महिलाएं चाहे, वह हाउसवाइफ हो या वर्किंग, हर किसी ने अपने खान-पान में बदलाव किया है।

चाहिए स्लिम फिगर

अपने वेस्ट और हिप साइज को सही रखने के लिए महिलाएं खूब पसीना बहाती हैं। ज्यादा से ज्यादा युवतियां और महिलाएं डाक्टर के पास सिर्फ यह पूछने जाती हैं कि वे अपने वजन को कैसे कम करें ताकि वे मोटापा, हाइपरटेंशन और डायबीटिज से बच सकें। महिलाएं अब अपने पसंदीदा स्टार को फिट रहने के तरीके बताते हुए देखती हैं, तो उन्हें उन पर भरोसा बढ़ जाता हैं। फिटनेस आइकन जैसे बिपाशा बसु, शिल्पा शेट्टी, प्रिटी जिंटा और लारा दत्ता जैसी दिखने के लिए पूरा जोर लगा देती हैं।

पहनावा भी बदला

महिलाएं जहां पहले साड़ी और सलवार कमीज में लिपटी होती थीं, वहीं अब तरह-तरह के परिधान बाजार की शोभा बढ़ा रहे हैं। इन्हें पहनने के लिए महिलाओं का फिट होना बेहद जरूरी हैं। जींस-टॉप, मिनी स्कर्ट, कैप्री, लेगिंग्स, कुर्ती इन सब के लिए शरीर सही शेप में होना चाहिए।